आज का मौसम
18.0° अधिकतम तापमान
8.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.57
सूर्यास्त 05.30

अमृत विचार
लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 12:29 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082
रविवार, 4 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 335, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले- बुद्ध के अवशेष देश की विरासत का हिस्सा
- 11

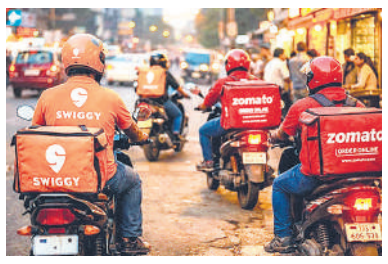

■ एटरनल के संस्थापक ने कहा - गिग व्यवस्था से डिलीवरी कर्मियों पर दबाव नहीं
- 12

■ ऑपरेशन सिंदूर : पाकिस्तान ने संघर्ष के लिए रुकवाने का चीन को दिया क्रेडिट
- 13

■ मोहम्मद सिराज न्यूजीलैंड श्रृंखला से करेंगे वनडे में वापसी
- 14

हमले के बाद वेनेजुएला पर कब्जा

अमेरिका ने आधी रात की एयरस्ट्राइक राष्ट्रपति मादुरो व उनकी पत्नी गिरफ्तार

राष्ट्रपति ट्रंप बोले-लाइव देखी मादुरो की गिरफ्तारी, न्यूयार्क लाए जा रहे दंपत्ति

मादक पदार्थों की तस्करी के अलावा भ्रष्ट, अवैध सरकार का अभियोग लगा

कारावास (वेनेजुएला), एजेंसी

अमेरिका ने शुक्रवार देर रात वेनेजुएला पर बड़े पैमाने पर हमला किया। जिसके बाद राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों पर अमेरिका में मुकदमा चलाया जाएगा। ट्रंप ने वेनेजुएला पर अब अमेरिकी कब्जा होने की बात कही। उन्होंने कहा कि मादुरो को सत्ता से अपदस्थ किये जाने बाद अमेरिका वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार का दोहन करेगा और अन्य देशों को बड़ी मात्रा में तेल बेचेगा

ट्रंप ने हमले के कुछ घंटों बाद सोशल मीडिया पर इस संबंध में एक पोस्ट भी की। उन्होंने कहा कि मादुरों की गिरफ्तारी को उन्होंने लाइव देखा है, जिसके लिए उन्होंने चार दिन तक इंतजार किया। वेनेजुएला की राजधानी कारावास में शुक्रवार रात दो बजे धमाकों की आवाज सुनी गई।

घटना को लेकर टिप्पणी करते हुए वेनेजुएला सरकार ने अमेरिका पर कई राज्यों में सैन्य तथा सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने का आरोप लगाया। वेनेजुएला की सरकार ने इसे साम्राज्यवादी हमला करार दिया और नागरिकों से सड़कों पर उतरने का आह्वान किया। ट्रंप ने 4:30 बजे (ईस्टर्न टाइम) के बाद 'ट्रुथ सोशल' पर इन घटनाक्रमों की घोषणा की। यह अभियान अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग से चलाया गया। वेनेजुएला के राष्ट्रपति के पहले से रिकॉर्ड किए गए वीडियों को गुरुवार को प्रसारित किया गया जिसमें वह कहते देखे गए कि अमेरिका वेनेजुएला में सरकार बदलने के लिए दबाव बनाने के साथ उसके विशाल तेल भंडार तक पहुंच हासिल करना चाहता है। वेनेजुएला के उपराष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिग्ज ने कहा कि वेनेजुएला के कुछ नागरिक और सैन्यकर्मी मारे गए, हालांकि उन्होंने कोई संख्या नहीं बतायी। अमेरिकी न्याय विभाग ने मादुरो और उनकी पत्नी के खिलाफ एक नया अभियोग लगाया है। जिनमें भ्रष्ट, अवैध सरकार का नेतृत्व करने का आरोप लगाया है, जिसने दशकों से मादक पदार्थों की तस्करी समेत अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सरकारी ताकत का दुरुपयोग किया है।

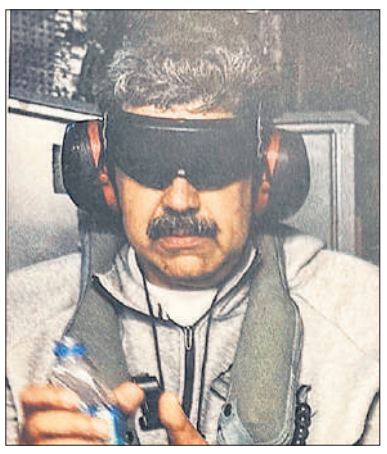

हमले के बाद वेनेजुएला की राजधनी में लगी आग। **दाएं :** राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा निकोलस मादुरो की आखों में पट्टी बांधे शेयर की गई तस्वीर।

वेनेजुएला में सुरक्षित सत्ता हस्तांतरण तक अमेरिका प्रशासन संभालेगा : ट्रंप

वाशिंगटन। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला में सुरक्षित सत्ता हस्तांतरण होने तक अमेरिका उस देश का प्रशासन संभालेगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी उपस्थिति पहले से ही स्थापित है। ट्रंप ने कहा, हम लातिन अमेरिकी देश की बागडोर तब तक संभालेंगे जब तक हम एक सुरक्षित, उचित और विवेकपूर्ण सत्ता हस्तांतरण नहीं कर लेते। ट्रंप ने दावा किया कि विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने वेनेजुएला के उपराष्ट्रपति से उस देश को फिर से महान बनाने के बारे में बात की है। ट्रंप ने 'मार-ए-लागो' में एक संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि यह अत्यंत सफल अभियान किसी भी ऐसे व्यक्ति के लिए चेतावनी के रूप में काम करना चाहिए, जो अमेरिकी संप्रभुता को खतरा पहुंचाना चाहता है।

ट्रंप ने मादुरो की आंखों पर पट्टी बांधे तस्वीर की शेयर

वाशिंगटन। ट्रंप ने कहा कि दंपति अमेरिकी युद्धपोत इवो जिमा पर सवार हैं और न्यूयॉर्क की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर मादुरो की आंखों पर पट्टी बांधे और ट्रैकसूट पहने हुए जहाज पर ली गई एक तस्वीर पोस्ट की। अमेरिकी हमले के बाद वेनेजुएला में राजनीतिक अनिश्चितता की स्थिति पैदा हो गई है। रूस और चीन सहित कई प्रमुख देशों ने कार्रवाई के लिए वॉशिंगटन की आलोचना की है।

भारत ने वेनेजुएला की यात्रा से बचने की दी सलाह

नई दिल्ली। भारत ने शनिवार रात अपने नागरिकों को वेनेजुएला की स्थिति को देखते हुए वहां गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी। विदेश मंत्रालय ने वेनेजुएला में मौजूद सभी भारतीयों से भी अत्यधिक सावधानी बरतने और अपनी आवाजाही सीमित रखने को कहा है। जो भारतीय किसी भी कारण से वेनेजुएला में हैं, उन्हें अत्यधिक सतर्क रहने, अपनी गतिविधियां सीमित रखने और कारावास स्थित भारतीय दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह दी जाती है। वेनेजुएला में लगभग 50 अनिवासी भारतीय (एनआरआई) और 30 भारतीय मूल के लोग रहते हैं।

उपराष्ट्रपति ने मादुरो के जीवित रहने का प्रमाण मांगा

कारावास। वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिग्ज ने कहा है कि अमेरिकी सेना द्वारा राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़े जाने के बाद सरकार को नहीं पता कि वे कहां हैं। रॉड्रिग्ज ने कहा, हमें इसकी जानकारी नहीं कि राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस कहां है। हम उनके जीवित होने का प्रमाण मांगते हैं।

उद्यमियों को इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में देंगे मदद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीआईआई प्रतिनिधि बोले- उत्तर प्रदेश में व्यापार और निवेश का माहौल बहुत मजबूत

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के शीर्ष प्रतिनिधियों से मुलाकात के दौरान शनिवार को कहा कि प्रदेश में उद्योगों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में राज्य सरकार हरसंभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था, पारदर्शी प्रशासन और निवेश-अनुकूल नीतियों के कारण प्रदेश आज देश का सबसे भरोसेमंद निवेश गंतव्य बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री ने उद्योगों को आश्वस्त किया कि सरकार की प्राथमिकता है कि निवेशकों को सुरक्षित, स्थिर और अनुकूल वातावरण मिले, ताकि औद्योगिक परियोजनाएं समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतर सकें। योगी से शनिवार को आवास पर भारतीय उद्योग परिसंघ के शीर्ष प्रतिनिधियों ने राजीव मेमानी, उमाशंकर भरतिया और सुनील मिश्रा के नेतृत्व में मुलाकात कर निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विस्तार को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया। प्रतिनिधियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश का सिस्टम और गवर्नेंस मॉडल पूरी तरह बदला है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि एक्सप्रेसवे, औद्योगिक कॉरिडोर, एयरपोर्ट, लॉजिस्टिक्स हब के साथ बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के तेज विकास ने राज्य के औद्योगिक इकोसिस्टम को नई मजबूती दी है। कहा कि बेहतर कानून, सशक्त इंफ्रास्ट्रक्चर से अब एक विश्वसनीय राज्य के रूप में उभर चुका है।

एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में भागीदार होंगे

उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के विजन में वे सक्रिय भागीदार बनना चाहते हैं। मुख्यमंत्री के साथ इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट को और गति देने पर चर्चा हुई। डिक्रिमिनलाइजेशन विधेयक के लागू होने से उद्योग जगत का भरोसा और बढ़ा है। वहीं, योगी के साथ बातचीत में यह भी सामने आया कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अब केवल नीति तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर प्रभावी ढंग से लागू हो रहा है। सिंगल-विंडो सिस्टम 'निवेश मित्र' वर्तमान में 43 विभागों की 525 से अधिक सेवाएं प्रदान कर रहा है।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, परीक्षा की चिंता दबाव, डर और उससे निकलने की राह व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

ब्रीफ न्यूज

छत्तीसगढ़ में दो मुठभेड़ में 14 नक्सली मारे गए

सुकमा/बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षाबलों के साथ शनिवार को दो अलग-अलग मुठभेड़ों में 14 नक्सली मारे गए। सुरक्षाबलों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सटीक रणनीति, सतत दबाव और मजबूत जमीनी पकड़ के चलते यहां माओवादी नेटवर्क तेजी से ढह रहा है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने सुकमा जिले में 12 नक्सलियों तथा पड़ोसी जिले बीजापुर में दो अन्य नक्सलियों को मार गिराया। उन्होंने बताया कि सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर सुरक्षाबलों ने तलाश अभियान शुरू किया।

जरूरतमंदों तक पहुंचना चाहिए न्याय: सीजेआई

पटना, एजेंसी

- चाणक्य राष्ट्रीय विधि विवि में आयोजित दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि कानून प्रणाली में सहानुभूति होना जरूरी है, क्योंकि इसी से एक न्यायपूर्ण समाज और अन्यायपूर्ण समाज में फर्क होता है। उन्होंने कहा कि न्याय सबसे ज्यादा उन लोगों और समुदायों तक पहुंचना चाहिए, जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। सीजेआई ने ये बातें पटना के चाणक्य राष्ट्रीय विधि विवि में आयोजित दीक्षांत समारोह में कहीं।

उन्होंने युवा वकीलों को याद दिलाया कि करियर में मेहनत और जोश होना जरूरी है, लेकिन इसके कारण संवेदनशीलता व नैतिक भावनाओं का नुकसान नहीं होना चाहिए। कई युवा वकील मानते हैं कि सफलता के लिए काम, नियमों और उम्मीदों के प्रति समर्पित होना जरूरी है। कुछ समय के लिए यह जोश जरूरी है, लेकिन इससे मन की संवेदनशीलता नहीं मिटनी चाहिए। अगर कानून आपके जीवन के हर हिस्से पर हावी होता है, तो आप उस सहानुभूति और न्याय के लिए जरूरी समझ खो सकते हैं जो जरूरी है। यही सहानुभूति न्यायपूर्ण समाज को अन्यायपूर्ण समाज से अलग करती है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के नए कुलपति बने जय प्रकाश सैनी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के नए कुलपति प्रोफेसर जय प्रकाश सैनी होंगे। प्रोफेसर सैनी वर्तमान में गोरखपुर में मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति हैं। उनकी नियुक्ति की घोषणा कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने की।

-विस्तृत खबर पुलआउट 4 पर पढ़े

2025 में दिल्ली में वायु प्रदूषण का 65% हिस्सा बाहर से आया

- सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली। वर्ष 2025 में दिल्ली के वायु प्रदूषण का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा शहर के बाहर से, मुख्य रूप से एनसीआर के अन्य जिलों से आया, जबकि शेष 35 प्रतिशत का कारण स्थानीय स्रोत रहे। एक अध्ययन में यह दावा किया गया है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के एक विश्लेषण के अनुसार, निर्णय समर्थन प्रणाली के शीतकालीन आंकड़ों से पता चला कि 2025 में राष्ट्रीय राजधानी में बाहर से आना वाला प्रदूषण, स्थानीय उत्सर्जन से अधिक था।

सर्दियों के मौसम के दौरान प्रदूषण के स्रोत के आंकड़ों से पता चलता है कि दिल्ली के पीएम2.5 प्रदूषण में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन का योगदान लगभग आधा है, जो उद्योग, निर्माण और अन्य दहन स्रोतों से होने वाले योगदान से कहीं अधिक था, फिर भी दिल्ली की सीमा के पार का प्रदूषण स्थानीय प्रदूषण में समग्र रूप से प्रमुख कारक बना रहा। सीआरईए के विश्लेषक मनोज कुमार एन ने कहा, दिल्ली की भौगोलिक स्थिति भी इसे संवेदनशील बनाती है, क्योंकि उत्तरी और पश्चिमी हवाएं आसपास के क्षेत्रों से प्रदूषित हवा को शहर में लाती हैं।

संगम में आस्था का सैलाब

लखनऊ। तीर्थराज प्रयागराज में शनिवार को पौष पूर्णिमा स्नान पर्व के साथ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वार्षिक समागम माघ मेला-2026 की भव्य शुरुआत हुई। पवित्र त्रिवेणी संगम और आसपास के घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। वहीं, संगम पर पूरे दिन स्नान, पूजन और दान का क्रम चलता रहा। प्रशासन के अनुसार सायं चार बजे तक 22 लाख से अधिक श्रद्धालु संगम में पुण्य स्नान कर चुके थे, जबकि यह संख्या रात तक 25 लाख पार करने का अनुमान है।

केकेआर ने मुस्तफिजुर को हटाया

- भारत-बांग्लादेश के बीच तनाव के मद्देनजर उठाया कदम, बीसीसीआई के निर्देश पर की कार्रवाई

गुवाहाटी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने शनिवार को बीसीसीआई के निर्देश पर इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र से पहले बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से रिलीज कर दिया।

बीसीसीआई ने भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंधों में बढ़ते तनाव के मद्देनजर यह कदम उठाया। पिछले महीने खिलाड़ियों की नीलामी में केकेआर ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज रहमान को 9.20 करोड़ में खरीदा था। उनका आधार मूल्य दो करोड़ रुपए था। चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के साथ कड़ी बोली प्रक्रिया के बाद केकेआर इस 30 वर्षीय गेंदबाज को अपनी टीम से जोड़ने में सफल रहा था। बीसीसीआई ने कहा कि 26 मार्च से शुरू होने वाली लीग में जरूरत पड़ने पर केकेआर को उनके स्थान पर किसी अन्य खिलाड़ी का चयन करने की अनुमति होगी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया, बीसीसीआई ने केकेआर से मुस्तफिजुर को अपनी टीम से रिलीज करने को कहा है।

बांग्लादेश में हमले के 3 दिन बाद हिंदू कारोबारी की मौत

ढाका/नई दिल्ली, एजेंसी

- खोकोन चंद्र दास (50) पर बुधवार रात हुआ था हमला
- दिसंबर से हिंदू समुदाय के किसी व्यक्ति की यह पांचवीं मौत

बांग्लादेश में तीन दिन पहले बर्बर हमले के बाद आग के हवाले किए गए एक हिंदू व्यापारी की शनिवार को मौत हो गई। अल्पसंख्यक समुदाय के एक नेता ने यह जानकारी दी।

बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के प्रवक्ता काजोल देबनाथ ने कहा कि दिसंबर से हिंदू समुदाय के किसी व्यक्ति की यह पांचवीं मौत है और बांग्लादेश में कट्टरपंथी समूह अल्पसंख्यक समुदायों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं।

खोकोन चंद्र दास (50) पर बुधवार रात को शरीयतपुर जिले के केउरभंगा बाजार के पास उस समय हमला किया गया जब वह अपनी दुकान बंद करके घर लौट रहे थे।

सिंचाई की परियोजनाओं को मिले 6,431 करोड़

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बुंदेलखंड, पूर्वांचल और पश्चिमी यूपी में सिंचाई, पेयजल व कृषि को मिलेगी नई मजबूती

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी के प्रयासों से शनिवार को राज्य ने सिंचाई क्षमता में क्रांति की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय की दीर्घकालिक सिंचाई कोष योजना के अंतर्गत नाबार्ड ने प्रदेश की तीन प्रमुख नहर परियोजनाओं के लिए 6,431.34 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है।

इसके तहत बुंदेलखंड में अर्जुन सहायक नहर, पूर्वांचल के लिए सरयू नहर परियोजना और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मध्य गंगा नहर परियोजना (चरण-2) का निर्माण व क्षमता विस्तार किया जाएगा। नाबार्ड के अधिकारियों के मुताबिक इसके तहत बुंदेलखंड क्षेत्र में अर्जुन सहायक नहर, पूर्वांचल के क्षेत्र में सरयू नहर और संभल, मुरादाबाद, अमरोहा जनपद में मध्य गंगा नहर परियोजना के दूसरे चरण का निर्माण किया जाएगा। ये परियोजनाएं पूर्वी, पश्चिमी यूपी में बाढ़ नियंत्रण के साथ बुंदेलखंड के सूखा प्रभावित क्षेत्र में कृषि उत्पादन, किसानों की आय में वृद्धि के साथ पेयजल की समस्या के समाधान में मदद मिलेगी।

उपलब्धि एक माह में राष्ट्रीय स्तर पर दो बड़े सम्मान, सहफसली खेती से कर रहे दो लाख रुपये प्रति हेक्टेयर की अतिरिक्त आमदनी

खेती में नवाचार की मिसाल बने प्रगतिशील किसान अचल

विकास शुक्ल, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : तराई क्षेत्र के प्रगतिशील किसान अचल कुमार मिश्रा ने पारंपरिक खेती को नवाचार से जोड़कर न केवल अपनी आमदनी बढ़ाई है, बल्कि जिले का नाम प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर भी रोशन किया है। खेती में सहफसली मॉडल अपनाकर उन्होंने यह साबित कर दिया है कि यदि वैज्ञानिक सोच और बाजार की मांग को समझकर खेती की जाए तो किसान भी मिलेनियर फार्मर बन सकता है।

विकास खंड बिजुआ के गांव मेड़ईपुरवा जगदेवपुर निवासी अचल कुमार मिश्रा ने शरदकालीन गन्ने के साथ गेंदा फूल की सहफसली खेती कर अभिनव प्रयोग किया है।

गन्ने की सहफसली खेती में लहलहाते गेंदे के फूल। **दाएं :** प्रगतिशील किसान अचल कुमार मिश्रा।

इस प्रयोग से उन्हें गन्ने की नियमित आय के साथ दो लाख रुपये प्रति हेक्टेयर की अतिरिक्त आमदनी हो रही है। जगदेवपुर गांव में एक एकड़ भूमि पर शीतकालीन गन्ने की बुवाई ट्रेंच विधि से की गई, जिसमें गन्ने की कतारों के बीच गेंदा बोया गया। गेंदा की फसल लगभग अप्रैल माह तक तैयार हो जाती है। इसके बाद गन्ने की बढ़वार तेजी से शुरू होती है, जिससे दोनों फसलों में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं होती। वे फूलों की नेपाल तक सप्लाई कर रहे हैं। अचल का कहना है कि सहफसली खेती किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने का प्रभावी माध्यम है।

राष्ट्रीय स्तर पर कई सम्मान

अचल को आईसीएआर, पूसा नई दिल्ली से वर्ष 2023-24 के लिए लगातार दो बार फार्मर मिलेनियम अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। हरियाणा में आयोजित राष्ट्रीय किसान कार्यक्रम में उन्हें सर्वश्रेष्ठ किसान पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। दिसंबर माह में ही उन्हें दो और राष्ट्रीय सम्मान क्रमशः मिलेनियर फार्मर किसान सम्मान और आईसीएआर स्तर पर विशेष सम्मान मिला।

मांग को बनाया अवसर

अचल बताते हैं कि जिले की धार्मिक नगरी गोला गोकर्णनाथ में स्थित प्राचीन शिव मंदिर के कारण फूलों की मांग पूरे वर्ष बनी रहती है। इसी मांग को अवसर में बदलते हुए उन्होंने गन्ने के साथ स्थानीय स्तर पर गेंदे की खेती शुरू की। उन्होंने सरकार की फ्लोरिकल्चर मिशन योजना के अंतर्गत किसानों का एक क्लस्टर भी तैयार किया, ताकि आसपास के किसान भी फूलों की खेती से जुड़ सकें।

अन्य किसानों के लिए बने प्रेरणा स्रोत

अचल की यह सफलता अब जिले के अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बन रही है। उनके खेतों पर किसानों का आवागमन बना रहता है, जो उनके प्रयोग को अपनाने की कोशिश कर रहे हैं। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस मॉडल को बड़े स्तर पर अपनाया जाए तो गन्ना किसानों की आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। अचल ने साबित कर दिया है कि गन्ने की मिठास के साथ फूलों की खुशबू जोड़कर खेती को खुशहाल बना सकते है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 4 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

'रोजगार दो-सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा 16 से

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी, पेपर लीक और आरक्षण में कथित घोटालों के खिलाफ 16 से 22 जनवरी तक आम आदमी पार्टी (आप) तीसरे चरण की 'रोजगार दो-सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा निकालेगी। यह पदयात्रा मिर्जापुर के शहीद उद्यान से काशी-वाराणसी के सारनाथ तक लगभग 100 किलोमीटर के रूट पर आयोजित होगी। यह जानकारी पार्टी के उप्र. प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने दी। गोमतीनगर स्थित प्रदेश पार्टी कार्यालय में शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस में आप सांसद ने कहा कि प्रदेश में युवाओं के भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह पदयात्रा बेरोजगार युवाओं, वंचित वर्गों और सामाजिक अन्याय के शिकार लोगों की आवाज बनेगी।

शिक्षकों का समायोजन निरस्त करने की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत किए गए तीसरे चरण के शिक्षक समायोजन में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश (प्राथमिक संवर्ग) ने अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं, महासंघ ने जिला स्तर पर किए गए समायोजन को निरस्त करने की मांग की है। इस संबंध में संगठन ने उच्चाधिकारियों को ज्ञापन भेजा है। प्रदेश अध्यक्ष शिवशंकर सिंह ने शनिवार को बताया कि शैक्षिक सत्र 2025-26 में शिक्षकविहीन और एकल विद्यालयों में सरप्लस शिक्षकों के समायोजन के शासनादेश के बावजूद जिलों में अलग-अलग मानक अपनाए गए हैं।

समाजवादी पीडीए पंचांग-2026 जारी

पीडीए पंचांग जारी करते अखिलेश यादव।

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में समाजवादी पीडीए पंचांग-2026 का विमोचन किया। पंचांग का प्रकाशन अखिल भारतीय चौरसिया महासभा ने किया है, जिसमें विशेष रूप से पीडीए समाज के महापुरुषों की जयंती एवं पुण्यतिथि के साथ राष्ट्रीय एवं ऐतिहासिक दिवसों का भी उल्लेख है। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अजय चौरसिया ने बताया कि पंचांग में रोजाना की आवश्यकता के भी कालम हैं। सावित्री बाई फुले की जयंती के अवसर पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सावित्री बाई के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

माघ मेला की भव्य शुरुआत, संगम पर उमड़ा आस्था का सैलाब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पौष पूर्णिमा पर 22 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी
- प्रशासन रहा मुस्तैद, सुरक्षा के रहे अभूतपूर्व इंतजाम

अमृत विचार : तीर्थराज प्रयागराज में शनिवार को पौष पूर्णिमा स्नान पर्व के साथ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वार्षिक समागम माघ मेला-2026 की भव्य शुरुआत हुई। कड़ाके की ठंड और गलन के बावजूद तड़के ब्रह्म मुहूर्त से ही पवित्र त्रिवेणी संगम और आसपास के घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। प्रशासन के अनुसार सायं चार बजे तक 22 लाख से अधिक श्रद्धालु संगम में पुण्य स्नान कर चुके थे, जबकि यह संख्या रात तक 25 लाख पार करने का अनुमान है।

गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर पूरे दिन स्नान, पूजन और दान का क्रम चलता रहा। संगम तट पर आध्यात्मिक उल्लास और धार्मिक आस्था का अनुपम दृश्य देखने को मिला। देश के कोने-कोने से आए श्रद्धालुओं, संत-महात्माओं और अखाड़ों ने माघ मेले की पहली डुबकी लगाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रशासन द्वारा की गई व्यापक व्यवस्थाओं से श्रद्धालु संतुष्ट नजर आए। संगम क्षेत्र में स्नान, आवागमन और सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था रही।

माघ मेले की शुरुआत के साथ ही पूरा मेला क्षेत्र उत्सव और उल्लास से सराबोर हो गया। प्रयागराज की मंडलायुक्त सौम्या ने बताया कि शाम पांच बजे तक 22 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया और यह क्रम लगातार जारी है। मेला पुलिस अधीक्षक नीरज पांडेय के अनुसार, मेला क्षेत्र और शहर में 1500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। पब्लिक एड्रेस सिस्टम, वॉच टावर, जल पुलिस और आधुनिक उपकरणों से लैस सुरक्षाकर्मियों के जरिए प्रभावी भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित किया गया है।

पौष पूर्णिमा पर प्रयागराज में संगम तट पर कड़ाके की ठंड और गलन के बावजूद पवित्र स्नान के बाद पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु।

माघ मेले में प्रस्तुति देंगे ख्याति प्राप्त कलाकार

अमृत विचार, लखनऊ: प्रयागराज की त्रिवेणी भूमि पर 3 जनवरी से शुरू माघ मेला-2026 में संस्कृति विभाग, उप्र. अंतर्गत संस्कृति निदेशालय की स्वायत्तशासी संस्थाओं की ओर से भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। शनिवार को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने ने बताया कि संस्कृति विभाग द्वारा चयनित ख्यातिलब्ध कलाकारों की सहभागिता से शास्त्रीय संगीत, वाद्य संगीत, शास्त्रीय नृत्य, लोकनृत्य, भजन, कबीर वाणी, सुंदरकांड, शंख वादन, देशभक्ति एवं उप-शास्त्रीय प्रस्तुतियां होंगी। बताया कि माघ मेला के दौरान लोकगायिका मालिनी अवस्थी, भजन सम्राट अनूप जलोटा, कबीर कैफे, ममता जोशी, मैहर बैंड सहित कई प्रसिद्ध कलाकारों की प्रस्तुतियां प्रस्तावित हैं।

फर्जीवाड़ा कर 89 मदरसों ने हासिल की मान्यता, दर्ज होगी एफआईआर

143 मदरसों की मान्यता की एसआईटी जांच में 42 प्रबंधक मिले दोषी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत
- 11.73 करोड़ रुपये सरकारी धन के गबन के मिले साक्ष्य

अमृत विचार: मदरसा बोर्ड में फर्जीवाड़ा कर मान्यता हासिल करने का खेला बदस्तूर जारी है। हाल ही में शासन द्वारा गठित स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने मिर्जापुर के 143 मदरसों के मान्यता की जांच की। जिसमें 89 ने फर्जीवाड़ा कर मान्यता की मंजूरी करा ली। इन मदरसों ने मान्यता के साथ ही सरकारी धन का भी खुलेआम उपभोग किया। इस बड़े घोटाले में एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट शासन को भेजी है। जिसमें अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारी व कर्मचारी के अलावा 42 मदरसा प्रबंधकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की सिफारिश की है।

मिर्जापुर जिले में संचालित 143 मदरसों की जांच स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने की। जांच के दौरान 89 मदरसों की मंजूरी में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। इसके साथ ही मदरसा आधुनिकीकरण योजना के तहत नियुक्त शिक्षकों को बिना किसी भौतिक या दस्तावेजी सत्यापन के अवैध रूप से मानदेय दिए जाने के भी ठोस सबूत मिले हैं।

एसआईटी रिपोर्ट के अनुसार, इस पूरे मामले में तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों, कर्मचारियों और मदरसा प्रबंधकों की मिलीभगत सामने आई है। रिपोर्ट में नीरज कुमार अग्रवाल, (वर्तमान जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, सिद्धार्थनगर), विष्णु कुमार मिश्रा (वर्तमान जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, सोनभद्र), विजय प्रताप यादव (वर्तमान उप निदेशक, आजमगढ़), शिव शंकर मालवीय (सेवानिवृत्त क्लर्क), राजेश गिरी (कंप्यूटर ऑपरेटर) और 42 मदरसा प्रबंधकों को दोषी ठहराया गया है। एसआईटी ने इन सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की सिफारिश की है।

जांच में यह भी सामने आया कि अधिकारियों और कर्मचारियों ने मदरसा प्रबंधकों के साथ मिलकर सरकारी आदेशों और उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद अधिनियम, 2004 का उल्लंघन करते हुए मदरसों को अस्थायी मान्यता दी। इसके बाद बिना उचित जांच-पड़ताल के शिक्षकों के वेतन के लिए बजट की मांग की गई और कई ऐसे मदरसों को भी भुगतान कर दिया गया, जिनके लिए बजट स्वीकृत नहीं था। इस प्रक्रिया में करीब 11.73 करोड़ रुपये के सरकारी धन के गबन के साक्ष्य मिले हैं। वहीं, तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी विनोद कुमार जायसवाल (वर्तमान में उप निदेशक, गोरखपुर) पर वर्ष 2017 में बिना किसी सत्यापन के डिजिटल हस्ताक्षर के जरिए मदरसों को लॉक करने और लगभग 1.94 करोड़ रुपये के भुगतान का आरोप है। उनके खिलाफ लापरवाही और शिथिलता को लेकर विभागीय जांच पहले से ही चल रही है, हालांकि एसआईटी ने उनके खिलाफ एफआईआर की सिफारिश नहीं की है।

26 जून 2020 को अल्पसंख्यक कल्याण निदेशक की सिफारिश पर 2 नवंबर 2020 को इस प्रकरण की जांच एसआईटी से कराने का निर्णय लिया गया था। जांच के दौरान दस्तावेजी और मौखिक साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद बड़े पैमाने पर अनियमितताओं की पुष्टि हुई। रिपोर्ट सामने आने के बाद अब इस मामले में राज्य स्तर पर सख्त कानूनी और विभागीय कार्रवाई की संभावना बढ़ गई है।

अयोग्य कोर्स कोआर्डिनेटर के प्रमाण-पत्रों की होगी जांच, विभाग ने शासन से की सिफारिश

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत संचालित अभ्युदय कोचिंग सेंटरों में भर्ती हुए 48 अयोग्य कोर्स कोआर्डिनेटर के सारे प्रमाण-पत्रों की जांच कराई जाएगी। इसकी सिफारिश समाज कल्याण विभाग ने शासन से की है। वहीं, गोमतीनगर पुलिस इस मामले में दर्ज एफआईआर की जांच शुरू कर दी है। पुलिस मामले से जुड़े साक्ष्य व दस्तावेज जुटा रही है। इसके बाद आरोपियों को नोटिस जारी करेगी। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत संचालित अभ्युदय कोचिंग सेंटरों में अयोग्य कोर्स कोआर्डिनेटर 48 की भर्ती की गई थी। इन सभी को 60 हजार रुपये प्रति माह का मानदेय दिया जा रहा था। भर्ती के दो वर्ष बाद इस फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। इसके बाद गोमतीनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। आउटसोर्सिंग कंपनी अवनि परिधि एनर्जी-कम्युनिकेशन प्रा. लि. इस मामले में दोषी पायी गई है। इस फर्जीवाड़े में विभाग के अधिकारी व कर्मचारी की भूमिका भी संदिग्ध पायी गई है। इसकी जांच विभागीय स्तर पर चल रही है। वहीं, पुलिस इन सभी की कुंडली खंगाल रही है। दो वर्षों में कुल 48 कोर्स कोआर्डिनेटरों को कुल 6.91 करोड़ रुपये का भुगतान हो चुका है। समाज कल्याण विभाग की ओर से इन सभी कोर्स कोआर्डिनेटरों से रिकवरी की जाएगी। इस मामले में गोमतीनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

प्रदेश के 14 सेतुओं की मरम्मत के लिए 1297.90 करोड़ रुपये मंजूर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हादसे रोकने की पहल, किसानों व्यापारियों और औद्योगिक गतिविधियों को भी सीधा लाभ

अमृत विचार : प्रदेश में सड़क और सेतु इंफ्रास्ट्रक्चर को सुरक्षित एवं सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान प्रदेश के 14 सेतुओं की मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य के लिए 1297.90 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। यह कार्य लोक निर्माण विभाग के माध्यम से प्रदेश के 14 जिलों में कराया जाएगा।

शासनादेश के अनुसार, यह धनराशि राज्य योजना (सामान्य) के अंतर्गत सेतु अनुरक्षण मद से खर्च की जाएगी। शासन का उद्देश्य है कि समय से पहले जर्जर हो रहे पुलों की मरम्मत कर यातायात को सुरक्षित बनाया जाए और भविष्य में किसी भी तरह की दुर्घटना की आशंका को रोका जा सके।

स्वीकृत परियोजनाओं के तहत आजमगढ़, चित्रकूट, बांदा, बस्ती, जालौन, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, उन्नाव और अमरोहा सहित कुल 14 जिलों में सेतुओं की मरम्मत, रीहैबिलिटेशन, एप्रोच रोड सुधार और सुरक्षा संबंधी कार्य किए जाएंगे। इसमें कुआनो, सई, धसान, बागेन, गोमती, वान नदी और रामगंगा फीडर नहर पर बने सेतु शामिल हैं। शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक परियोजना के लिए पहले विस्तृत आगणन (डीपीआर) तैयार कर सक्षम अधिकारी से तकनीकी स्वीकृति ली जाएगी। इसके बाद ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि इन कार्यों की किसी अन्य योजना के तहत दोहराव न हो।

लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि सभी मरम्मत कार्य निर्धारित मानकों और स्वीकृत विशिष्टताओं के अनुरूप कराए जाएं। गुणवत्ता में किसी भी तरह की लापरवाही पर संबंधित अभियंताओं की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

तीन आरटीओ, 18 एआरटीओ को नई तैनाती

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- राघवेंद्र सिंह बने आरटीओ वाराणसी, आलोक कुमार यादव लखनऊ और वैभव सोती को एआरटीओ बरेली प्रवर्तन का जिम्मा

अमृत विचार: शासन ने तीन आरटीओ समेत 18 एआरटीओ को नई तैनाती दी है। संभागीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ प्रशासन) राघवेंद्र सिंह को वाराणसी, मनोज कुमार सिंह को आरटीओ प्रशासन सहारनपुर व अम्बरीश कुमार को आरटीओ प्रवर्तन मेरठ बनाया गया है। वहीं राजधानी लखनऊ में आलोक कुमार यादव को एआरटीओ प्रवर्तन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इस आशय के आदेश शनिवार को विशेष सचिव खेमपाल सिंह ने जारी किए हैं। नव प्रोन्नत 18 सहायक संभागीय परिवहन अधिकारियों को विभिन्न जनपदों में तैनाती दी गई है। चंपा लाल को सिद्धार्थनगर का एआरटीओ प्रशासन, अशोक कुमार श्रीवास्तव को गाजियाबाद, कौशल कुमार सिंह को सोनभद्र का एआरटीओ प्रशासन बनाया गया है। वहीं हरिओम को एआरटीओ प्रवर्तन बदायूं, वैभव सोती को एआरटीओ प्रवर्तन बरेली दल, आलोक कुमार यादव को एआरटीओ प्रवर्तन लखनऊ, सतेंद्र कुमार सिंह को एआरटीओ प्रवर्तन मथुरा, विंध्याचल कुमार गुप्ता को कानपुर का एआरटीओ प्रवर्तन का दायित्व सौंपा गया है। मानवेंद्र प्रताप सिंह को सहारनपुर, विनय कुमार सिंह को आगरा, कृष्ण कुमार यादव को फर्रुखाबाद का एआरटीओ प्रशासन बनाया गया है। उमेश चंद्र कटियार को सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन रायबरेली, गुलाब चंद्र अयोध्या, विपिन कुमार को बागपत, हरिओम को शाहजहांपुर, प्रतीक मिश्रा को फतेहपुर, नीतू शर्मा को बुलंदशहर का एआरटीओ प्रवर्तन बनाया गया है। देवदत्त कुमार को मेरठ का एआरटीओ प्राविधिक बनाया गया है।

अयोध्या में तैनात खान निरीक्षक निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अवैध खनन को लेकर लापरवाही बरतने के आरोप

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने अयोध्या में तैनात खान निरीक्षक पाठक चन्द्रशेखर रामानुज को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन के दौरान उन्हें मुख्यालय लखनऊ से संबद्ध किया गया है। उन पर अवैध खनन और अवैध परिवहन मामलों में लापरवाही बरतने के आरोप लगे थे। सख्त रुख अपनाते हुए शासन द्वारा यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत की गई है।

भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग, उप्र. की सचिव एवं निदेशक माला श्रीवास्तव ने शनिवार को बताया कि खान निरीक्षक द्वारा अपने पदीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही और उदासीनता बरती गई। साथ ही, उप खनिजों के अवैध खनन और अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने में वे विफल पाए गए। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा अवैध खनन और परिवहन पर पूर्ण अंकुश लगाने के लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को कड़े निर्देश दिए गए हैं। यदि किसी भी स्तर पर कोई अधिकारी या कर्मचारी उप खनिजों के अवैध खनन अथवा परिवहन में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

स्ट्रॉबेरी, ड्रैगनफ्रूट और रागी की खेती से कायम की मिसाल

आधुनिक खेती के प्रशिक्षण से सालाना तीन लाख रुपये कमा रहीं इटावा की मंत्रवती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बेहतर नीति, मजबूत इच्छाशक्ति और आधुनिक सोच से इटावा की एक ग्रामीण महिला ने आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम कर दी है। इटावा जिले के भतोरा गांव की रहने वाली मंत्रवती शाक्य आज गांव में रहकर स्ट्रॉबेरी, ड्रैगनफ्रूट और रागी की खेती से सालाना करीब तीन लाख रुपये की कमाई कर रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रूरल डेवलपमेंट की विशेष प्लानिंग के तहत स्वयं सहायता समूहों से महिलाओं को जोड़ने और आधुनिक खेती का प्रशिक्षण देने का यह परिणाम है।

मंत्रवती शाक्य

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद मंत्रवती ने पारंपरिक खेती से आगे बढ़ते हुए बाजारोन्मुख और लाभकारी फसलों को अपनाया। आठवीं तक शिक्षित मंत्रवती ने कोरोना काल में नई शुरुआत की। वह एक बीघा में स्ट्रॉबेरी (अक्टूबर-मार्च), तीन बीघे में ड्रैगनफ्रूट (छह माह में कटाई) और रागी जैसे मोटे अनाज की खेती करती हैं। ड्रैगनफ्रूट की खासियत यह है कि एक बार का निवेश 20 साल तक नियमित आमदनी देता है, जिससे उनकी आय स्थायी बनी हुई है।

महिलाओं को दे रहीं प्रशिक्षण, बन रहीं रोल मॉडल

मंत्रवती सिर्फ अपनी नहीं, बल्कि अन्य महिलाओं की भी तकदीर संवार रही हैं। वह जिले के अलग-अलग ब्लॉकों की 50 से अधिक महिलाओं को आधुनिक खेती का प्रशिक्षण दे चुकी हैं। उनका कहना है कि 12-15 महिलाओं का स्वयं सहायता समूह बनाकर शुरुआत की जा सकती है।

गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में विशेष अतिथि

मंत्रवती की उपलब्धियों को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन्हें दो बार सम्मानित कर चुके हैं। अब यह उनके लिए गौरव का क्षण है कि गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड में वह प्रदेश की ओर से विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगी।

समय पूर्व रिहाई प्रक्रिया न्यायसंगत हो : राज्यपाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने निर्देश दिए कि समयपूर्व रिहाई की प्रक्रिया पारदर्शी, न्यायसंगत और सुधारात्मक उद्देश्य के अनुरूप होनी चाहिए, जिससे बंदियों के अधिकार सुरक्षित रह सकें। उन्होंने कारागार व्यवस्था में मानवीय दृष्टिकोण अपनाने, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास की सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया।

राज्यपाल शनिवार को राजभवन में कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं, उप्र. द्वारा समयपूर्व रिहाई से संबंधित प्रस्तावित शासनादेश पर समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थी। बैठक में बंदियों के आय सृजन और आत्मनिर्भरता पर भी चर्चा हुई। आनन्दी बेन पटेल ने निर्देश दिए कि बंदियों को उनकी रुचि के अनुसार कौशल प्रशिक्षण दिया जाए और उत्पादक गतिविधियों से जोड़ा जाए। जेल परिसरों में उगाई जा रही सब्जियों के उपयोग को आंगनबाड़ी केंद्रों व प्राथमिक विद्यालयों के मध्यान्ह भोजन में शामिल करने की संभावनाओं पर अध्ययन के निर्देश भी दिए गए।

बदलाव | व्यवस्था होगी और पारदर्शी, 98 जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी फैमिली आईडी

फैमिली आईडी से फर्जी लाभार्थियों पर लगेगी रोक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पोर्टल पर अब तक 44 लाख आवेदन, 15.07 करोड़ को मिल रहा लाभ : प्रमुख सचिव

अमृत विचार: समाज के अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से प्रदेश में फैमिली आईडी कार्ड को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर एक मजबूत और पारदर्शी व्यवस्था विकसित की जा रही है। फैमिली आईडी के माध्यम से डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर को प्रभावी बनाया गया है, जिससे फर्जी लाभार्थियों पर रोक लगी है और वास्तविक पात्र परिवारों तक योजनाओं का लाभ निर्बाध पहुंच रहा है।

प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार के अनुसार, केंद्र और राज्य सरकार की कुल 98 जनकल्याणकारी योजनाएं अब फैमिली आईडी से जुड़ चुकी हैं। इन योजनाओं का लाभ प्रदेश के 15.07 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को मिल रहा है। फैमिली आईडी पोर्टल पर अब तक 44 लाख नागरिक आवेदन कर चुके हैं। शहरी क्षेत्रों में लेखपाल और ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत अधिकारी के माध्यम से फैमिली आईडी बनाई जा रही है। एक ही पहचान संख्या से पूरे परिवार का विवरण उपलब्ध होने से योजनाओं का लाभ पारदर्शी, त्वरित और सटीक तरीके से पात्र लोगों तक पहुंच रहा है।

आधार आधारित प्रणाली से गरीबों तक सीधी पहुंच : फैमिली आईडी के लिए परिवार के सभी सदस्यों का आधार नंबर और मोबाइल से लिंक होना अनिवार्य है, जिससे ओटीपी आधारित सत्यापन किया जा सके। यह व्यवस्था गरीब, श्रमिक, किसान, महिला, बुजुर्ग और दिव्यांग तक सरकारी सहायता की सीधी पहुंच सुनिश्चित कर रही है। अब तक 19 लाख से अधिक फैमिली आईडी कार्ड वितरित किए जा चुके हैं और यह कार्ड पूरी तरह निःशुल्क है, जिसका खर्च सरकार स्वयं वहन कर रही है। फैमिली आईडी डाटाबेस में अब तक 15.7 करोड़ से अधिक नागरिक पंजीकृत हैं।

एक परिवार-एक पहचान से योजनाओं का स्वत: चयन

फैमिली आईडी 12 अंकों की विशिष्ट पहचान संख्या है, जिसमें परिवार के सभी सदस्यों की जानकारी दर्ज रहती है। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप यह व्यवस्था एक परिवार-एक पहचान के सिद्धांत को साकार कर रही है। इससे पात्रता के आधार पर योजनाओं का स्वत: चयन संभव हो रहा है और दोहराव, अपात्रता या गड़बड़ी की संभावनाएं समाप्त हो रही हैं। फैमिली आईडी लागू होने से नागरिकों को आय, जाति, निवास जैसे प्रमाण पत्रों के लिए अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे। सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि जो परिवार किसी कारणवश राशन कार्ड से वंचित हैं, वे भी फैमिली आईडी के माध्यम से योजनाओं से जुड़ सकें।

ईडी ने मौर्या उद्योग लि. की 99.26 करोड़ की संपत्ति जब्त की

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आम्रपाली समूह के निवेशकों के रुपये मौर्या उद्योग में किये गये थे ट्रांसफर, छह मामले दर्ज 33 आरोपी बनाए

अमृत विचार: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की लखनऊ टीम ने आम्रपाली समूह के पीएमएलए के तहत 99.26 करोड़ रुपये की संपत्ति अस्थायी रूप से जब्त की है। जब्त की गई संपत्तियों में मौर्या उद्योग लि. का कार्यालय, कारखाना भूमि व भवन शामिल है। यह सुरेका समूह की एक इकाई है। जिसके मालिक नवनीत सुरेका व अखिल सुरेका है। ईडी के अधिकारियों के मुताबिक आम्रपाली समूह के भवन खरीदने में निवेशकों ने करोड़ों रुपये निवेश किये, जिसे मौर्या उद्योग लि. में लगाया गया।

ईडी के मुताबिक, मौर्या उद्योग लि. की 30 दिसंबर 2016 तक कुल बाजार मूल्य 99.26 करोड़ रुपये था। ईडी ने गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश के विभिन्न पुलिस स्टेशनों और दिल्ली पुलिस के ईओडब्ल्यू में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर कार्रवाई की है। यह मामला पीड़ित घर खरीदारों की ओर से दायर याचिकाओं पर दर्ज किया गया है। आरोप था कि आम्रपाली समूह ने घर खरीदारों से भारी मात्रा में धन जुटाया। निर्धारित समय के भीतर फ्लैटों का कब्जा नहीं दिया। फर्जी लेनदेन, जालसाजी और धोखाधड़ी की साजिश कर घर खरीदारों के धन का दुरुपयोग किया।

ईडी के मुताबिक, आम्रपाली समूह के निदेशक अनिल शर्मा, शिव प्रिया, अजय कुमार, लेखा परीक्षक अनिल मित्तल, मुख्य वित्तीय अधिकारी चंदर प्रकाश वधवा को गिरफ्तार किया था। ईडी ने छह मामले दर्ज किये हैं। जिसमें 33 लोगों को आरोपी बनाया गया है। ईडी ने अब तक इस समूह से जुड़े लोगों की कुल मिलाकर 303.08 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों को कुर्क किया है।

न्यूज ब्रीफ

सावित्रीबाई फुले की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

अमृत विचार, काकोरी : दुबग्गा के जेहटा गांव में शनिवार को फुले आर्मी फाउंडेशन के तत्वावधान में भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, महान समाज सुधारक और नारी शिक्षा की अग्रदूत माता सावित्रीबाई फुले की जयंती हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर उनके संघर्षपूर्ण जीवन और ऐतिहासिक योगदान को स्मरण किया। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष नीरज सैनी ने माता सावित्रीबाई फुले के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने सामाजिक रूढ़ियों और भेदभाव के दौर में महिलाओं और दलितों को शिक्षा का अधिकार दिलाने के लिए साहसिक संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे मजबूत माध्यम माना और अपना पूरा जीवन समाज सुधार को समर्पित कर दिया। उनका जीवन आज भी समानता, शिक्षा और न्याय की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने माता सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

धनंजय सिंह पर एफआईआर कराने वाले के घर पहुंचे सात संदिग्ध

सीसीटीवी फुटेज में सभी के कंधे पर दिखे बैग, जांच में निकले बच्चे

संवाददाता, गोसाईंगंज

सीसीटीवी में कैद हुए बच्चे।

- कोचिंग से निकलकर शरारती अंदाज में गए थे छात्र-छात्रा

अमृत विचार : सुशांत गोल्फ सिटी के अहिमामऊ स्थित स्वास्तिका सोसाइटी में सड़क कब्जे को लेकर जौनपुर के ब्लॉक प्रमुख पति विनय सिंह और पूर्व सांसद धनंजय सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने वाले कौशल तिवारी के घर के बाहर शुक्रवार रात सात संदिग्ध पहुंचने का मामला सामने आया। पीड़ित का आरोप था कि संदिग्धों ने उनके गेट पर लात मारी और बाहर निकलने पर हमला करने की बात कही। घटना की तहरीर और वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की, जिसमें सभी संदिग्ध पास में स्थित एक कोचिंग सेंटर के छात्र-छात्रा निकले। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

कौशल तिवारी ने बताया कि धनंजय सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद से वह कम ही घर से बाहर निकल रहे हैं। उनका कहना है कि शुक्रवार रात करीब 08:22 बजे सात संदिग्ध सोसाइटी में पहुंचे, जिनमें एक युवती भी थी। सभी के कंधों पर बैग टंगे हुए थे। आरोप है कि उनमें से एक ने गेट पर लात मारी। आवाज सुनकर जब वह बाहर निकले तो उनमें से एक ने हमला करने की बात कही। इसके बाद सभी छह-सात लोग गाली-गलौज करते हुए मौके से भाग गए। कौशल ने तत्काल डायल-112 पर सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। फुटेज में सभी संदिग्ध बैग टांगे हुए दिखाई दिए। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि बैग में कुछ भी हो सकता था और यह भी आशंका जताई कि जिन लोगों के खिलाफ उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराई है, वही लोग उनकी हत्या कराने की साजिश रच सकते हैं। इसे साजिश बताते हुए कौशल तिवारी ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में तहरीर दी।

डीसीपी दक्षिणी निपुण अग्रवाल ने बताया कि मामले को संज्ञान में लेते हुए एसीपी गोसाईंगंज ऋषभ यादव के नेतृत्व में तीन टीमों का गठन किया गया। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों को ट्रेस किया गया। जांच में सामने आया कि कैमरे में कैद सभी लोग टेक्नोथिंकर एजुकेशनल सॉल्यूशन नामक कोचिंग सेंटर में पढ़ने वाले छात्र-छात्रा थे। वे कोचिंग से निकलकर शरारती अंदाज में करीब पचास मीटर दूर स्थित पीड़ित के घर तक चले गए थे।

लोहिया संस्थान की इमरजेंसी में लापरवाही का आरोप, इलाज न मिलने से बुजुर्ग महिला की मौत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- दो घंटे तक डॉक्टर के न देखने का आरोप, गोल्डन ऑवर निकलने से गई जान
- निजी अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दम, परिवारीजनों ने उपमुख्यमंत्री से शिकायत की बात कही

अमृत विचार : डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान की इमरजेंसी सेवाओं पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शुक्रवार रात इलाज के अभाव में मोहनलालगंज से गंभीर हालत में लाई गई 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। परिवारीजनों ने इमरजेंसी में तैनात डॉक्टरों और स्टाफ पर घोर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि समय रहते इलाज न मिलने से महिला का गोल्डन ऑवर निकल गया, जिसके कारण उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

मोहनलालगंज के गनियार गांव निवासी वकील सुरेश सिंह के अनुसार उनकी मां कलावती (80) को सांस लेने में तकलीफ होने पर शुक्रवार रात करीब 11 बजे एम्बुलेंस से लोहिया संस्थान की इमरजेंसी में लाया गया था। आरोप है कि इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टरों ने मरीज को दो घंटे से अधिक समय तक देखा तक नहीं। परिजनों द्वारा बार-बार गुहार लगाने पर केवल ग्लूकोज की बोतल लगाई गई, लेकिन कोई चिकित्सक जांच के लिए नहीं आया।

मृतका कलावती

सुरेश सिंह का कहना है कि जब उन्होंने बार-बार डॉक्टर से मरीज को देखने की मांग की तो स्टाफ और डॉक्टर नाराज हो गए। इलाज न होता देख हताश होकर वह अपनी मां को निजी अस्पताल ले जाने लगे, लेकिन शहीद पथ पर पहुंचते ही उनकी मां ने दम तोड़ दिया।

लोहिया संस्थान के प्रवक्ता डॉ. भुवनचंद्र तिवारी ने बताया कि ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं है। इस मामले को निदेशक के संज्ञान में लाकर जांच कराई जाएगी। यदि इमरजेंसी में मरीजों के साथ लापरवाही पाई गई तो दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी।

निजी अस्पताल ले जाने को करते हैं मजबूर

- परिवारीजनों ने आरोप लगाया कि लोहिया संस्थान की इमरजेंसी में रात के समय आने वाले मरीजों को गंभीरता से नहीं देखा जाता। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इमरजेंसी में निजी अस्पतालों के दलाल सक्रिय रहते हैं, जो सरकारी खर्च पर निजी अस्पताल में इलाज का झांसा देकर मरीजों के परिजनों को फंसा लेते हैं। परिजनों का कहना है कि उन्हें भी एक दलाल ने झांसा दिया था। मृतका के परिवारीजनों ने मामले की शिकायत उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक से करने की बात कही है और लापरवाह कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती चालक की संदिग्ध हालात में मौत, जांच की मांग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कर्मचारियों ने बाथरूम में फंदे की कही बात
- भाई ने गले पर निशान देख अनहोनी की जताई आशंका
- जानकीपुरम के सेक्टर-एफ इलाके की घटना

अमृत विचार : जानकीपुरम के सेक्टर-एफ स्थित नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती ई-रिक्शा चालक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। नशा मुक्ति केंद्र के कर्मचारियों ने आनन-फानन में चालक को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अलीगंज के अहिबरनपुर निवासी अजय वर्मा (32) ई-रिक्शा चालक थे। परिवार में पत्नी संगीता और दो बेटे हैं। संगीता दूसरों के घरों में घरेलू काम कर परिवार की मदद करती थी। अजय के भाई राधेश्याम ने बताया कि उनका छोटा भाई नशे का आदी था। इसी से परेशान होकर 16 दिसंबर को संगीता ने पति अजय को जानकीपुरम के गौशाला रोड सेक्टर-एफ स्थित नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया था।

31 दिसंबर को संगीता पति के लिए गर्म कपड़े लेकर नशा मुक्ति केंद्र पहुंची थी, लेकिन वहां मौजूद कर्मचारियों ने अजय से मिलने से मना कर दिया और 4 जनवरी को आने की बात कही। इस पर संगीता गर्म कपड़े देकर लौट आई। शुक्रवार को करीब चार बजे नशा मुक्ति केंद्र के कर्मचारियों ने संगीता को फोन कर ट्रामा सेंटर बुलाया। वहां पहुंचने पर गेट पर ही बताया गया कि अजय ने बाथरूम में लगे कीले में लोअर के नाड़े के सहारे फंदा लगा लिया था। कर्मचारियों के मुताबिक फंदा टूटने से अजय बाथरूम की फर्श पर गिर पड़ा, जिसकी आवाज सुनकर कर्मचारी मौके पर पहुंचे। दरवाजा तोड़कर उसे बाहर निकाला गया और ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। भाइयों ने अजय के गले पर गहरे निशान देखे, जिससे उन्हें संदेह हुआ। उन्होंने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी। मृतक के भाई ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

श्रद्धा और जनसहभागिता से आयोजित हुआ धनुष यज्ञ मेला

संवाददाता, बख्शी का तालाब

अमृत विचार : महिंगवा ग्राम पंचायत में परंपरागत एक दिवसीय वार्षिक धनुष यज्ञ मेला श्रद्धा और आस्था के वातावरण में भव्य रूप से संपन्न हुआ। मेले में दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं के साथ जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी ने आयोजन को और गरिमामय बना दिया। वैदिक मंत्रोच्चार और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

मुख्य मंच पर भगवान श्रीराम के धनुष भंजन का सजीव मंचन प्रस्तुत किया गया, जिसे देखने के लिए दर्शक देर शाम तक मंत्रमुग्ध रहे। रामलीला के कलाकारों ने अपने प्रभावशाली अभिनय से धार्मिक प्रसंगों को जीवंत कर दिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक अविनाश त्रिवेदी सहित अन्य नेताओं ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक बताया। सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से महिंगवा पुलिस टीम पूरी तरह मुस्तैद रही। स्वयंसेवकों के सहयोग से पुलिस ने मेले में शांति और व्यवस्था बनाए रखी। मेला समिति के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, प्रबंधक अनिल कुमार पांडे, कोषाध्यक्ष वारिस अली और उपाध्यक्ष पिंटू सिंह चौहान के नेतृत्व में मिलन रावत, अरुण रावत सहित अन्य सदस्यों ने व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाया।

मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, झूलों और ग्रामीण बाजार ने उत्सव का रंग भर दिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने मेले का आनंद लिया। आयोजन समिति ने बताया कि धनुष यज्ञ मेला एक प्राचीन धार्मिक विरासत है, जो सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे को मजबूत करती है। ग्रामीणों ने अगले वर्ष मेले को और अधिक भव्य रूप में आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

रामलीला का मंचन करते कलाकार।

CITY MONTESSORI SCHOOL
is now also in
JANKIPURAM
Admissions Open from 12 JANUARY 2026
Nursery to Class 5
The CMS Advantage
- Spacious 7-Acre Campus, Fully Air-conditioned
- Smart Classrooms with Interactive Flat Panels
- Project-Based, Experiential Learning, NEP aligned Pedagogies
- Competency and Skill Based Assessments
- Sports, Wellness and Co-Curricular Activities
CMS CITY MONTESSORI SCHOOL
Kursi Road, Behind Srishti Apartments, Lucknow
93053-20024
cmseducation.org
UNESCO Recipient of 2002 UNESCO Prize for Peace Education
GUINNESS RECORD HOLDER AS THE WORLD'S LARGEST SCHOOL
Scan for Location

अमृत विचार
लखनऊ, रविवार, 4 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

गांव की समस्या का गांव में ही हो रहा समाधान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेशभर में ग्राम चौपालों के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। "गांव की समस्या-गांव में समाधान" की अवधारणा पर आधारित यह पहल डबल इंजन सरकार को सीधे गांव और गरीब तक पहुंचा रही है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व एवं निर्देशन में प्रत्येक विकास खंड की दो ग्राम पंचायतों में हर शुक्रवार ग्राम चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। इन चौपालों से जहां गांवों में संचालित विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत सामने आ रही है, वहीं सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं के क्रियान्वयन में भी तेजी आई है। चौपालों से पहले गांवों में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है तथा कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। यहां व्यक्तिगत के साथ-साथ सार्वजनिक समस्याओं का भी समाधान किया जा रहा है। ग्राम्य विकास विभाग से शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार, बीते शुक्रवार को प्रदेश की 1326 ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल आयोजित हुईं, जिनमें 3295 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

महिला शरणालयों व बाल गृहों की निरंतर निगरानी

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार महिला एवं बाल सुरक्षा, संरक्षण तथा संस्थागत पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। इसी क्रम में महिला कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के बाल गृहों एवं महिला शरणालयों की 24 घंटे सातों दिन निगरानी के लिए स्टेट डाटा मैनेजमेंट सेंटर (एसडीएमसी) का संचालन किया जा रहा है। यह जानकारी निदेशक महिला कल्याण संदीप कौर ने दी। निदेशक महिला कल्याण ने शनिवार को बताया कि महिला कल्याण निगम, बंगला बाजार स्थित भवन में अप्रैल 2025 से एसडीएमसी को निरंतर संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत विभाग द्वारा संचालित 60 बाल गृहों एवं 10 महिला शरणालयों सहित कुल 70 संस्थाओं में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की केन्द्रीय निगरानी की जा रही है। इससे संस्थाओं में निवासरत बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा, देखरेख तथा व्यवस्थाओं पर सतत नजर रखी जा रही है।

दालमंडी सड़क चौड़ीकरण व भूमि अधिग्रहण में लाएं तेजी

मुख्यमंत्री ने वाराणसी में विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीवरेज-पेयजल के लिए नगर निगम व जलनिगम कार्यप्रणाली सुधारें: योगी
- अवैध कब्जे करने वाले माफिया, पेशेवर गुंडे, चेन स्नेचरों के खिलाफ करें कड़ी कार्रवाई

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो दिवसीय दौरे पर काशी पहुंचकर सर्किट हाउस सभागार में कानून-व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने दालमंडी सड़क चौड़ीकरण से जुड़े भूमि अधिग्रहण और निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही, इससे संबंधित न्यायालयों में लंबित मामलों की प्रभावी पैरवी कर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि काशी की वैश्विक छवि के अनुरूप विकास और व्यवस्था दोनों में कोई ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी।

सीएम योगी ने सीवरेज और पेयजल व्यवस्था पर नगर निगम व जलनिगम को कार्यप्रणाली में सुधार के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को हर हाल में शुद्ध पेयजल मिले। सड़कों पर अनावश्यक जाम रोकने के लिए वेंडिंग जोन बनाकर रिक्शा-ठेलों को व्यवस्थित करने, उपयुक्त स्थानों पर पार्किंग विकसित करने और अवैध टैक्सी/बस/रिक्शा स्टैंड को हटाने के निर्देश भी दिए। नाविकों से संवाद बढ़ाने, वरुणा नदी पुनरोद्धार में आवश्यक कार्रवाई, घाटों पर अनुशासन बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अराजकता पर सख्ती के निर्देश दिए गए। ठंड को देखते हुए रैनबसेरों में कंबल सहित सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा गया। साइबर अपराधों पर लगाम के लिए साइबर थाना व हेल्पडेस्क को सक्रिय करने और अवैध कब्जाधारियों, माफिया, पेशेवर गुंडों व चेन स्नेचरों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि 2014–2025 के बीच 35,155 करोड़ रुपये के 486 प्रोजेक्ट पूरे हुए हैं, जबकि 17,915 करोड़ के 128 प्रोजेक्ट प्रगति पर हैं। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने कानून-व्यवस्था, यातायात और साइबर अपराधों पर की गई कार्रवाई की जानकारी दी।

रैनबसेरा में बिस्तर, अलाव की हो समुचित व्यवस्था

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार रात भीषण शीतलहरी में टाउनहॉल रैन बसेरा पहुंचे और यहां रह रहे लोगों का हाल जाना। मुख्यमंत्री ने ठंड से ठिठुरते लोगों को राहत पहुंचाते हुए कंबल एवं भोजन के पैकेट उपलब्ध कराए। उन्होंने सभी का कुशलक्षेम जाना। छोटे बच्चों को उन्होंने चॉकलेट भी दी। उन्होंने लोगों से कहा कि ठंड में बाहर सड़क पर खुले आसमान के नीचे कतई न सोएं। रैनबसेरा आप लोगों के लिए ही बनवाया गया है। उन्होंने रैनबसेरा में शरण लिए लोगों से व्यवस्थाओं के बाबत जानकारी ली और पूछा कि कोई कमी तो नहीं है? लोगों ने प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया।

काशी में वॉलीबॉल 'महाकुंभ' आज से

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली करेंगे उद्घाटन, मुख्यमंत्री योगी पहुंचे वाराणसी
- योगी ने की कानून-व्यवस्था की समीक्षा, किया दर्शन-पूजन व रैन बसेरों का निरीक्षण

अमृत विचार: काशी की खेल नगरी को नया आयाम देते हुए 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का उद्घाटन रविवार को सिगरा स्टेडियम में होगा। वाराणसी के सांसद एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दोपहर 12 बजे वर्चुअली इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता का उद्घाटन करेंगे। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्टेडियम में उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे। मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार को वाराणसी पहुंचकर कानून-व्यवस्था समेत खेल की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने बाबा विश्वनाथ और काल भैरव का दर्शन-पूजन भी किया। साथ ही, रैन बसेरों का निरीक्षण करके व्यवस्थाएं देखी। सिगरा स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 11 जनवरी तक चलने वाली इस चैंपियनशिप में देशभर से 58 टीमें (30 पुरुष और 28 महिला) हिस्सा ले रही हैं। कुल 1044 खिलाड़ी, जिनमें 540 पुरुष और 504 महिला खिलाड़ी राष्ट्रीय खिताब के लिए मुकाबला करेंगे। प्रतियोगिता की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को और बढ़ाते हुए स्विट्जरलैंड से अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल महासंघ के ऑब्जर्वर भी मौजूद रहेंगे।

उत्तर प्रदेश वॉलीबॉल संघ के सचिव सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में पहली बार सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का आयोजन हो रहा है। जिला वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष अभिमन्यु सिंह के अनुसार रेलवे के साथ-साथ सेना के तीनों अंगों थल, जल और नभ की संयुक्त टीम भी प्रतिभाग कर रही है।

काल भैरव का दर्शन-पूजन योगी।

बेटियों को मिली शिक्षा सुरक्षा और सम्मान

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 27 लाख बेटियां लाभान्वित हो चुकी हैं और उनका भविष्य सुरक्षित व सशक्त बन रहा है। अब तक योजना पर 647.21 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च की जा चुकी है, जो इसके प्रभावी क्रियान्वयन को दर्शाती है।

वर्ष 2019 में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि लैंगिक समानता को बढ़ावा, कन्या भ्रूण हत्या पर रोक और बेटियों के जन्म के प्रति सकारात्मक सामाजिक सोच विकसित करना है। चालू वित्तीय वर्ष में ही 3.28 लाख लाभार्थियों को 130.03 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 से सहायता राशि 15,000 से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दी गई है, जो जन्म से लेकर उच्च शिक्षा तक छह चरणों में दी जाती है। इस चरणबद्ध सहयोग से बेटियां हर शैक्षिक पड़ाव पर आगे बढ़ रही हैं और सामाजिक सोच में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

गुनगुनी धूप निकली तो शहर में मस्ती करती नजर आईं युवतियां। अमृत विचार

वैश्विक मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगी एआई सिटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 60 प्रतिशत कोर जोन में एआई इनोवेशन, निवेश व रोजगार का केंद्र
- निवेश के नए द्वार समेत युवाओं के लिए रोजगार का खाका तैयार

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी विकास मॉडल का अगला बड़ा पड़ाव लखनऊ में प्रस्तावित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सिटी है।

मुख्यमंत्री ने जनता के नाम अपने पत्र में भी एआई सिटी को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता स्पष्ट की थी। यह महत्वाकांक्षी परियोजना न केवल प्रदेश की आर्थिक गति को तेज करेगी, बल्कि प्रदेश को वैश्विक टेक मानचित्र पर एक नई पहचान भी दिलाएगी। प्रस्तावित एआई सिटी को दो हिस्सों में विकसित किया जाएगा। लगभग 60 प्रतिशत क्षेत्र को कोर जोन के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां एआई इनोवेशन सेंटर, टेक्नोलॉजी पार्क, रिसर्च एवं डेवलपमेंट सुविधाएं, डेटा सेंटर्स और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित होंगे। शेष 40 प्रतिशत क्षेत्र में रेजिडेंशियल, कमर्शियल और सामाजिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे यह एक आत्मनिर्भर और संतुलित टेक इकोसिस्टम के रूप में उभरे।

योगी सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में यूपी को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। इसके लिए आईटी–आईटीईएस और एआई सेक्टर को ग्रोथ इंजन के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसी रणनीति के तहत लखनऊ में एआई सिटी को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर विकसित करने की योजना है, ताकि सरकारी सहयोग और निजी निवेश का संतुलित ढांचा तैयार हो सके। एआई सिटी में स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर, ग्लोबल टेक कंपनियों के लिए अत्याधुनिक वर्कस्पेस और अत्याधुनिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराया जाएगा। इसका उद्देश्य भारतीय और अंतरराष्ट्रीय एआई कंपनियों को एक ही स्थान पर विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जिससे वे अपने प्रोजेक्ट्स को तेजी से विकसित कर सकें। सरकार का लक्ष्य लखनऊ को टॉप-20 ग्लोबल एआई हब्स में शामिल करना है।

एआई सिटी को ग्रीन और सस्टेनेबल डेवलपमेंट मॉडल पर विकसित किया जाएगा, जिससे तकनीकी विकास के साथ पर्यावरण संतुलन भी सुनिश्चित होगा।

युवाओं के लिए रोजगार और निवेश के नए द्वार

- राजधानी लखनऊ की शैक्षणिक और तकनीकी क्षमता एआई सिटी की सबसे बड़ी ताकत मानी जा रही है। भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ और भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान लखनऊ जैसे प्रतिष्ठित संस्थान पहले से ही यहां मौजूद हैं, जो रिसर्च, इनोवेशन और स्किल डेवलपमेंट में अहम भूमिका निभा रहे हैं। एआई सिटी इन संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर एक मजबूत टैलेंट पूल तैयार करेगी। इस परियोजना से हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। आईटी प्रोफेशनल्स, डेटा साइंटिस्ट्स, इंजीनियर्स, रिसर्चर्स और स्टार्टअप उद्यमियों के लिए यह एक बड़ा मंच बनेगा। स्थानीय युवाओं को अब उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियों के लिए प्रदेश से बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

देवरानी- जेठानी को पीटा, तीन पर आरोप

अमृत विचार, हरदोई : थाना क्षेत्र के गांव भौता कमालपुर के शिवचरण ने बताया कि 2 जनवरी की सुबह 11 बजे गांव के विपक्षी सुनील और उसकी पत्नी व मां ने खेत में उसकी बछिया चले जाने की खुन्नस में पहले तो उसके दरवाजे पर पहुंच कर गालियां दी। आरोप लगाया कि उसकी बहू मीरा के गालियां देने से मना करने पर लाठी डंडों से पिटाई करने लगें। उसकी छोटी बहू शीला उसको जब बचाने पहुंची तो उसकी पिटाई कर दी। घटना में पीड़ित शिवचरण की दोनों बहुएं शीला और मीरा को काफी गहरी चोट आई है।दोनों का उपचार मेडिकल कॉलेज में चल रहा हैं। थानाध्यक्ष कुलदीप सिंह ने बताया कि तहरीर के मुताबिक कार्यवाही की जा रही है।

2026 को सशक्तिकरण का वर्ष बनाएगी निषाद पार्टी : डॉ. संजय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : निषाद पार्टी वर्ष 2026 को समाज के संकल्प, संवाद और सशक्तिकरण का वर्ष बनाएगी। साथ ही 13 जनवरी 2026 को राजधानी में निषाद पार्टी का 13वां संकल्प दिवस भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समाज के गणमान्य लोग शामिल होंगे। यह जानकारी निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने दी।

राजधानी स्थित पार्टी प्रदेश कार्यालय में शनिवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कैबिनेट मंत्री ने बताया कि संकल्प दिवस आशियाना स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय के सभागार में मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 13 जनवरी से लेकर महाराजा गुह्यराज निषाद की जयंती तक प्रदेशव्यापी दौरा और पदयात्रा की जाएगी। इस दौरान मछुआ बाहुल्य विधानसभाओं और ग्राम सभाओं में जाकर समाज से सीधा संवाद स्थापित किया जाएगा तथा सरकार में सहभागी बनने के बाद निषाद समाज के हित में किए गए कार्यों और योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

सराय शहजादी गांव में चला बालिका जागरूकता अभियान

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार : बंथरा पुलिस ने मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के तहत शनिवार को सराय शहजादी गांव में महिला एवं बालिका जागरूकता अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बच्चियों को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और पुलिस द्वारा उपलब्ध सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक करना रहा।

इस दौरान उपनिरीक्षक गुलाबकली, उपनिरीक्षक नेहा यादव, उपनिरीक्षक रमेश चंद्र और महिला कांस्टेबल रामा गुड़िया सहित पुलिस टीम ने गांव की महिलाओं और बालिकाओं से सीधे संवाद किया। पुलिसकर्मियों ने मिशन शक्ति अभियान की जानकारी देते हुए महिलाओं और बच्चों से जुड़ी पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, 1090, 181, 1076 और 108 सहित अन्य महत्वपूर्ण नंबरों के बारे में बताया। साथ ही आपात स्थिति में इन नंबरों के उपयोग की प्रक्रिया भी विस्तार से समझाई।

पुलिस टीम ने महिला सशक्तिकरण से संबंधित सरकारी योजनाओं, महिला सुरक्षा केंद्र, महिला हेल्प डेस्क, पिंक बूथ, पिंक स्कूटी, यूपी कॉप एप और साइबर अपराध से जुड़ी जानकारियां साझा कीं। साइबर ठगी और ऑनलाइन अपराधों से बचाव के उपाय बताते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला गया। अभियान के दौरान पुलिस ने महिलाओं से अपील की कि किसी भी प्रकार की समस्या या अपराध की स्थिति में बिना झिझक पुलिस से संपर्क करें। साथ ही जागरूक रहकर स्वयं और अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया।

परिषदीय विद्यालयों में होगा वार्षिकोत्सव और खेल उत्सव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शासन ने तय की 31 जनवरी तक की तारीख, पीएम श्री विद्यालयों में नहीं होंगे आयोजन

अमृत विचार: बच्चों के चौतरफा विकास के लिए परिषदीय विद्यालयों में भी वार्षिकोत्सव और खेल उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस 31 जनवरी तक यह आयोजन कराए जाएंगे। पीएम श्री विद्यालयों में यह आयोजन नहीं होंगे। इस संबंध में राज्य परियोजना निदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने सभी बीएसए को निर्देश जारी किए हैं।

राज्य परियोजना निदेशक ने कहा है कि बच्चों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास, अनुशासन की भावना जगाने के साथ अभिभावकों आदि की भागीदारी के लिए यह आयोजन कराए जाएं। बीएसए इसके लिए सभी खंड शिक्षा अधिकारियों के साथ बैठक कर वार्षिकोत्सव के आयोजन की रूपरेखा तय करेंगे। सभी परिषदीय एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में वार्षिकोत्सव से पूर्व विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक का भी आयोजन किया जाएगा। वार्षिकोत्सव में बच्चों की खेलकूद व सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता कराई जाएगी।

कार्रवाई | रुपए न मिलने से नाराज होकर घटना को दिया था अंजाम

परिवार के युवक ने ही की थी वृद्धा की हत्या

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र त्र के ग्राम बलेहरा में 30/31 की रात में बुजुर्ग महिला की उसके परिवार के युवक ने भी की थी। मांगने पर रुपए न मिलने से नाराज होकर उसने घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने घटना का अनावरण कर आरोपी को जेल भेज दिया।

31 दिसम्बर को अतुल सिंह पुत्र रनवीर सिंह निवासी ग्राम महदोईया थाना रहीमाबाद लखनऊ पश्चिमी (कमिश्नरेट लखनऊ) द्वारा थाना बेहटा गोकुल पर तहरीर दी गयी कि उनकी सौतेली माता सावित्री देवी की किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा तार से गला कस कर हत्या कर दी है। इस संबंध में वादी की तहरीर के आधार पर थाना बेहटा गोकुल पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर घटना के शीघ्र खुलासे का निर्देश दिया। इस सिलसिले में स्वाट/सर्विलांस एवं एसओजी टीम को लगाया गया।

पुलिस गिरफ्त में हत्यारोपी।

पुलिस टीम द्वारा उपरोक्त अभियोग में प्रकाश में आये अभियुक्त संदीप सिंह उर्फ शैलू पुत्र विजय कुमार निवासी ग्राम बलेहरा थाना बेहटा गोकुल को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त से पूछताछ करने पर ज्ञात हुआ कि मृतका व अभियुक्त एक ही परिवार के थे। संदीप सिंह, मृतका के घर पर घरेलू कार्य करता था। अभियुक्त द्वारा सावित्री देवी से कुछ रुपये मांगे गये जिसे सावित्री देवी द्वारा मना कर दिया गया। अभियुक्त द्वारा इसी बात से क्षुब्ध होकर प्रेस के तार से सावित्री देवी का गला कस कर हत्या कर दी। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र गिरी ने बताया आरोपी को जेल भेज दिया गया।

पिता-पुत्र पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, हरदोई : एक ही जमीन का तीन लोगों से सौदा करके ठगी करने वाले पिता-पुत्र के खिलाफ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। शाहाबाद कोतवाली के मोहल्ला मौलागंज निवासी लवकुश के अनुसार मौलागंज मोहल्ले के रहने वाले परसादी और उसके पुत्र अमित कुमार से एक प्लाट का सौदा किया था, जिसमें एक स्टांप पर लिखकर ढाई लाख रुपए नगद दिया था। लवकुश के अनुसार बाद में उसे पता चला कि उपरोक्त दोनों पिता पुत्रों ने दो अन्य लोगों से इस प्लाट का सौदा कर दिया। पैसे वापस मांगे तो आरोपियों ने आनाकानी की। तब लवकुश ने पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया। उसके बाद उपरोक्त दोनों पिता पुत्रों ने 73 हजार नकद वापस किया। शेष रुपए आठ माह के अंदर देने का लिखित समझौता किया, लेकिन उसके बाद पिता पुत्रों ने रुपए वापस नहीं किये। उल्टा लव कुश के पिता मुंशीलाल के नाम से एक फर्जी स्टांप तैयार किया और उस पर फर्जी हस्ताक्षर करके दो लाख नगद लेने का कारनामा रच डाला। लव कुश ने जब अपने बकाया पैसे मांगे तो उसने उसके पिता से कहा कि तुमने दो लाख नकद लिए हैं, इसलिए पहले उसके पैसे वापस करिए नहीं तो तुम्हें और तुम्हारे पुत्र को मार कर दफन कर देंगे। लव कुश ने पुलिस अधीक्षक के सामने फरियाद की। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पिता पुत्रों के खिलाफ धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया गया। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि जांच प्रारंभ कर दी गई है।

गिरोह का एक और सदस्य गिरफ्तार

अमृत विचार, हरदोई : फर्जी कागज बनाकर शातिर अपराधियों की जमानत लेने वाले गिरोह के एक और सदस्य को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बताते चले कि इस गिरोह के छह सदस्य पहले ही पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। थाना शहर कोतवाली पुलिस ने मुसम्मी दिनेश उर्फ दिनेश कुमार सिंह निवासी लड़ैतापुरवा मजरा आदमपुर थाना सांडी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दिनेश भी फर्जी कागजातों पर शातिर अपराधियों की जमानत देने वाले गिरोह में शामिल था। इस गैंग के आधा दर्जन आरोपी पहले ही पकड़ कर जेल भेजे जा चुके हैं।

मंदिर से दानपात्र चोरी पुलिस ने की जांच

अमृत विचार, उन्नाव: बारासगवर थानाक्षेत्र के बक्सर स्थित प्रसिद्ध मां चंडिका देवी मंदिर दरबार में चोरों ने बीती रात मंदिर गर्भगृह में रखा दानपात्र चुरा लिया। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष मोहित दुबे व कमेटी के सदस्य चंदन दुबे ने थाने में इसका प्रार्थनापत्र दिया है। चोरी की सूचना पर सीओ मधुप नाथ मिश्रा, एसओ धर्मेंद्र नाथ व चौकी इंचार्ज राजेंद्र मिश्रा ने पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। बक्सर स्थित प्रसिद्ध मां चंडिका देवी मंदिर के गर्भगृह में रखे दानपात्र को चोर शुक्रवार रात उठा ले गए। सुबह 5 बजे मंदिर खोलने पहुंचे पुजारी ने दरवाजे टूटे देख मंदिर कमेटी के लोगों को सूचना दी। कमेटी अध्यक्ष मोहित दुबे व सदस्य चंदन दुबे ने बताया कि पुजारी धर्मेंद्र उर्फ गुड्डू व कमेटी सदस्य रमाशंकर शनिवार सुबह 5 बजे मंदिर खोलने गए तो मंदिर के गंगा जी की तरफ से आने वाले गेट व उसके बाद सीढ़ियां चढ़कर गर्भगृह से पहले बना गेट व गर्भगृह के गेट के ताले टूटे थे।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत, चार के खिलाफ रिपोर्ट

संदिग्ध हालात में युवक की मौत भाई से विवाद में हत्या की चर्चा

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पिता ने दहेज़ हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने पति सहित चार पर केस दर्ज कर लिया है।

सण्डीला कोतवाली ककराली निवासी सौरभ की 23 वर्षीय पत्नी समीक्षा को शुक्रवार को सीएचसी सण्डीला पहुंचाया गया,जहां उसकी मौत हो गई। समीक्षा के पिता सदानंद मौर्या निवासी आदर्श विहार कालोनी थाना पारा, जिला लखनऊ ने बताया कि उन्होंने 23 नवंबर 2024 को समीक्षा की शादी की, जिसमें काफी दान-दहेज़ दिया, लेकिन फिर भी ससुराल वाले दहेज़ की मांग करते हुए उसे प्रताड़ित करने लगे,उसके बाद मांग करने पर सौरभ को व्यापार के लिए चार लाख रुपया दिया, फिर भी समीक्षा के साथ मारपीट की जाती रही, उसके चार महीने का बच्चा है। सदानंद का कहना है कि उसके बेटे अमन ने शुक्रवार की रात बहन समीक्षा को फोन किया, उधर से सौरभ ने फोन रिसीव करते हुए बताया कि उसकी बहन ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली।

बकौल सदानंद, वह सीएचसी पहुंचा तो बेटी का शव रखा था, लेकिन ससुराल का कोई भी मौजूद नहीं था। पुलिस ने समीक्षा के पति सौरभ, सास, ननद संध्या और ननदोई मनोज के खिलाफ केस दर्ज किया, नायब तहसीलदार आकांक्षा अग्निहोत्री की मौजूदगी में पंचनामा कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

हरदोई, अमृत विचार। घर के बाहर अलाव ताप रहे सगे भाइयों के बीच झगड़ा हो गया। जिसमें छोटे भाई की मौत हो गई। इस पूरे मामले की पुलिस को खबर नहीं हुई और उसी बीच शव को फूंक दिया गया। कुछ ग्रामीणों ने धारदार हथियार से हमले में मौत की बात कही है। लेकिन प्रधान का कहना है कि पेड़ से गिरने से उसकी मौत हुई। एसएचओ कोतवाली शहर संजय त्यागी का कहना है कि उन्हे ऐसी कोई जानकारी नहीं।

कोतवाली शहर के कोड़रा निवासी भानू का 20 वर्षीय सबसे छोटा पुत्र मोहन शुक्रवार की सुबह घर के बाहर अलाव ताप रहा था। वहीं उसका बड़ा भाई ऋषुराज भी बैठा था, तभी किसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हो गया। मारपीट में गहरी चोट पहुंचने से मोहन की मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही आनन-फानन में गांव के बाहर शव जला दिया। मोहन अपने तीन भाइयों में सबसे छोटा था, उसका सबसे बड़ा भाई मुकेश दिव्यांग है। ग्रामीणों में चर्चा है कि धारदार हथियार से मोहन को चोंट पहुंची और उसी से उसकी मौत हुई, जबकि प्रधान का कहना है कि वह पेड़ से गिर पड़ा था, लेकिन अविवाहित मोहन का शव दफनाया जाता, लेकिन रीति-रिवाज से हट कर उसे फूंका क्यों गया।

परीक्षा की चिंता

दबाव, डर और उससे निकलने की राह

कई बच्चे परीक्षा की चिंता से ग्रस्त होते हैं, खासकर जब उनके सामने कोई महत्वपूर्ण परीक्षा या इम्तिहान आ रहा हो, जिससे उन पर बहुत दबाव पड़ता है। यह बेचैनी, घबराहट और चिंता की एक अनुभूति है, जो कई तरह के मानसिक और शारीरिक लक्षणों के रूप में प्रकट हो सकती है। परीक्षा की चिंता के शारीरिक लक्षण, जैसे पसीना आना, दिल की धड़कन तेज होना और पेट खराब होना, साथ ही भावनात्मक लक्षण–जैसे डर, भय और आत्मसंदेह, सभी अलग–अलग रूप ले सकते हैं। कुछ लोगों को परीक्षा की चिंता के कारण उनके और उनके कौशल के बारे में प्रतिकूल दृष्टिकोण और विचार भी उत्पन्न हो सकते हैं, जो चिंता को और बढ़ा सकते हैं। कुछ हद तक परीक्षा की चिंता आम है और यह छात्रों को परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रोत्साहित भी कर सकती है, लेकिन अत्यधिक परीक्षा की चिंता शैक्षणिक प्रदर्शन और सामान्य स्वास्थ्य, दोनों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। इस समस्या का समाधान करने और इसके लिए प्रबंधन योजनाएं बनाने में पहला कदम परीक्षा की चिंता की प्रकृति और उसके संभावित प्रभावों को समझना है।

डॉ. अनिल चौबे
शिक्षक, बरेली

अच्छे मार्क्स लाने का दबाव

परीक्षा की चिंता के कारणों को समझने से माता-पिता और शिक्षकों को इस समस्या से बेहतर तरीके से निपटने में मदद मिल सकती है। परीक्षा की चिंता के कई कारण हो सकते हैं। बच्चों में परीक्षा की चिंता के कुछ सामान्य कारण इस प्रकार हैं-

माता-पिता का दबाव – कई बच्चे अपने माता-पिता, शिक्षकों या साथियों से परीक्षाओं में अच्छे मार्क्स लाने का दबाव महसूस करते हैं। इस दबाव के कारण, बच्चे चिंतित हो सकते हैं और असफलता का डर महसूस कर सकते हैं, जिससे उनकी एकाग्रता और अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

तैयारी की कमी- परीक्षा के लिए तैयारी न होने के कारण युवा चिंताग्रस्त हो सकते हैं। जब बच्चे के पास पढ़ाई के लिए पर्याप्त समय नहीं होता या उसे सीखने के लिए बहुत अधिक सामग्री का बोझ महसूस होता है, तो ऐसा हो सकता है।

असफल होने का डर

असफल होने से डरने वाले युवा परीक्षा से पहले चिंतित हो सकते हैं, क्योंकि उन्हें चिंता होती है कि अगर वे अच्छा प्रदर्शन नहीं करेंगे तो क्या होगा। अतीत में हुई असफलता या यह विचार कि असफलता अस्वीकार्य है, इस डर का कारण हो सकता है।

सीखने की अक्षमताएं- जानकारी प्राप्त करने और याद रखने में कठिनाई के कारण, सीखने की अक्षमता वाले बच्चों को परीक्षा की चिंता हो सकती है। जब वे सामान्य विकास वाले बच्चों के लिए बनाई गई परीक्षाओं का सामना करते हैं, तो इससे उनमें क्रोध और चिंता की भावनाएं पैदा हो सकती हैं।

इमोशनल दबाव और कारण

बच्चों में इसके बहुत से कारण हो सकते हैं, सबसे पहले तो फेल होने की शर्म और दोस्तों के सामने मजाक उड़ने का डर। इनके अलावा, कई बार बच्चे पढ़ाई में अपना पूरा ध्यान लगाते हैं, लेकिन मां-पिता उन्हें छोटी-छोटी बातों में टोकते रहते हैं। उदाहरण के लिए, बच्चों को समय बर्बाद न करने की सलाह और एग्जाम में टॉप करने या अच्छे मार्क्स लाने का इमोशनल दबाव। ऐसी स्थिति बच्चे में एग्जाम फोबिया का विकास होने लगता है। यह सच है कि बच्चे का पढ़ना और पास होना जरूरी है, पर उस पर अपनी उम्मीदों का बहुत ज्यादा बोझ नहीं लादना चाहिए।

एग्जाम फोबिया से बचाव के उपाय

- **इमोशनली दबाव न डालें**– बच्चे को इस फोबिया से बचाने के लिए माता-पिता को भी ध्यान रखना होगा कि वह बच्चे पर बहुत ज्यादा इमोशनल दबाव न डालें। बच्चा जितना ज्यादा मेंटली फ्री महसूस करेगा, वह उतना ज्यादा ही अच्छे से पढ़ेगा और विकास भी करेगा। इसलिए परीक्षा के दौरान माता-पिता को अपने बच्चे को सपोर्ट करना और पॉजिटिव वातावरण जरूर प्रदान करना चाहिए।
- **स्ट्रेटजी करें प्लान**– अगर आप अपनी पढ़ाई को प्लानिंग के साथ करेंगे, तो इस फोबिया से बच पाएंगे। इसलिए एग्जाम फोबिया से बचने के लिए स्ट्रेटजी प्लान करना बेहद जरूरी है, जिसमें आपके पढ़ने का और रिवीजन का समय, दोनों ही तय हो। अगर आप पहले से सब पढ़कर तैयार हैं, तो आप पर पढ़ाई का लोड नहीं होगा और इससे आपको तनाव भी महसूस नहीं होगा।
- **पहले से करें तैयारी**– सही से तैयारी न होना भी एग्जाम फोबिया होने का एक मुख्य कारण है। जैसे-जैसे परीक्षा की तारीख करीब आती है, तो तैयारी न होने पर बच्चे पर मानसिक दबाव भी बढ़ने लगता है। इस मेंटल प्रेशर से बचने का सबसे अच्छा उपाय है कि आप पहले से ही तैयारी कर के चलें। इसके लिए अपना टाइम टेबल बनाएं और सभी विषयों की तैयारी के लिए समय दें। ऐसा करने से आप अपने एग्जाम के दिनों को आराम भरा बना सकते हैं।
- **नाश्ता**– यह हम सभी ने अपने जीवन में अनुभव किया होगा कि एग्जाम वाले दिन सुबह भूख नहीं लगती है और न ही कुछ खाने का मन करता है। जिस कारण हम सुबह का नाश्ता छोड़ देते हैं, जोकि गलत है। नाश्ता जरूर करें इससे दिन भर ऊर्जा से भरे रहेंगे। आप पढ़ाई पर तभी अच्छे से ध्यान केंद्रित कर पाएंगे, जब आप शारीरिक और मानसिक रूप से ठीक हों। खाली पेट तनाव और भी ज्यादा बढ़ जाता है। इसलिए नाश्ता जरूर करें।
- **एक्सरसाइज करें**– तनाव को दूर करने के लिए सबसे अच्छा उपाय है, एक्सरसाइज। एक्सरसाइज में आप एरोबिक्स, डांस, वॉक और साइकलिंग आदि कर सकते हैं। बच्चों के लिए स्विमिंग जैसी एक्टिविटी भी काफी अच्छी रहती है। यह तनाव को कम करने के साथ दिमाग को भी शांत करती है।
- **डॉक्टर से परामर्श**– एग्जाम फोबिया एक मानसिक स्वास्थ्य स्थिति है और बच्चे में इसके लक्षण महसूस होने पर आपको तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए। इसमें डॉक्टर इलाज के लिए विभिन्न थेरेपी का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें से एक सायकोथेरेपी भी है, इसमें मनोचिकित्सक मरीज से बात करेंगे और उसे इस तनाव से निकलने में मदद करेंगे।
- परीक्षा की चिंता को दूर करना पूरे समाज के लिए जरूरी है, न कि सिर्फ बच्चों के लिए। सफल छात्र अपनी शिक्षा जारी रखने और अपने समुदाय को कुछ देने के लिए ज्यादा इच्छुक होते हैं। हम बच्चों की वृद्धि और विकास को बढ़ावा दे सकते हैं और उन्हें परीक्षा की चिंता से उबरने में मदद करके एक सफल भविष्य की राह पर अग्रसर कर सकते हैं।

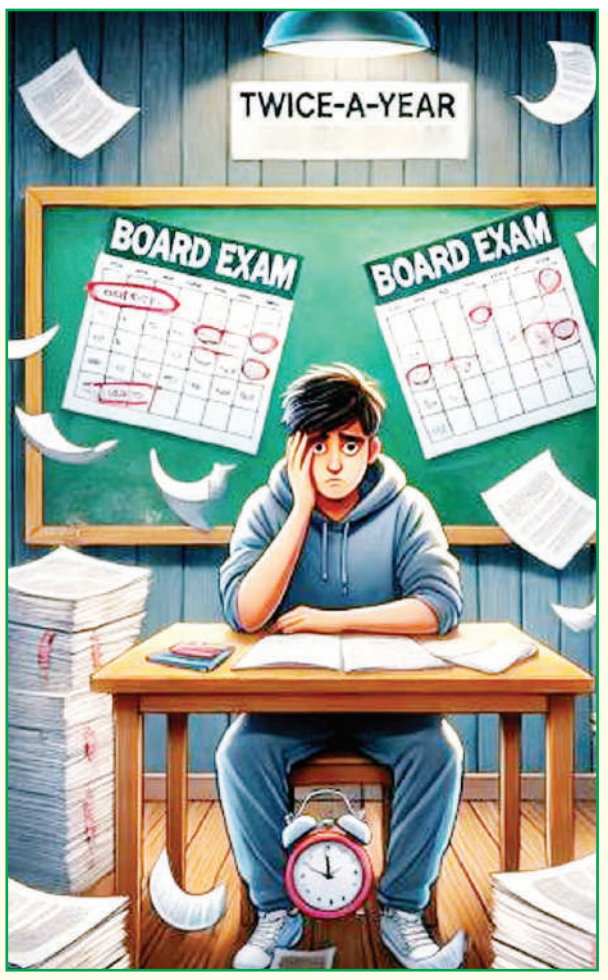

क्या हो रणनीति

- **योजना और तैयारी**– बच्चों में परीक्षा की चिंता कम करने के लिए योजना बनाना और तैयारी करना दो सबसे अच्छी रणनीतियां हैं। अध्ययन योजना बनाकर और उसका पालन करके बच्चे ज्यादा तैयार और आत्मविश्वासी महसूस कर सकते हैं, जिससे चिंता का स्तर कम करने में मदद मिलती है।
- **जल्दी शुरू करें**- अपने बच्चे को परीक्षा की तैयारी जल्द से जल्द शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करें और उसे जल्दी से तैयारी शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करें। इससे उन्हें हर चीज पर दोबारा सोचने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा और रटने की संभावना कम होगी, जिससे तनाव बढ़ सकता है।
- **अध्ययन योजना**- अपने बच्चे के साथ एक अध्ययन योजना बनाएं। योजना में स्पष्ट उद्देश्य और नियत तिथियां होनी चाहिए। जिन विषयों को कवर करना है, उन्हें कब पढ़ा जाएगा और कितनी देर तक पढ़ाया जाएगा, ये सब इस योजना में शामिल होना चाहिए। आपके बच्चे को नियंत्रण और दिशा का एहसास दिलाकर, एक स्पष्ट रणनीति चिंता को कम करने में मदद कर सकती है।

- **विभाजन**- अपने बच्चे को जानकारी को आसानी से पचने योग्य भागों में बांटने में मदद करें। इससे छात्रों को अपनी एकाग्रता बनाए रखने में मदद मिलेगी और पढ़ाई कम बोझिल लगेगी।
- **मॉक टेस्ट**- परीक्षा की तैयारी का एक बेहतरीन तरीका मॉक टेस्ट दें। इससे बच्चों को परीक्षा की संरचना और उन प्रश्नों के प्रकार से परिचित होने में मदद मिलती है, जिनकी उन्हें अपेक्षा हो सकती है। अभ्यास परीक्षाएं देने वाले बच्चे यह भी जान पाते हैं कि उन्हें कहां सुधार करने की आवश्यकता है और तद्नुसार अपनी अध्ययन रणनीतियों में बदलाव कर पाते हैं।
- **पर्याप्त नींद लें**- बच्चों को पर्याप्त आराम मिलना चाहिए, खासकर परीक्षा से एक रात पहले। नींद की कमी से तनाव और चिंता का स्तर बढ़ सकता है, जिससे परीक्षा में उनका प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। अपने बच्चे को सोने का एक नियमित समय निर्धारित करने और हर रात कम से कम 8 घंटे सोने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चे अधिक आत्मविश्वास और तैयारी महसूस कर सकते हैं, जिससे अंततः उनकी परीक्षा संबंधी चिंता कम हो सकती है, बशर्ते वे पर्याप्त नींद लेने सहित अध्ययन और योजना बनाने के लिए सक्रिय दृष्टिकोण अपनाएं।

अभिभावकों की भूमिका

बच्चों में परीक्षा की चिंता कम करने के लिए अभिभावक शांति और विश्राम को प्रोत्साहित करके, ये विधियां बच्चों को तनाव और चिंता को प्रबंधित करने में मदद कर सकती हैं।

- **गहरी सांसें लेना**– अपने बच्चे को नाक से धीरे-धीरे गहरी सांस लेने के बाद मुंह से सांस छोड़ना सिखाएं। इससे उसकी नाड़ी की गति कम हो सकती है और उसे शांति मिल सकती है।
- **प्रगतिशील मांसपेशी विश्राम**– अपने बच्चे को उसके शरीर के प्रत्येक मांसपेशी समूह को कसने और फिर आराम देने के लिए कहें, पैर की उंगलियों से शुरू करके सिर तक। इससे तनाव कम करने और विश्राम को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है।
- **सकारात्मक आत्मचर्चा** – अपने बच्चे को स्वयं से सकारात्मक बातें दोहराने के लिए प्रोत्साहित करें, जैसे कि मैं यह कर सकता हूं या मैं इस परीक्षा के लिए तैयार हूं, ताकि उन्हें सकारात्मक आत्मचर्चा विकसित करने में मदद मिल सके।
- **माइंडफुलनेस** – अपने बच्चे के साथ माइंडफुलनेस का अभ्यास करें, भविष्य के बारे में चिंता करने या अतीत के बारे में सोचने के बजाय, वर्तमान और उनकी वर्तमान भावनाओं पर ध्यान केंद्रित करें। इससे आराम मिलेगा और चिंता कम होगी। परीक्षा से पहले और उसके दौरान, बच्चे विश्राम तकनीकों का अभ्यास करके अपनी चिंता के स्तर को कम कर सकते हैं और अधिक सहज और आत्मविश्वासी महसूस कर सकते हैं। अपने बच्चे को विभिन्न तरीकों को आजमाने दें ताकि आप यह तय कर सकें कि कौन सा तरीका उनके लिए सबसे उपयुक्त है।

सकारात्मक सोच

बच्चों में परीक्षा की चिंता कम करने का एक और कारगर तरीका है सकारात्मक सोच का इस्तेमाल करना। आप अपने बच्चे को सकारात्मक विचारों और विश्वासों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करके उसकी मानसिकता को डर और चिंता से आत्मविश्वास और आशावाद की ओर मोड़ सकते हैं।

- **अपनी खूबियों पर ध्यान केंद्रित करें** - अपने बच्चे को अपनी खूबियों और पिछली उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्हें उन पलों की याद दिलाएं, जब उन्होंने बाधाओं को पार किया और चुनौतीपूर्ण कार्य पूरे किए।
- **नकारात्मक विचारों को बदलें**– अपने बच्चे को यह सिखाकर नकारात्मक दृष्टिकोण और विचारों को अच्छे विचारों में बदलें। बच्चों को यह सोचने के लिए प्रोत्साहित करें, उदाहरण के लिए, "मैंने कड़ी मेहनत की है और मैं इस परीक्षा के लिए तैयार हूं," बजाय इसके कि "मैं इस परीक्षा में फेल हो जाऊंगा।"

सकारात्मक कथनों का प्रयोग करें

सकारात्मक सोच हमेशा ही हर किसी को आगे बढ़ने में मदद करती है। अपने बच्चे को सकारात्मक कथनों का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें, जैसे कि "मुझे अपनी प्रतिभा पर पूरा भरोसा है" या "मैं इस परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकता हूं।" सकारात्मक सोच तकनीकों का उपयोग करके बच्चे अपनी चिंता के स्तर को काफी दर तक कम कर सकते हैं, साथ ही अपने आत्मविश्वास में भी वृद्धि कर सकते हैं। अपने बच्चे को परीक्षाओं से पहले और परीक्षाओं के दौरान, सकारात्मक रहने का लगातार अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करें। याद रखें कि बच्चों में परीक्षा की चिंता को कम करने में समय और मेहनत लगती है, लेकिन सही संसाधनों और प्रोत्साहन के साथ, बच्चे अपने डर को नियंत्रित करना सीख सकते हैं और परीक्षाओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं। क्या आपने कभी इस पर आश्चर्य किया है कि क्यों कुछ छात्र अध्ययन और परीक्षा के समय में निश्चिंत और केन्द्रित रहते हैं, जबकि दूसरे छात्र चिंतित हो जाते हैं? चाहे इसे आप परिपक्वता कहें या आत्मविश्वास की प्राप्ति, यह सब अपनी गति से आते हैं, जैसे-जैसे हम बड़े होते रहते हैं।

आयुर्वेद और शीतकालीन आहार
सेहत की कुंजी

आयुर्वेद जीवन को प्रकृति के साथ संतुलन में रखने का विज्ञान है। इसमें ऋतु, आहार और विहार का गहरा संबंध बताया गया है। ऋतु परिवर्तन के साथ शरीर की आवश्यकताएं बदलती हैं और यदि उसी अनुरूप आहार-विहार न अपनाया जाए, तो रोग उत्पन्न होते हैं। शीत ऋतु, जिसे आयुर्वेद में हेमंत एवं शिशिर ऋतु कहा गया है, शरीर के पोषण और बलवर्धन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस ऋतु में उचित आहार अपनाकर व्यक्ति न केवल मौसमी रोगों से बच सकता है, बल्कि दीर्घकालीन स्वास्थ्य भी प्राप्त कर सकता है।

शीत ऋतु का आयुर्वेदिक दृष्टिकोण

शीत ऋतु में वातावरण ठंडा, शुष्क और स्थिर होता है। सूर्य की ऊष्मा कम होने से शरीर की बाह्य ऊष्मा संरक्षित रहती है, जिसके कारण आंतरिक जठराग्नि प्रबल हो जाती है। आयुर्वेद के अनुसार यही वह समय है, जब शरीर भोजन को सर्वोत्तम रूप से पचा और आत्मसात कर सकता है। इसीलिए शीत ऋतु में पोषक, तला और उष्ण भोजन की विशेष अनुशंसा की गई है।

दोषों की स्थिति और शरीर पर प्रभाव

आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार शीत ऋतु में वात दोष का संचय होता है, जबकि कफ दोष स्थिर अवस्था में रहता है। ठंड और शुष्कता के कारण वात बढ़ने से जोड़ों में दर्द, त्वचा में रूखापन, कब्ज, गैस और अनिद्रा जैसी समस्याएं हो सकती हैं। अत: इस ऋतु में ऐसा आहार आवश्यक है, जो वात को शांत करे और शरीर में चिकनाहट व ऊष्मा बनाए रखे।

सर्दियों में पाचन शक्ति का महत्व

आयुर्वेद सर्दियों में पाचन शक्ति पूरे वर्ष की अन्य ऋतुओं की तुलना में अधिक तीव्र होती है। यही कारण है कि आयुर्वेद इस समय भारी और संतुलित भोजन को बताया गया है। सर्दियों में यदि व्यक्ति इस बढ़ी हुई भूख के अनुरूप संतुलित आहार नहीं लेता है, तो जठराग्नि शरीर के ऊतकों को क्षति पहुंचा सकती है। अत: समयानुसार, पौष्टिक और पर्याप्त मात्रा में भोजन करना अत्यंत आवश्यक है।

आयुर्वेद के अनुसार आहार

सर्दियों में उष्ण, पौष्टिक, बलवर्धक और वातनाशक आहार का सेवन करना चाहिए। आयुर्वेद के अनुसार भोजन सदैव ताजा, गर्म और शांत वातावरण में किया जाना चाहिए। अत्यधिक उपवास या अल्पाहार इस ऋतु में वर्जित माना गया है।

अनाज का आयुर्वेदिक महत्व

शीत ऋतु में गेहूं, बाजरा, मक्का और जौ जैसे अनाज अत्यंत लाभकारी माने गए हैं। ये शरीर को ऊष्मा प्रदान करते हैं और दीर्घकाल तक शरीर में ऊर्जा बनाए रखते हैं। मसूर एवं मूंग की दालें भी पाचन के लिए उपयुक्त मानी गई हैं, इसके पीछे कारण ये है कि यह शरीर को आवश्यक प्रोटीन प्रदान करती हैं।

दूध एवं दूध उत्पादों की भूमिका

दूध को आयुर्वेद में पूर्ण आहार कहा गया है। शीत ऋतु में गर्म दूध का सेवन शरीर को शक्ति और पोषण प्रदान करता है। दूध में हल्दी, सोंठ या अश्वगंधा मिलाकर सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। देसी गाय का घी इस ऋतु में विशेष महत्व रखता है। घी वात दोष को शांत करता है, मस्तिष्क को पोषण देता है और पाचन शक्ति को सुदृढ़ करता है। दही का सेवन दिन के समय सीमित मात्रा में किया जा सकता है, किंतु रात्रि में दही से बचना चाहिए।

मेवे एवं बीज: शीत ऋतु की ऊर्जा

बादाम, अखरोट, काजू, मूंगफली तथा तिल जैसे मेवे और बीज सर्दियों में शरीर को बल और ऊष्मा प्रदान करते हैं। तिल आयुर्वेद में विशेष रूप से वातनाशक माना गया है। तिल के लड्डू, तिल-तेल या तिल की चटनी शीत ऋतु में अत्यंत लाभकारी होती है।

सब्जियों का चयन और सेवन विधि

शीत ऋतु में गाजर, चुकंदर, शकरकंद, पालक, मेथी और सरसों जैसी मौसमी सब्जियां अधिक पोषक होती हैं। आयुर्वेद के अनुसार सब्जियों को घी या तेल में पकाकर सेवन करना चाहिए, जिससे वात दोष संतुलित रहता है और पोषक तत्वों का अवशोषण बेहतर होता है।

मसालों का औषधीय महत्व

अदरक, काली मिर्च, दालचीनी, हींग और लहसुन जैसे मसाले शीत ऋतु में पाचन शक्ति को बढ़ाते हैं। ये मसाले शरीर में रक्त संचार सुधारते हैं और सर्दी-जुकाम, खांसी जैसी समस्याओं से बचाव करते हैं। मसालों का संतुलित प्रयोग भोजन को औषधीय गुणों से भर देता है।

पेय पदार्थों की भूमिका

शीत ऋतु में गुनगुना पानी पीना आयुर्वेद में सर्वोत्तम माना गया है। अदरक-तुलसी का काढ़ा, हल्दी युक्त दूध और विभिन्न प्रकार के सूप शरीर को अंदर से गर्म रखते हैं। ठंडा पानी, फ्रिज का पानी और कोल्ड ड्रिंक्स वात दोष को बढ़ाते हैं, इसलिए इनका त्याग करना चाहिए।

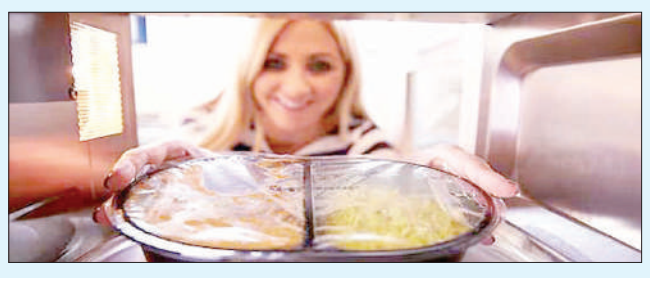

त्याज्य आहार और आदतें

अत्यधिक ठंडा, बासी, सूखा एवं प्रसंस्कृत भोजन शीत ऋतु में हानिकारक होता है। आइसक्रीम, फास्ट फूड और बहुत अधिक कच्चा सलाद पाचन को कमजोर कर सकते हैं। अनियमित भोजन समय और देर रात भोजन करना भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

आहार के साथ आयुर्वेदिक जीवनशैली

आयुर्वेद के अनुसार भोजन के साथ-साथ जीवनशैली का भी विशेष महत्व है। शीत ऋतु में तेल मालिश, गुनगुने पानी से स्नान और नियमित व्यायाम शरीर को स्वस्थ रखते हैं। भोजन के बाद हल्का टहलना पाचन में सहायक होता है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय बरेली, शीत ऋतु में आहार एवं ऋतुचर्या के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संस्थान द्वारा आयुर्वेदिक परामर्श शिविर, आहार जागरूकता कार्यक्रम और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने से संबंधित मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। यहां अनुभवी चिकित्सक शीत ऋतु में वात-कफ संतुलन हेतु व्यक्तिगत आहार योजना सुझाते हैं, जिससे रोगों की रोकथाम संभव हो पाती है। शैक्षणिक एवं चिकित्सकीय गतिविधियों के माध्यम से यह संस्थान आयुर्वेदिक जीवनशैली को समाज में स्थापित करने का सतत प्रयास कर रहा है। शीत ऋतु आयुर्वेदिक दृष्टि से स्वास्थ्य निर्माण की ऋतु है। इस समय उचित आहार और जीवनशैली अपनाकर व्यक्ति अपने शरीर को सुदृढ़, रोगमुक्त और ऊर्जावान बना सकता है। आयुर्वेद के सिद्धांतों पर आधारित शीत ऋतु का आहार न केवल मौसमी रोगों से बचाता है, बल्कि संपूर्ण जीवन को संतुलित और स्वस्थ बनाता है।

सेहत से जुड़ीं भ्रांतियां जो बनातीं हैं हमें बीमार

सेहत जीवन का सबसे अनिवार्य आधार है, लेकिन इससे जुड़ी भ्रांतियां हमारे जीवन का ऐसा सच हैं, जिनके साथ हम अक्सर समझौता कर लेते हैं। दुर्भाग्य यह है कि कई लोग पूरी जिंदगी इन्हीं गलत धारणाओं के सहारे जी देते हैं और उन्हें सुधारने की कोशिश तक नहीं करते। चिकित्सा के क्षेत्र में अपने अनुभव के दौरान मैंने यह गहराई से महसूस किया है कि लोगों के मन में स्वास्थ्य को लेकर अनगिनत भ्रम बसे हुए हैं। अपनी अब तक की प्रैक्टिस में मैं हजारों रोगियों से मिला हूं, लेकिन शायद ही कोई ऐसा मिला हो जो किसी न किसी भ्रांति से मुक्त हो। आइए, स्वास्थ्य से जुड़ी कुछ ऐसी ही प्रचलित भ्रांतियों पर बात करते हैं, जो हमें जानने-अनजाने नुकसान पहुंचा रही हैं।

डॉ. अबरार मुल्तानी
लेखक

हमारी शत्रु हैं बीमारियां

स्वास्थ्य जगत की सबसे बड़ी भ्रांति यही है कि बीमारियां हमारी दुश्मन हैं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि अधिकांश सामान्य बीमारियां हमारे शरीर की मित्र होती हैं, शत्रु नहीं। मैं यहां कैंसर, एड्स या हार्ट अटैक जैसी गंभीर और जानलेवा स्थितियों की बात नहीं कर रहा, बल्कि उल्टी, दस्त, बुखार, खांसी जैसी आम समस्याओं की चर्चा कर रहा हूं। जब हम दूषित या विषाक्त भोजन कर लेते हैं, तो शरीर तुरंत प्रतिक्रिया देता है और उसे उल्टी या दस्त के माध्यम से बाहर निकाल देता है। यदि शरीर ऐसा न करे, तो जहर भीतर ही जमा होकर गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में क्या उल्टी और दस्त दुश्मन हुए? नहीं, वे तो हमारे रक्षक हैं। इसी तरह बुखार शरीर की एक प्राकृतिक रक्षा प्रक्रिया है। शरीर का तापमान बढ़ने से बैक्टीरिया और वायरस की वृद्धि रुक जाती है। यह संक्रमण को नियंत्रित करने का प्राकृतिक तरीका है। खांसी फेफड़ों की सुरक्षा करती है और उनमें जमे कफ को बाहर निकालती है। छींक हमारे श्वसन तंत्र की सफाई करती है। ये सभी लक्षण नहीं, बल्कि शरीर की बुद्धिमत्ता के प्रमाण हैं।

रोगों के लक्षण ही असली रोग

आज की चिकित्सा व्यवस्था में एक आम प्रवृत्ति यह बन गई है कि लक्षणों का इलाज ही रोग का इलाज मान लिया जाता है। बुखार है तो बुखार की दवा, दर्द है तो दर्द की दवा, गैस है तो गैस की गोली, लेकिन मूल कारण पर ध्यान नहीं दिया जाता। लक्षण केवल संकेत होते हैं, बीमारी नहीं। लक्षणों को दबाकर हम रोग को भीतर ही भीतर और गहरा कर देते हैं। यही कारण है कि छोटी-छोटी समस्याएं समय के साथ गंभीर और लाइलाज रोगों का रूप ले लेती हैं।

हमारा हमदर्द है दर्द

अक्सर लोग दर्द को अपना दुश्मन मान लेते हैं और उसे दबाने के लिए लंबे समय तक तेज पेनकिलर लेते रहते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि दर्द हमारा हमदर्द होता है। दर्द हमें संकेत देता है कि शरीर में कहीं न कहीं कोई गड़बड़ी है, जिस पर ध्यान देना जरूरी है। यदि घुटने में दर्द न हो, तो हमें कैसे पता चले कि जोड़ खराब हो रहा है? यदि किडनी में दर्द न हो, तो पथरी का पता कैसे चले? दिल में दर्द न हो, तो हार्ट अटैक और भी ज्यादा घातक सिद्ध हो सकता है। दर्द एक चेतावनी है, एक अलार्म है, जो हमें समय रहते सचेत करता है। उसे दबाने की बजाय यह समझना जरूरी है कि वह क्या कहना चाहता है।

सामान्य बातों को न समझें रोग

- हर दिन ऐसे अनेक लोग डॉक्टरों के पास पहुंचते हैं, जो सामान्य शारीरिक प्रक्रियाओं को बीमारी समझ बैठे होते हैं। उदाहरण के लिए यह मान लेना कि रोज मल त्याग होना ही चाहिए, वरना कब्ज है, एक बड़ी भ्रांति है। दो या तीन दिन में एक बार मल त्याग होना भी सामान्य हो सकता है।
- इसी तरह खाना खाने के बाद शौच जाना, अधिक काम के बाद थकान महसूस होना, कभी-कभी दौड़ने पर सांस फूलना, मांसपेशियों का फड़कना या अधिक चलने के बाद पैरों में दर्द होना- ये सब सामान्य स्थितियां हैं, रोग नहीं। जैसे अंधेरे में न दिखना कोई बीमारी नहीं, वैसे ही इन बातों को भी रोग मानकर घबराना ठीक नहीं।

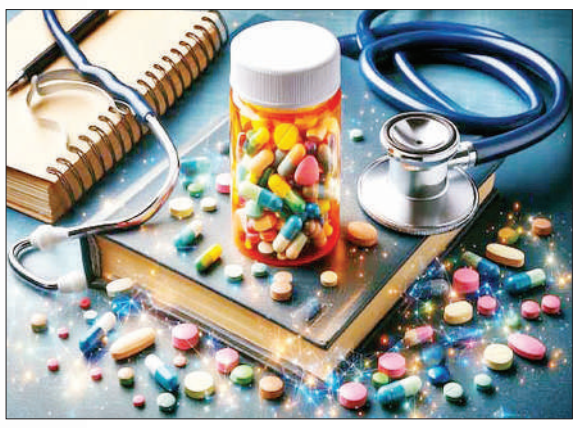

केवल दवाओं से ही ठीक नहीं होते रोग

यह भी एक गहरी जड़ें जमाई हुई भ्रांति है कि बीमारियां केवल दवाओं से ही ठीक होती हैं। सच्चाई यह है कि दवाओं से कहीं अधिक रोग जीवनशैली से ठीक होते हैं। सकारात्मक सोच, पर्याप्त नींद, आराम, योग, व्यायाम, धार्मिक या आध्यात्मिक गतिविधियां, यात्रा और मानसिक शांति ये सभी करोड़ों लोगों को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। अक्सर प्रेमपूर्वक की गई डॉक्टर-रोगी बातचीत ही रोगी की आधी बीमारी ठीक कर देती है। इसका अर्थ है कि चिकित्सा केवल दवाइयों का नाम नहीं, बल्कि मन, शरीर और जीवनशैली का संतुलन है। स्वास्थ्य को समझने के लिए सबसे पहले भ्रांतियों से मुक्त होना आवश्यक है। जब हम शरीर के संकेतों को सही दृष्टि से समझना सीख लेते हैं, तभी सच्चा उपचार संभव होता है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
इस सप्ताह शुभता और लाभ का योग बना रहेगा। पूरा सप्ताह मित्रों, शुभचिंतकों और परिजनों के साथ हंसी-खुशी बीतेगा। पूर्वार्ध का अधिकांश समय मौज-मस्ती करते हुए बीतेगा। इस दौरान आपको घर और बाहर दोनों जगह लोगों का सहयोग व समर्थन मिलेगा।

वृष
इस सप्ताह अपने जीवन में कुछेक बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं, तो आपको सप्ताह के पूर्वार्ध में कार्यक्षेत्र में कुछेक दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान आपको अपने विरोधियों से खूब सतर्क रहने की आवश्यकता बनी रहेगी।

मिथुन
यह सप्ताह अत्यंत शुभ एवं मनचाही सफलता दिलाने वाला साबित होगा। इस सप्ताह की शुरुआत में आपका कोई बहुप्रतीक्षित काम पूरा हो सकता है। आपकी सेहत सामान्य रहेगी और स्वजनों के साथ मधुर बने रहेंगे। आपको घर और बाहर दोनों जगह लोगों से सहयोग और समर्थन मिलेगा।

कर्क
यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में भाग्य का अपेक्षित सहयोग न मिल पाने के कारण करियर-कारोबार में कुछेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके मित्र काफी मददगार साबित होंगे।

सिंह
यह सप्ताह नए रिश्तों को जोड़ने और पुराने रिश्तों में खुशियां और प्यार बढ़ाने वाला साबित होगा। किसी प्रिय व्यक्ति से मेल-मुलाकात के योग बनेंगे। घर में किसी आत्मीय व्यक्ति के आगमन से खुशियों का माहौल बना रहेगा। करियर-कारोबार में अनुकूलता बनी रहेगी। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को किसी शुभ समाचार की प्राप्ति संभव है।

कन्या
इस सप्ताह किसी भी कार्य को जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में नहीं करना चाहिए अन्यथा उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को सप्ताह की शुरुआत में अति व्यस्तता बनी रहेगी। इस दौरान आपके सिर पर अचानक से कामकाज का अतिरिक्त बोझ आ सकता है।

तुला
यह सप्ताह करियर, कारोबार, परीक्षा-प्रतियोगिता और प्रेम-व्यवहार आदि के मोर्चे पर अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। आपकी बहुप्रतीक्षित मनोकामनाएं पूरी होती हुई नजर आएंगी। बेरोजगार लोगों को मनचाहा रोजगार हासिल हो सकता है, तो वहीं पहले से कार्यरत नौकरीपेशा लोगों के पद एवं अधिकार में बढ़ोतरी हो सकती है।

वृश्चिक
यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ एवं लाभप्रद रहने वाला है। इस सप्ताह आपको व्यवसाय में उम्मीद से अधिक लाभ होगा। बाजार में आई तेजी का आप लाभ उठाने में कामयाब होंगे। आपकी आय में वृद्धि होगी। पूर्व में किए गए निवेश का लाभ प्राप्त होगा। करियर-कारोबार की दिशा में किए जाने वाले प्रयास सफल होंगे।

धनु
यह सप्ताह जीवन के नए सबक सिखाने वाला साबित हो सकता है। इस सप्ताह जीवन में घटने वाली घटनाएं आपको अपने और पराए का फर्क बता देंगी। किसी कार्य विशेष को पूरा करने के लिए किसी व्यक्ति विशेष से आशा लगाना अंतत: आपके दु:ख एवं निराशा का बड़ा कारण बन सकता है।

मकर
इस सप्ताह किस्मत दरवाजे खटखटाती हुई नजर आएगी। आपको हाथ आए अवसर को जाने नहीं देना है अन्यथा आपको भविष्य में इसके लिए बड़ा पछतावा करना पड़ सकता है। सप्ताह की शुरुआत में सोचे हुए कार्य समय से पूरे होने पर आपको संतोष का अनुभव होगा। कारोबार की दृष्टि से भी यह सप्ताह आपके लिए अनुकूल रहने वाला है।

कुंभ
यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। आपको कागज संबंधी कार्य तथा धन का लेनदेन बेहद सावधानी के साथ करने की आवश्यकता रहेगी। किसी भी काम में शार्टकट लेने अथवा उसे किसी दूसरे के भरोसे छोड़ने से बचना चाहिए। इस सप्ताह नौकरीपेशा लोगों का अपने उच्च अधिकारियों के साथ किसी बात को लेकर टकराव हो सकता है।

मीन
इस सप्ताह उतावलेपन से बचना होगा। किसी भी कार्य को समय पर सही तरीके से करने पर ही आपको उसमें मनचाही सफलता मिल पाएगी। आपको अपने करियर-कारोबार और निजी जीवन से जुड़े कुछेक बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह लेना न भूलें।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 40

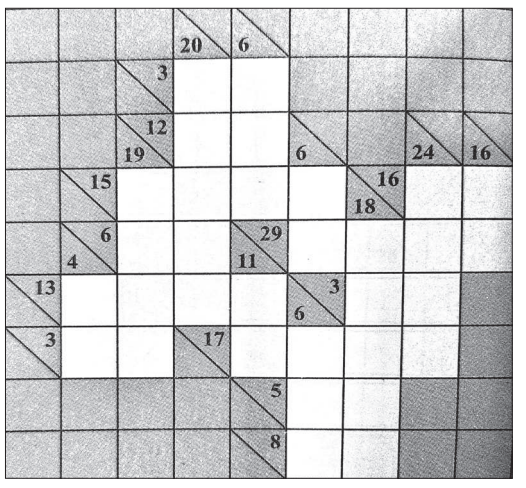

काकुरो 39 का हल

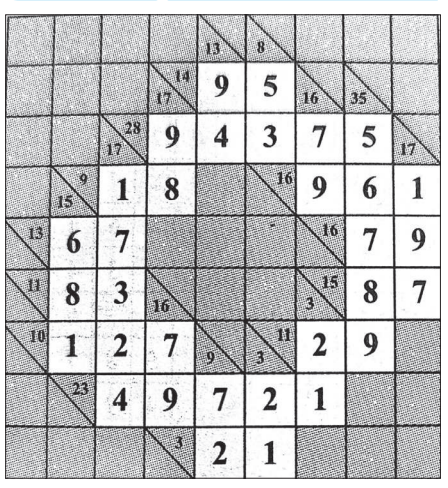

कहानी

शांति निकेतन

महानगर के मध्य स्थित 'शांति निकेतन' वर्षों से अग्रवाल परिवार की गरिमा का प्रतीक रहा था। एक ऐसा घर जहां प्रेम की उजास और संस्कारों की सुगंध सहज ही मिलती थी। परिवार के मुखिया विद्यानाथ अग्रवाल, अपने धैर्य, विवेक और नैतिकता के लिए विख्यात थे। उनके संरक्षण में यह घर केवल ईंट-पत्थर का नहीं, बल्कि भावनाओं और स्नेह का एक जीवंत धाम था। उनका छोटा पुत्र देवव्रत, जो व्यवसाय की दुनिया में प्रतिष्ठित था और बड़ा मानस, जो साहित्य और कला में रमा रहता था। दो अलग दिशाओं के यात्री होते हुए भी पिता की छत्रछाया में दोनों भाई एकजुट थे, परंतु समय की विशाल नदियां अक्सर अपने भीतर अनदेखे भंवर छिपाए रहती हैं।

पूर्णिमा की रात थी। 'शांति निकेतन' की छत पर दीपक टिमटिमा रहे थे। अनन्या, मानस की आठ वर्षीय पुत्री, रंग-बिरंगी कागज की लालटेनें उड़ाने पर तुली थी। "चाचा जी! इसे आप पकड़िए न और ऊंचा उड़ा दीजिए।" वह खिलखिलाई। देवव्रत ने मुस्कुराते हुए वह लालटेन थामी। सबके चेहरे उजालों में नहाए हुए थे। नीचे आंगन में विद्यानाथ जी बैठे सबको देख रहे थे। "जीवन का सार सरल है," उन्होंने कहा, "संबंधों को सींचते रहो, वरना घर तो बहुत हैं, पर परिवार दुर्लभ है।" सब हंस पड़े। अंबिका ने मुस्कुराहट में औपचारिकता की, पर उसकी आंखों में हल्की असहज चमक थी, देवव्रत की सफलता पर गर्व और मानस की लोकप्रियता पर छुपी ईर्ष्या का मिश्रण। मानस अपनी नई कविता की पंक्तियां पढ़कर सुनाता है। सब तालियां बजाते हैं। इस प्रकाशमय दृश्य में किसी को अंदेशा तक न था कि आने वाली छाया कितनी विकराल होगी।

विजय कुमार पाठक
गोरखपुर

कुछ ही सप्ताह बाद शांति निकेतन अपनी चमक खो बैठा। विद्यानाथ जी का देहावसान जैसे पूरे आंगन पर रात बिखेर गया। परिवार वसीयत खोलने के लिए बैठक में एकत्र हुआ। कागज के शब्दों में न्याय और समानता थी। दोनों पुत्रों को बराबर हिस्सा मिला था। परंतु देवव्रत के मन में एक चुभन ने जन्म ले लिया, "मेरी मेहनत, मेरा संघर्ष सब बराबर?" अंबिका ने धीरे से कहा, "देखिए न, आपकी तुलना साहित्य लिखने वाले मानस से की गई है। न्याय कहां हुआ?" यह फुसफुसाहट देवव्रत के भीतर सुलगती आग में घी का काम करती रही। उसके मन का मोह, संपत्ति का आकर्षण और अहंकार धीरे-धीरे रिश्तों पर हावी होने लगा। ईर्ष्या का काला बादल उसके हृदय-भूमि पर मडराने लगा। अपने ही बड़े भाई को नीचा दिखाने की घृणित मानसिकता उसके भीतर जन्म ले चुकी थी।

उसने एक दिन अंबिका को कहा, "मानस का वह नया प्रकाशन अगर सफल हुआ, तो समाज की सहानुभूति उसके प्रति और बढ़ जाएगी। मुझे साबित करना ही होगा कि अपने पिता का असली उत्तराधिकारी मैं ही हूं।"

अंबिका की आंखों में चमक आई और फिर शुरू हुआ छल का दौर। देवव्रत व्यापार जगत में अपने प्रभाव का उपयोग कर मानस की पुस्तक के वितरकों पर दबाव डालता है। बाजार में पुस्तक की प्रतियां रुकवा दी जाती हैं। प्रचार तक रोक दिया जाता है। मानस, जिसे अपनी लेखनी पर गर्व था, कुछ ही हफ्तों में आर्थिक संकट में घिर गया। उसकी आंखों में विक्षोह और अनिश्चितता के बादल घिर आए। "कहीं मेरी क्षमता ही कम तो नहीं?" वह रात-रात भर सोचता रहा। एक शाम मानस को सत्य का पता लगा। एक पुराने वितरक ने बताया कि उसने दबाव में पुस्तक की प्रतियों को रोक रखा है, "आदेश ऊपर से आया था।" ऊपर से? यह शब्द सीधा देवव्रत की ओर इशारा करते थे।

मानस का धैर्य टूट गया। वह तमतमाया हुआ 'शांति निकेतन' पहुंचा। देवव्रत बैठक कक्ष में था। जैसे ही मानस भीतर घुसा, शब्दों का तूफान फूट पड़ा। "भाई होकर तुमने मुझे पीछे धकेलने की कोशिश की? पिताजी की आत्मा को भी शर्म आ गई होगी!" देवव्रत भी कम न था। "तुमने ही खुद को महान समझ रखा है! परिवार का नाम मैंने उठाया है और तुम बस किताबों में खोए रहते हो!" वाक्-विग्रह बढ़ता गया। दोनों भाइयों के चेहरे लाल थे, एक में क्रोध, दूसरे में आहत अभिमान का ज्वार। तभी बैठक की दहलीज पर खड़ी शारदा जी लड़खड़ाईं।

मानस ने दौड़कर उन्हें पकड़ा, पर देर हो चुकी थी। उनका शरीर कांप रहा था और उनके चेहरे पर करुणा की गहरी रेखाएं थीं, "तुम दोनों यही सिखाया था मैंने?" वह फुसफुसाकर बेहोश हो गईं। पुराना घर जैसे रो उठा। विद्यानाथ जी की दीवार पर टंगी तस्वीर हिलने लगी, मानो स्वयं वह इस त्रासदी पर व्यथित हों। शारदा जी के बीमार पड़ने के बाद शांति निकेतन का वातावरण बदल गया। मानस को अपनी वजह से परिवार का टूटना असहनीय लगा। वैष्णवी उसे समझाती रही, "तुमने कुछ गलत नहीं किया है," पर मानस के भीतर की करुणा और अपराधबोध उसे भीतर से तोड़ रहे थे। एक रात उसने अंतिम निर्णय लिया, "मैं इस घर के टूटने का कारण नहीं बन सकता। हम यहां से चले जाएंगे।" वैष्णवी ने मौन में इस कठिन निर्णय का साथ दिया। अनन्या अपनी गुड़िया पकड़े पूछती रही, "पापा, हम दादी को छोड़कर क्यों जा रहे हैं?" पर मानस के पास कोई उत्तर न था और एक सुबह, बिना शोर किए, बिना शिकायत किए वे घर छोड़कर चले गए। देवव्रत को पहले तो

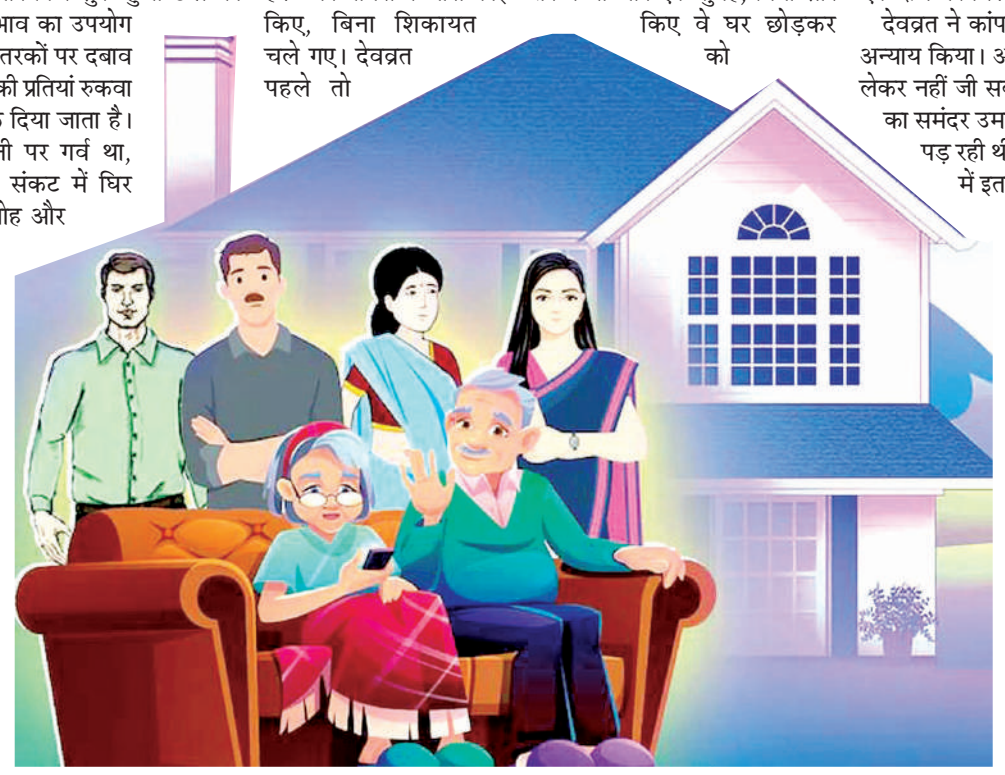

राहत महसूस हुई। परंतु जब शांति निकेतन के आंगन में अनन्या की खिलखिलाहट बंद हो गई, जब मानस की खामोश उपस्थिति का अभाव महसूस हुआ, तो उसके भीतर का अंधकार गहराने लगा। शारदा जी अस्पताल के बिस्तर पर थीं। उनकी आंखें हमेशा दरवाजे पर टिक जाती थीं, "मानस आया?" देवव्रत सहम जाता। मां की करुणा उसकी आत्मा में छेद करती रही। रातें उसे जगाए रखतीं। वह अक्सर घर के उस कोने में जाकर बैठता, जहां कभी मानस और वैष्णवी घंटों बातें करते थे। अनन्या की आवाज जैसे दीवारों में गूंजने लगती, "चाचा जी, मेरे पापा मुझसे क्यों नहीं बात करते?" यह आवाज देवव्रत के सीने में किसी शूल की तरह धंसती जाती। उसके भीतर विक्षोह की प्रचंड पीड़ा ने जन्म लिया। वह स्वयं से घृणा करने लगा, वीभत्स अवस्था, जिसमें मनुष्य अपनी ही कृतियों से भागने लगता है। शारदा जी ने एक दिन बेटे को बुलाया। कमजोर स्वर में बोलीं, "देव जीवन धन से नहीं, क्षमा से चलता है। तुमने जो खोया है, उसे लौटाओ। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए।" उनकी आंखों में करुणा की अतल गहराई थी। देवव्रत के भीतर कुछ टूट गया और उसी क्षण कुछ नया जन्म भी लिया। यह अद्भुत परिवर्तन था।

देवव्रत मानस के नए घर पहुंचा, नम्र, निर्बल और पश्चाताप से भरा हुआ। मानस दरवाजे पर खड़ा था। दोनों भाइयों के बीच वर्षों की दूरी एक क्षण में पिघलती-सी प्रतीत हुई।

देवव्रत ने कांपते हुए अभिवादन किया, "मानस, मैंने तुम्हारे साथ अन्याय किया। अगर तुम मुझे क्षमा न भी करो। तब भी मैं यह बोझ लेकर नहीं जी सकूंगा।" मानस स्तब्ध रह गया। उसके भीतर करुणा का समंदर उमड़ आया। पर उसके मन की गांठें अभी भी ढीली नहीं पड़ रही थीं। उसी समय पीछे से वैष्णवी आगे आई, उसके मौन में इतना सामर्थ्य था कि परिस्थिति खुद झुक गई। "भाई से नफरत करना हमारे संस्कार नहीं हैं," उसने धीरे से कहा, "भूल हो सकती है, पर भाईचारा नहीं टूटना चाहिए।" मानस की आंखें भर आईं। वह आगे बढ़ा, हाथ बढ़ाया, "तुम मेरे भाई हो, देव!" और देवव्रत को गले लगा लिया।

घर लौटने पर शारदा जी के चेहरे पर संतुष्टि की अनोखी मुस्कान खिल उठी। मानो उनका जीवनकार्य पूरा हो गया हो। शांति निकेतन में फिर से प्रकाश लौट आया। इस बार अधिक परिपक्व, अधिक गहरा, क्योंकि यह प्रकाश केवल उत्सव का नहीं, बल्कि क्षमा, प्रेम और नैतिकता की जीत का था। अग्रवाल परिवार फिर एक साथ खड़ा था, टूटने के बाद जुड़कर और भी अधिक मजबूत। घर के आंगन में अनन्या की मुस्कान गूंज रही थी। देवव्रत और मानस साथ बैठकर विद्यानाथ जी की स्मृतियों को याद कर रहे थे। शारदा जी की करुणामयी दृष्टि उनके सिर पर आशीर्वाद बनकर ठहर गई।

काव्य

नए साल में कदमताल

पुराने कपड़ों की तरह
पीछे छूट जाएगा एक और साल।
याद रह जाएंगे चंद लम्हें,
वक्त के दिए दंश और अधूरी ख्वाहिशें।
किसी ग्रह नक्षत्र की मानिंद,
सामने बढा आ रहा होगा एक नया साल।
फिर से जगेंगी उम्मीदें,
कुछ नया करने और आगे बढ़ने की।
नए सिरे से फिर लिए जाएंगे नए संकल्प,
जो मिट्टी के बर्तन से भरभराकर,
बिखर जाएंगे धीरे-धीरे।
नए का आना और पुराने का जाना
परिवर्तन का द्योतक और बदलाव का संकेत है।
इस तथ्य को समझना होगा हमें,
और करना होगा निरंतर
कर्म,
बिना एक पल गवांए।
हर दिन हंसते-मुस्कुराते हुए।
वक्त की शह में ढलना और चलना,
प्रगति के साथ कदमताल नहीं तो और क्या है?

नरेन्द्र सिंह 'नीहार'
साहित्यकार

संवाद लिखें

भीगे-भीगे मौसम संग,
संवाद लिखें।
मन के कागज
पर उभरे, अनुवाद लिखें।

जीवन केवल परिभाषाओं में सिमटा।
दूर कहीं अंधियारे से,
जाकर लिपटा।
अर्थहीन तर्कों पर क्यों
प्रतिवाद लिखें?

फिसलन इतनी बढ़ी कि सारे रपट रहे।
छोटे-छोटे हितों पे सारे झपट रहे।
आदर्शों से झांक रहे
उन्माद लिखें।

चुभन सभी वक्तव्यों में,
छिपकर बैठी।
कहीं राख में चिंगारी,
दुबकी ऐंठी।
शब्दों के बौनेपन के
क्या बाद लिखें?

घुटन सभी चेहरों पर है,
आकर पसरी।
खारेपन को चुप-चुप पीतीं,
आंखें भरी-भरी।
बोझिल रिश्तों पर क्यों
व्यर्थ विवाद लिखें।

पंकज मिश्र 'अटल'
गीतकार

नमन करो

नमन करो मां-पिता को रोज
वही ईश्वर हमारे हैं,
सभी देवी-देवताओं ने कहा
वही भगवन हमारे हैं।

ये जीवन है दिया उनका, उन्हीं
की दी हुई सांसें,
वो दुनियाभर की दौलत हैं वही
स्वर्ग हमारे हैं।

चलना उनसे सीखा है पकड़
कर उंगलियां उनकी,
हमारे मुस्कुराने पर वो अपना
सर्वस्व हारे हैं।

सुबह से शाम तक खटते हैं
बच्चों की खुशी खातिर,
वही नायक हैं जीवन के वही
हीरो हमारे हैं।
वही बुनियाद मंजिल की वही
छत हैं बुलंदी की,
उन्हीं के दम से रौशन ये दिए
सारे हमारे हैं।

ये दुनिया उनके कंधों पर ही
चढ़कर देख पाए हैं,
उन्हीं की है कृपा हम पर जो
दुनियाभर में छाए हैं।

बृज लाल तिवारी
गोंडा

व्यंग्य

साल नया, पुराने हम

नया साल आया है, पूरे शोर, रोशनी और झूठे उत्साह के साथ। घड़ी ने बारह बजते ही तारीख बदली और लोगों ने समझ लिया कि जीवन भी अपडेट हो गया है। मोबाइल फोन ऐसे दहाड़ने लगे जैसे परिवर्तन की सूचना सरकारी स्तर पर जारी हो गई हो, जो लोग साल भर एक-दूसरे से कतराते रहे, वे भी "नया साल मुबारक" लिखकर अपने रिश्तों की औपचारिक मरम्मत कर चुके थे।

सुबह हुई। वही सड़कें थीं, वही धूल, वही गड्ढे। बस उन पर चलने वाले लोग जरा ज्यादा उम्मीदें ओढ़े हुए थे। चेहरों पर एक दिन का उत्सव चिपका था, जैसे पहचान-पत्र पर नई फोटो लग गई हो, पर भीतर का आदमी वही पुराना हो।

वीना सिंह
व्यंग्यकार

नए साल के नाम पर सबसे पहले संकल्प पैदा होते हैं। कोई तय करता है, अब सच बोलेंगे। कोई, अब समय पर पहुंचेंगे। कोई, अब व्यवस्था बदलेंगे। संकल्पों की खासियत यह है कि वे लागू नहीं होते, केवल प्रदर्शित किए जाते हैं और फिर अलमारी के कोने में रखी फाइलों की तरह धूल पकड़ लेते हैं, जिन्हें खोलने का साहस दोबारा नहीं किया जाता। जिमों में अचानक भीड़ बढ़ जाती है। ऐसे लोग मशीनों पर दिखते हैं, मानो आलस्य पर विजय हासिल कर ली हो। ट्रेनर उत्साहित रहते हैं, क्योंकि उन्हें भी पता है- यह सुधार नहीं, मौसमी पलायन है। पंद्रह दिन बाद वही लोग स्वास्थ्य को दोष देते मिलेंगे, "डॉक्टर ने मना किया है।" दफ्तरों में नया साल एक भाषण लेकर आता है। कहा जाता है- इस बार काम बदलेगा, पद्धति बदलेगी, रवैया बदलेगा। कर्मचारी ताली बजाते हैं, क्योंकि ताली बजाना सबसे सुरक्षित प्रतिक्रिया है। फाइलें मुस्कराती हैं, उन्हें मालूम है कि उन तक बदलाव पहुंचते-पहुंचते अगला नया साल आ जाएगा। सोशल मीडिया पर इंसान अचानक बहुत अच्छा हो जाता है। हर पोस्ट में प्रेरणा, हर वाक्य में सुधार। दो दिन बाद वही उंगलियां जहर उगलती मिलेंगी। नए साल की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि उसने हमें पाखंड के लिए नया मंच दे दिया।

राजनीति में भी नया साल पूरे आत्मविश्वास से प्रवेश करता है। पुराने वादों को नए कैलेंडर में शिफ्ट कर दिया जाता है। जनता भी संतुष्ट रहती है, उसे उम्मीद नहीं, तारीख चाहिए।

असल समस्या यह नहीं कि नया साल आता है, समस्या यह है कि हम उसे चमत्कार समझ लेते हैं। हम चाहते हैं कि एक तारीख हमें वह बना दे, जो हम पूरे साल बनने से बचते रहे। हम अपने भीतर झांकने के बजाय कैलेंडर बदल लेते हैं और उसे प्रगति का नाम दे देते हैं। शाम तक सजावट उतर जाती है, फूल मुरझा जाते हैं, गुब्बारे पिचक जाते हैं और उत्साह अपनी एक्सपायरी डेट पर पहुंच जाता है। तब एहसास होता है कि नया साल कुछ और नहीं था, सिर्फ तारीख का परिवर्तन था। रात होते-होते सब सामान्य हो जाता है। वही देर, वही बहाने, वही टालमटोल और पूरे संतोष से कहते हैं। अरे भई! काहे की जल्दी, अभी पूरा साल पड़ा है। इस तरह बड़े शोर-शराबे के बाद, हर साल की तरह नया साल चुपचाप हमारी दिनचर्या में गुम हो गया।

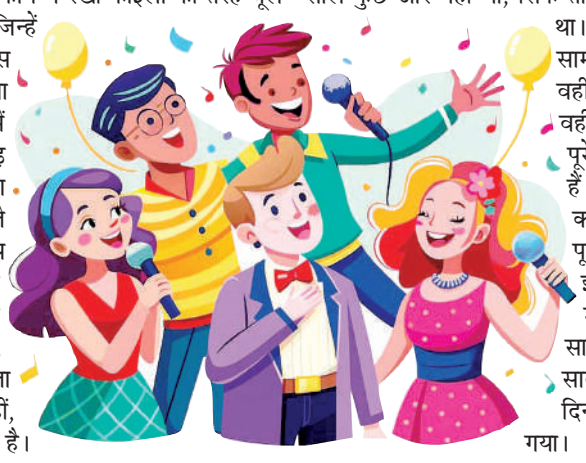

लघुकथा

राक्षस

उस दिन स्कूल से तेरह वर्षीय माही जब घर लौटी, तो बेहद उदास थी। उसके बिगड़े चेहरे को देख उसकी मम्मी ने जैसे उसकी खैरियत पूछी, तो वह नाराज होने लगीं, "मम्मा, वो टीचर मुझे बार-बार बैड टच करता है, उसकी इस हरकत से मैं बहुत तंग आ चुकी है, कल से मैं स्कूल नही जाऊंगी"। कहते कहते उसकी आवाज हिचकियों में खो गई थी।

प्रदीप मिश्र
बलरामपुर

"तूने मुझे अब तक बताया क्यों नहीं, कल ही मैं तेरे डायरेक्टर से मिलकर उसकी लिखित कंप्लेंट करूंगी, उसे तो जेल भिजवाकर दम लूंगी मैं।" माही के पापा भी वही अत्यंत उत्तेजित अवस्था में मुट्ठी भींचे खड़े थे। फर्श पर पोछा लगा रही माही की हमउम्र नौकरानी गुड्डी अचानक से पूछ बैठी, "दीदी, ये बैड टच क्या होता है? "किसी के शरीर को गलत नीयत से छूना।" माही की मम्मी ने उसको बताया। माही की मम्मी से ये सुनते ही गुड्डी की भाव भंगिमा ही बदल गई। वह आपे से बाहर हो गई और गुस्से से कांपती हुई बोली, "आंटी, उसे किसी कीमत पर छोड़ना मत। ऐसे हर राक्षस को उसके किए की सजा जरूर मिलनी चाहिए।" एकबारगी गुड्डी ने आग्नेय नेत्रों से माही के पापा की ओर देखा उनकी भींची हुई मुट्ठियां अचानक से ढीली पड़ गई थी।

समीक्षा

कहावतों से प्रेरणा

हाल में प्रकाशित पुस्तक "21 वीं सदीः समकालीन कहावतें" कई मायनों में प्रासंगिक होने के साथ ही समाज के हर वर्ग और आयु वालों के लिए प्रेरणास्पद दस्तावेज है। लेखक प्रयागराज के वरिष्ठ साहित्यकार अनिल अग्रवाल ने निबंध, कहानी, उपन्यास आदि विषयों से अलग कुछ ऐसा रचने का फैसला किया, जो अभ्यस्त पाठकों ही नहीं, नए पाठकों को भी पढ़ने के लिए प्रेरित करे। उन्हें अपनी सामाजिक और राष्ट्रीय ही नहीं, पारिवारिक जिम्मेदारी के प्रति सचेत करे। कई महीनों के चिंतन से उपजे विचारों को संग्रह करना सहज और सरल नहीं है। उन्होंने ये संग्रह कहावतें के रूप में निरूपित किया, लेकिन ये वास्तव में उक्तियां (कोट्स) हैं, जिन्हें आम बोलचाल में प्रेरक प्रसंग या अनमोल बोल कह सकते हैं।

पुस्तक -21 वीं सदी : समकालीन कहावतें
लेखक- अनिल अग्रवाल, प्रयागराज
पेज-194
समीक्षक- इंद्र कांत मिश्र, वरिष्ठ पत्रकार

इस पुस्तक को दस खंडों में विभाजित किया गया है- हमारा युग, जीवन, परिवर्तन, नेतृत्व, पुरुष, स्त्री, परिवार, शिक्षा, भूमंडलीकरण और इतिहास। प्राक्कथन में 21 वीं सदी की कुछ सुखद और आगाह करने वाली संभावनाओं पर बिंदुवार प्रकाश डाला गया है। प्रथम खंड "हमारा युग'" में कुछ कोट्स पाठकों की चेतना को जगाने का काम करते हैं। साथ ही "जीवन" खंड में कुछ कोट्स तो शानदार तरीके से जीने की प्रेरणा देते हैं। "परिवर्तन" खंड में जीवन समाज और प्रकृति आदि को रेखांकित किया गया है। "नेतृत्व" खंड में राजनीतिज्ञों के स्वाभाव, महत्वाकांक्षा, नीयत आदि पर कहीं व्यंग्य तो कहीं उनकी विवशता को जाहिर किया गया है। सर्वाधिक रुचिकर "पुरुष" और "स्त्री" खंड हैं। पुरुष खंड में उसकी आक्रामक प्रवृत्ति, कम होती सहनशीलता को खासतौर पर रेखांकित किया गया है। "स्त्री" खंड में महिलाओं की संवेदना, करुणा, दयाशीलता के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया है। "एक मुस्कुराती हुई महिला ऊंची कीमतों पर मिट्टी भी बेच सकती है। उसकी मुस्कान की आभा ही ऐसी होती है।" "परिवार" खंड में युवाओं को लेखक ने सलाह दी है, "शादी में कभी जल्दबाजी न करें, पर्याप्त समय लें, आपको पछतावा नहीं होगा।" "जहां भी परिवार का विघटन हुआ हुआ है, वहां इंसान का अकेलापन दसगुना बढ़ा है, परिवार मूलतः एक सुरक्षा घेरा है।" अंतिम तीन खंड "शिक्षा", "भूमंडलीकरण" और 'इतिहास" में भी कई कोट्स पढ़ने योग्य है।

दास्तान-ए-जलेबी

अलग-अलग मेरे नाम रे...

गोल-गोल सी जिंदगी की उलझनों की तरह उलझी हुई मगर रसभरी मिठास लिए सबकी पसंदीदा है वो। नाम समझ ही गए होंगे-जलेबी। मीठे के शौकीन लोग इसे दूध-दही या रबड़ी के साथ भी खाना पसंद करते हैं। कहीं इसे पोहा और फाफड़ा के साथ भी खाया जाता है। तारक मेहता का उल्टा चश्मा के दमदार और रोचक करेक्टर जेठालाल तो जलेबी फाफड़ा के दीवाने ही हैं। आजकल शादियों का सीजन है। जलेबी की भरमार है। बहुत पहले से ही शादी और दूसरे फंक्शन में भी गुलाब जामुन के अलावा जलेबी के साथ दही और रबड़ी का भी चलन रहा है। यह एक विदेशी मिठाई है, जो लंबे समय से भारत में अपनी पैठ बनाए हुए है और इतनी लोकप्रिय हो गई कि हम इसे भारतीय मिठाई ही समझ बैठे हैं। जलेबी ने 15 वीं शताब्दी में भारत में घुसपैठ कर ली थी। इतिहासकार बताते हैं कि लगभग 500 साल से भी अधिक समय पहले तुर्क आक्रमणकारियों के साथ यह भारत पहुंची। जलेबी शब्द की उत्पत्ति अरबी भाषा के शब्द जलाबिया से हुई है या फारसी के जलिबिया शब्द से। ईरान में इसे जुलुबिया कहा जाता है। मोहम्मद बिन हसन अल बगदादी लिखित 'किताब-अल-तबीक' में जलाबिया का जिक्र पाया जाता है, जिसका मतलब तेरहवीं शताब्दी में भी यह मिष्ठान प्रेमियों का मुंह मीठा कराने के लिए उपलब्ध थी। इस किताब में अनेक प्रकार के व्यंजनों की जानकारी है। जिनसुर द्वारा रचित जैन कृति प्रियमकर्णप कथा में भी जलेबी का जिक्र मिल जाता है।

15 वीं शताब्दी में यह भारत पहुंचकर इतनी लोकप्रिय हो गई थी कि मंदिरों में प्रसाद के रूप में भी वितरित की जाने लगी थी। 17 वीं शताब्दी में एक पुस्तक आई 'भोजन कुतूहल', जिसे पंडित रघुनाथ जी द्वारा लिखा गया था। इसी तरह गुण्य गुण बोधिनी नामक संस्कृत में लिखी पुस्तक में भी जलेबी का उल्लेख मिलता है। भारत में इसका प्राचीन नाम कुंडलिका भी बताया जाता है, जिसका जिक्र पंडित रघुनाथ द्वारा रचित पुस्तक में मिलता है। कुंडली के आकार की होने के कारण यह नाम पड़ना यथोचित भी है। 1870 में प्रकाशित नॉर्मन चेवर्स की किताब 'ए मैन्युअल ऑफ मेडिकल जूरिप्रूडेंस फॉर इंडिया' में तो इस बात का भी जिक्र मिलता है कि 19 वीं शताब्दी के दौरान भारत में कैदियों को जहर देने के लिए जेलाबीज का इस्तेमाल किया जाता था।

अमृता पांडे
स्वतंत्र लेखिका, हल्द्वानी

जलेबी को मैदे और चावल के आटे से तैयार किया जाता है। कहीं-कहीं सूजी या थोड़ा सा चने का आटा भी इस्तेमाल किया जाता है। आटे का मिश्रण बनाकर उसमें खमीर उठाकर घी या तेल में इसे स्पाइरल यानी सर्पिल आकार में तलकर चाशनी में डुबोकर निकाला जाता है। गरमा-गरम जलेबी खाने में स्वादिष्ट होती है, तो कुछ लोग ठंडी खाना भी पसंद करते हैं। जैसे भिन्न-भिन्न रंग रूप परिवेश लिए भारत के अलग-अलग प्रांत, वैसे ही सभी जगह जलेबी के अलग-अलग नाम। उत्तर भारत में यह जलेबी के नाम से ही जानी जाती है, तो दक्षिण में जिलेबी हो जाती है और देश के दिल मध्य प्रदेश में यह मावा जंबी हो जाती है।

हैदराबाद में खोया जलेबी, बंगाल में चनार जिल्बी। कोस कोस पर बदले पानी, चार कोस पर वाणी... कहावत को चरितार्थ करती है। समय के साथ-साथ मैदे और चाशनी से बनने वाली जलेबी में नए-नए प्रयोग हुए, जो पनीर जलेबी और खोया जलेबी के रूप में सामने आए। इंदौर के रात्रि बाजार में जलेबी एक नए रूप में आती है, जिसे बाद जलेबी कहते हैं और जिसका वजन लगभग 300 ग्राम होता है। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ की चोटहिया जलेबी, जिसकी चाशनी खजूर के गुड़ की बनी होती है, अपने विशेष स्वाद के लिए जानी जाती है। हालांकि संभव है कि नई पीढ़ी इसका रंग देखकर मुंह बिचकाए, लेकिन पुराने लोगों की मधुर स्मृतियों में डूबी हुई है यह।

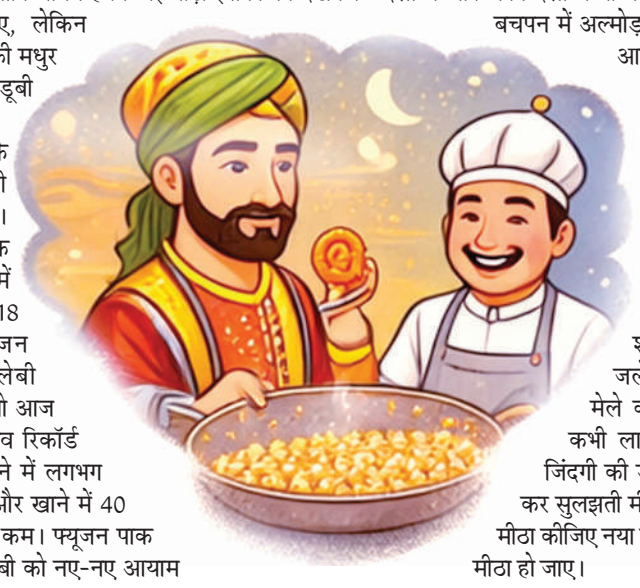

इंसान के दिमाग की सनक है। मुंबई के एक रेस्टोरेंट में एक बार 18 किलो वजन वाली जलेबी बनाई गई, जो आज तक का विश्व रिकॉर्ड है। इसे बनाने में लगभग 4 घंटे लगे और खाने में 40 मिनट से भी कम। फ्यूजन पाक शैली में जलेबी को नए-नए आयाम दिए हैं। केसर जलेबी, एप्पल जलेबी नित नए प्रयोग हैं। नई दिल्ली में प्रगति मैदान के पास स्थित नेशनल क्राफ्ट्स म्यूजियम परिसर में बसे एक रेस्टोरेंट कैफे लोटा भारत के खाद्य संस्कृति को जीवित रखने का एक शानदार प्रयास है। यह रेस्त्रां खुद ही किसी संग्रहालय से कम नहीं है। यहां प्रवेश करते ही देश के अलग-अलग प्रांतों की संस्कृतियों को संजोने का अद्भुत अंदाज मन को लुभाने लगता है। बांस की छत और छत पर टंगे एंटीक लालटेन के तले बैठकी का एक बेहतरीन ठिकाना मिल जाता है। यहां की दालचीनी मिश्रित एप्पल जलेबी भी खास है। हालांकि नॉर्मल जलेबी से स्वाद में काफी फर्क। भारत के अलावा एशिया के दूसरे देशों में और अरब देशों में भी यह खूब पसंद की जाती है।

बचपन में अल्मोड़ा में खूब जलेबी खाईं हैं। आज भी जब वहां जाना होता है, तो एक बार जलेबी की दुकान में जरूर रुकती हूं। इसी तरह नैनीताल की लोटे वाली मोटी-मोटी रसभरी जलेबी। नोएडा की घी में बनी छोटी-छोटी करारी जलेबी मेरी पसंद हैं। शहर की जलेबी, गांव की जलेबी, मॉल की जलेबी, मेले की जलेबी, कभी नारंगी, कभी लाल, कभी पीली जलेबी। जिंदगी की उलझनों की तरह टूट-टूट कर सुलझती मीठी जलेबी। आप लोग भी मीठा कीजिए नया साल है, दस्तूर भी है। कुछ मीठा हो जाए।

आधी दुनिया

स्कूल के बाहर खड़ी आधी आबादी

भारत में लड़कियों की शिक्षा आज भी अधिकार और वास्तविकता के बीच फंसी हुई है। संविधान का अनुच्छेद 21-ए शिक्षा का हक देता है, लेकिन पितृसत्ता, गरीबी और असुरक्षा इसे अधूरा छोड़ देती है। कई बेटियां स्कूल इसलिए छोड़ देती हैं, क्योंकि घर का बोझ उनके कंधों पर आ जाता है, कहीं बाल विवाह रास्ता रोक लेता है तो कहीं दूरी, शौचालय की कमी और सुरक्षा का डर। किताबों की जगह रसोई और जिम्मेदारियां उनकी दुनिया बन जाती हैं। यह ड्रॉपआउट केवल शिक्षा का नहीं, सपनों का भी होता है। समाधान जटिल नहीं हैं- सुरक्षित स्कूल, कार्यशील शौचालय, परिवहन की सुविधा और सामाजिक सोच में बदलाव। जब समाज बेटियों को बोझ नहीं, भविष्य मानेगा, तभी स्कूल के बाहर खड़ी आधी आबादी कक्षा के भीतर लौट सकेगी।

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

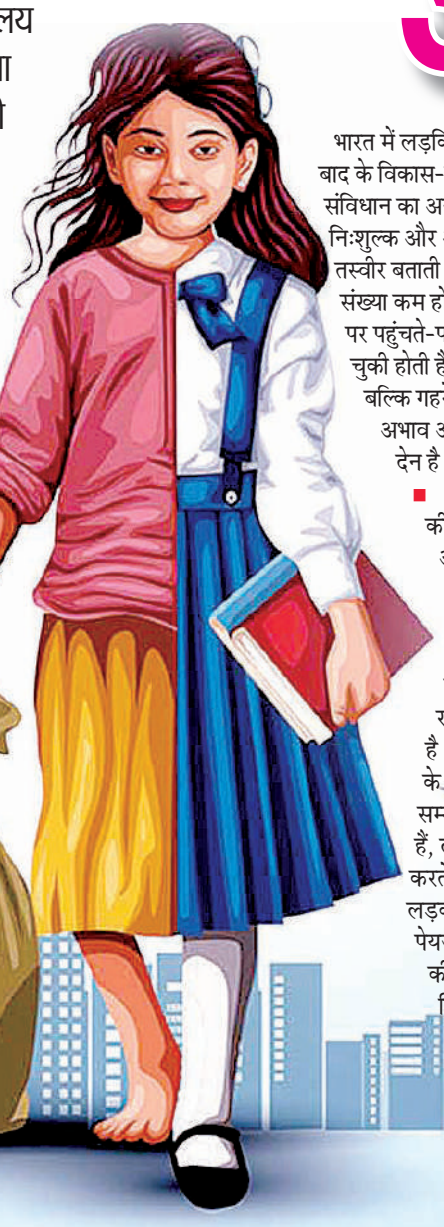

भारत में लड़कियों की स्कूली शिक्षा की कहानी आजादी के बाद के विकास-वृत्तांत की सबसे जटिल और मार्मिक कड़ी है। संविधान का अनुच्छेद 21-ए हर बच्चे को 6 से 14 वर्ष तक निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार देता है, पर जमीनी तस्वीर बताती है कि जैसे-जैसे कक्षा बढ़ती है, लड़कियों की संख्या कम होती जाती है और माध्यमिक-उच्च माध्यमिक स्तर पर पहुंचते-पहुंचते बड़ी संख्या में बेटियां स्कूल से बाहर हो चुकी होती हैं। यह केवल शैक्षणिक ढांचे की विफलता नहीं, बल्कि गहरे बैठे सामाजिक पूर्वाग्रह, पितृसत्ता, आर्थिक अभाव और राज्य की अधूरी प्रतिबद्धताओं की संयुक्त देन है।

- सबसे पहले बात स्कूलों की बुनियादी सुविधाओं की, जो लड़कियों के लिए शिक्षा के अधिकार और शिक्षा की वास्तविक उपलब्धता के बीच की सबसे कठोर दीवार बनकर खड़ी हैं। आज भी अनेक सरकारी स्कूलों में अलग, सुरक्षित और कार्यशील शौचालयों की कमी है, जहां शौचालय बने भी हैं, वहां साफ-सफाई, पानी और रखरखाव की स्थिति अक्सर बेहद खराब रहती है। किशोरावस्था में प्रवेश करने वाली बालिकाओं के लिए मासिक धर्म के दौरान स्वच्छ और सम्मानजनक व्यवस्था जीवन की बुनियादी जरूरत हैं, लेकिन जब स्कूल इस जरूरत को नजरअंदाज करते हैं, तो परिवार के लिए सबसे आसान विकल्प लड़की को घर बैठा देना होता है। स्वच्छ पेयजल, सेनेटरी नैपकिन की उपलब्धता, कचरा निस्तारण जैसी बातें कागजी योजना-दस्तावेजों में चाहे जितनी आकर्षक दिखें, जमीन पर उनकी कमी लड़कियों के हौसले को बार-बार तोड़ती हैं। यह वही उम्र है जहां शिक्षा आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण का रास्ता खोल सकती है, लेकिन अवसंरचना की कमी उसे 'ड्रॉपआउट' के आंकड़ों में बदल देती है।
- दूसरा बड़ा कारक स्कूल तक पहुंच का है, जिसमें दूरी और सुरक्षा दोनों शामिल हैं। ग्रामीण इलाकों में माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय अक्सर गांव से कई किलोमीटर दूर स्थित होते हैं। लड़के किसी तरह साइकिल या पैदल यह दूरी तय कर लेते हैं, लेकिन लड़कियों के मामले में हर किसी के साथ असुरक्षा, झिझक और जोखिम भी बढ़ जाता है। रास्ते में छेड़खानी, उत्पीड़न, सुनसान सड़कें, अपर्याप्त सार्वजनिक परिवहन और देर से घर लौटने का डर, माता-पिता के मन में यह धारणा गहरी कर देते है कि "इतनी दूर भेजना सुरक्षित नहीं।" जहां-जहां साइकिल वितरण, छात्राओं के लिए सुरक्षित बस-सेवा, या क्लस्टर-स्कूल जैसा मॉडल ईमानदारी से लागू हुआ, वहां यह साफ दिखा कि परिवहन-सुरक्षा की समस्या हल होते ही लड़कियों की उपस्थिति, ट्रांजिशन रेट और बोर्ड तक बने रहने के आंकड़े बेहतर हो जाते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि सही नीतिगत हस्तक्षेप से "दूरी" नाम की बाधा को शिक्षा का रास्ता रोके बिना भी संभाला जा सकता है।
- तीसरी वजह घर की चारदीवारी के भीतर छिपी है-घरेलू काम और देखभाल की जिम्मेदारियां। भारतीय समाज की पितृसत्तात्मक संरचना में बेटा अक्सर "भविष्य का कमाने वाला" और बेटी "परिवार की ज़िम्मेदारी" मानी जाती है। गरीब और निम्न-मध्यवर्गीय परिवारों में मां के साथ खाना बनाना, बर्तन-कपड़े धोना, छोटे भाई-बहनों की देखभाल करना, पानी लाना, खेत या दुकान में मदद करना-इन सभी कामों का सबसे आसान विकल्प लड़की ही बनती है। उसके स्कूल-समय को "लचीला" समझा जाता है, जैसे ही घर का बोझ बढ़ता है, सबसे पहले उसकी पढ़ाई कटती है। सर्वेक्षण बार-बार दिखाते हैं कि बहुत-सी लड़कियां "पढ़ाई में रुचि नहीं" की वजह से नहीं, बल्कि "घर के काम" और "पारिवारिक जिम्मेदारी" के कारण स्कूल छोड़ती हैं, लेकिन डेटा में इसे अक्सर गलत ढंग से दर्ज कर दिया जाता है। यह अदृश्य श्रम, जो घर और समाज के पहियों को चलाता है, लड़की के अधिकारों और भविष्य के रास्ते में सबसे बड़े रोड-ब्लॉक में बदल जाता है।

- चौथा निर्णायक तत्व है बाल विवाह और विवाह-केंद्रित सामाजिक मानसिकता। आज भी अनेक समुदायों में यह मान्यता जीवित है कि लड़की की "इज्जत" और "भविष्य" का असली उपाय उसे जल्दी ब्याह देना है, न कि लंबी शिक्षा देना। ज्यादा पढ़ाई को कई बार "बिगड़ने", "पति न मानने" या "शादी देर से होने" के खतरे के रूप में देखा जाता है। राष्ट्रीय स्तर के सर्वे साफ दिखाते हैं कि अशिक्षित या कम पढ़ी-लिखी लड़कियों में 18 वर्ष से पहले विवाह की संभावना कहीं अधिक होती है, जबकि उच्च शिक्षा पाने वाली लड़कियों में यह अनुपात बहुत कम है। यह दुष्चक्र बेहद क्रूर है-कम शिक्षा बाल विवाह को जन्म देती है और बाल विवाह आगे की शिक्षा की संभावना लगभग समाप्त कर देता है। शादी के बाद ससुराल की जिम्मेदारियां, जल्दी गर्भधारण का सामाजिक दबाव और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम, लड़की को स्कूल से स्थायी रूप से बाहर कर देते हैं।
- इन सबके ऊपर आर्थिक बाधाएं एक तरह से "सील" का काम करती हैं। भले ही सरकारी स्कूलों में फीस नाममात्र की हो या न हो, लेकिन यूनिफॉर्म, जूते-चप्पल, किताबें, कॉपियां, परीक्षा शुल्क, ट्यूशन, परिवहन-इन अप्रत्यक्ष खर्चों का बोझ गरीब परिवारों के लिए बहुत भारी होता है। ऐसे परिवारों की आर्थिक गणित अक्सर बेटे के पक्ष में झुक जाती है, उन्हें लगता है कि लड़के की शिक्षा पर निवेश का प्रतिफल नौकरी या कमाई के रूप में मिलेगा, जबकि लड़की की पढ़ाई "निवेश से अधिक दान" जैसी समझी जाती है। यह सोच कई बार लड़कियों को बिल्कुल शुरुआती कक्षाओं से बाहर धकेल देती है, तो कई बार आठवीं, दसवीं या बारहवीं के मोड़ पर उनकी शिक्षा का धागा टूट जाता है।
- इन कारणों का असर भारत के सार्वभौमिक विद्यालयीकरण के लक्ष्य पर गहरा और दूरगामी है। सबसे पहले तो यह संकट सतत विकास लक्ष्य 4 (सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा) और लक्ष्य 5 (लैंगिक समानता) की दिशा में भारत की प्रगति को बाधित करता है। जब माध्यमिक स्तर पर ही लड़कियों की बड़ी संख्या स्कूल से बाहर हो जाती है, तो साक्षरता, नामांकन और परीक्षा-उत्तीर्णता के आंकड़ों में स्थायी लैंगिक खाई बन जाती है। "सार्वभौमिक" शब्द केवल प्रवेश-सूची में दिखता है, लेकिन क्लासरूम और परीक्षा-परिणाम में नहीं।
- दूसरा असर अंतर पीढ़ी गरीबी पर पड़ता है। शोध लगातार दिखाते हैं कि शिक्षित मां अपने बच्चों की सेहत, पोषण, टीकाकरण और शिक्षा में अधिक सजग और निवेशकारी होती है। जब लड़की स्वयं शिक्षा से वंचित रह जाती है, तो उसके लिए अगली पीढ़ी को शिक्षा-केंद्रित जीवन देना बहुत कठिन हो जाता है। इस तरह एक पीढ़ी का ड्रॉपआउट, अगली पीढ़ी के अवसरों को भी सीमित कर देता है और गरीबी की जंजीरें टूटने के बजाय और मजबूत हो जाती हैं।
- तीसरा बड़ा असर आर्थिक विकास और उत्पादकता पर दिखता है। यदि महिलाओं की श्रम-बल भागीदारी, शिक्षा और कौशल के सहारे, पुरुषों के बराबर या उसके करीब पहुंच सके, तो भारत की जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है, लेकिन जब लाखों लड़कियां माध्यमिक स्तर से बाहर हो जाती हैं, तो यह संभावित मानव-पूंजी कभी विकसित ही नहीं हो पाती। देश की आधी आबादी "हाफ-टाइम" से पहले ही खेल से बाहर कर दी जाती है और आर्थिक विकास अपनी प्राकृतिक ऊंचाई तक नहीं पहुंच पाता।
- चौथा असर सामाजिक-राजनीतिक सशक्तिकरण पर पड़ता है। शिक्षा सिर्फ रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नागरिकता का सबसे बुनियादी औजार है। पढ़ी-लिखी लड़की स्वास्थ्य, प्रजनन, रोजगार, बैंकिंग, डिजिटल तकनीक और मतदान जैसे निर्णयों में अधिक आत्मविश्वास से भाग लेती है। जब वह स्कूल छोड़ने पर मजबूर होती है, तो उसकी आवाज कमजोर हो जाती है, वह फैसलों की निर्माता की बजाय केवल प्रभावित होने वाली बनकर रह जाती है। स्थानीय निकायों में महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को वास्तविक शक्ति में बदलने के लिए जरूरी है कि गांव-मोहल्ले की सामान्य लड़कियां भी कम से कम माध्यमिक स्तर तक की ठोस शिक्षा प्राप्त कर सकें।
- इन नकारात्मक प्रभावों को संतुलित करने के लिए नीतियों को केवल कानूनों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर संवेदनशील बनाना होगा। सशर्त नकद अंतरण, छात्रवृत्ति, साइकिल और परिवहन योजनाएं, सुरक्षित और लैंगिक-समान स्कूल अवसंरचना, बाल विवाह के खिलाफ सख्त और ईमानदार अमल, समुदाय-आधारित जागरूकता अभियान और ओपन-स्कूलिंग व डिजिटल शिक्षा के जरिए "दूसरा मौका"-ये सभी कदम तभी असरदार होंगे, जब उनकी योजना और क्रियान्वयन के केंद्र में "लड़की" हो, न कि केवल "छात्र" का कोई लिंग-निरपेक्ष, अमूर्त चित्र। लड़कियों का स्कूल से बाहर होना भारत की कहानी में एक अधूरा अध्याय नहीं, बल्कि एक ऐसी चेतावनी है, जो बताती है कि जब तक हर बेटी बिना डर और बाधा के कम से कम माध्यमिक शिक्षा पूरी न कर सके, तब तक "शिक्षित भारत" का सपना आधा ही रहेगा।

बोल्ड आई मेकअप

आत्मविश्वास, स्टाइल और व्यक्तित्व का आईना

मेकअप केवल चेहरे को सजाने का जरिया नहीं है, बल्कि यह आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और सोच को व्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम भी है। जब बात बोल्ड आई मेकअप की आती है, तो यह सिर्फ ट्रेंड नहीं, बल्कि एक स्टेटमेंट बन जाता है। आंखें चेहरे का सबसे प्रभावशाली हिस्सा होती हैं और जब उन्हें बोल्ड तरीके से सजाया जाता है, तो पूरा लुक अपने-आप आकर्षक और दमदार बन जाता है। आज की आधुनिक महिला सिर्फ सिंपल दिखना नहीं चाहती, बल्कि अपने मेकअप के जरिए यह बताना चाहती है कि वह आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और अपने फैसलों में मजबूत है। बोल्ड आई मेकअप इसी भावना को दर्शाता है।

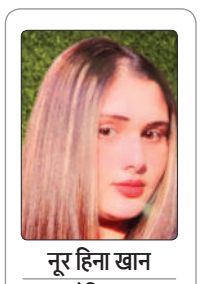

नूर हिना खान
लेखिका

क्या है बोल्ड आई मेकअप

बोल्ड आई मेकअप का मतलब है आंखों को इस तरह सजाना कि वे तुरंत ध्यान आकर्षित करें। इसमें गहरे रंगों का इस्तेमाल किया जाता है, जैसे:

- ब्लैक
- स्मोकी ग्रे
- रॉयल ब्लू
- एमराल्ड ग्रीन
- वाइन, मरून या पर्पल

इसके साथ ही मोटा आईलाइनर, डार्क आईशैडो, ग्लिटर, कट-क्रिज और फुल लैशेज का प्रयोग किया जाता है। यह मेकअप खासतौर पर पार्टियों, शादियों, रिसेप्शन, फोटोशूट और नाइट इवेंट्स के लिए बेहद लोकप्रिय है।

क्यों है इतना खास बोल्ड आई मेकअप

- **आत्मविश्वास** - जब आंखें बोल्ड होती हैं, तो चेहरे पर एक अलग ही आत्मविश्वास नजर आता है। यह लुक अंदर की मजबूती को बाहर दिखाता है।
- **हर फेस शेप के लिए उपयुक्त**- सही तकनीक से किया गया बोल्ड आई मेकअप हर तरह की आंखों और चेहरे पर खूबसूरत लगता है।
- **कम मेकअप में ज्यादा इम्पैक्ट**- अगर आंखें बोल्ड हैं, तो लिप्स और फेस मेकअप हल्का रखकर भी शानदार लुक पाया जा सकता है।

बोल्ड आई मेकअप के मुख्य एलिमेंट्स

- **आई प्राइमर**- बोल्ड लुक की शुरुआत एक अच्छे आई प्राइमर से होती है। यह आईशैडो को लंबे समय तक टिकाए रखता है और रंगों को ज्यादा उभरकर दिखाता है।
- **डार्क और पिगमेंटेड आईशैडो**- बोल्ड आई मेकअप में आईशैडो सबसे अहम होता है। स्मोकी लुक के लिए ब्लैक और ग्रे, जबकि कलरफुल लुक के लिए ब्लू, ग्रीन या पर्पल बेहतरीन विकल्प हैं।
- **मोटा आईलाइनर**- विंग्ड आईलाइनर या ग्राफिक लाइनर बोल्ड आई मेकअप की पहचान है। यह आंखों को शार्प और ड्रामेटिक बनाता है।
- **काजल**- ऊपरी और निचली दोनों पलकों पर काजल लगाना आंखों को गहराई देता है। वाटरप्रूफ काजल सबसे बेहतर रहता है।
- **मस्कारा और फेक लैशेज**- लंबी और घनी पलकें बोल्ड लुक को पूरा करती हैं। खास मौकों पर फेक लैशेज लगाना लुक को और भी शानदार बना देता है।

अलग-अलग तरह के बोल्ड आई मेकअप लुक्स : स्मोकी आई मेकअप

यह सबसे क्लासिक और सदाबहार बोल्ड लुक है। काले और ग्रे शेड्स का ब्लेंड आंखों को गहरा और रहस्यमयी बनाता है।

- **ग्लिटर बोल्ड आई मेकअप**- शादियों और पार्टियों के लिए परफेक्ट। हल्का या हैवी ग्लिटर आंखों को चमकदार बनाता है।
- **कलरफुल बोल्ड आई मेकअप**- ब्लू, ग्रीन, येलो या पिंक जैसे रंगों का इस्तेमाल युवा और ट्रेंडी लुक देता है।
- **कट-क्रिज आई मेकअप**- यह प्रोफेशनल और हाई-फैशन लुक है, जिसमें क्रीज लाइन को साफ और शार्प दिखाया जाता है।

ध्यान रखने योग्य बातें

- चेहरे का बाकी मेकअप संतुलित रखें।
- आईशैडो को अच्छे से ब्लेंड करें।
- आइब्रो को शेप देना न भूलें।
- स्किन टोन के अनुसार रंग चुनें।
- डे टाइम में थोड़ा सॉफ्ट बोल्ड लुक रखें।

मेकअप और व्यक्तित्व

बोल्ड आई मेकअप सिर्फ खूबसूरती नहीं, बल्कि यह एक संदेश है- "मैं जैसी हूं, वैसी ही आत्मविश्वास से भरी हूं।" यह उन महिलाओं के लिए है, जो खुद को छुपाना नहीं, बल्कि गर्व से समाज में जीना चाहती हैं।

बोल्ड आई मेकअप एक कला है, जो सही तरीके से किया जाए, तो साधारण चेहरे को भी असाधारण बना सकता है। यह मेकअप स्टाइल उन महिलाओं के लिए है, जो अपनी आंखों के जरिए अपनी कहानी कहना चाहती हैं। चाहे शादी हो, पार्टी हो या कोई खास मौका-बोल्ड आई मेकअप हर लुक को दमदार बना देता है। याद रखिए, सबसे खूबसूरत मेकअप वही होता है, जिसमें आत्मविश्वास सबसे ज्यादा झलकता है।

खाना खजाना

तुरत-फुरत अचार

सर्दियों का मौसम अपने साथ ताजी सब्जियों की भरमार और देसी स्वादों की सौगात लेकर आता है। इसी मौसम की खास पहचान है मारवाड़ का प्रसिद्ध तुरत-फुरत मिक्स अचार, जो स्वाद और सेहत का अनोखा संगम है। गाजर, मूली, मोगरी, गोभी, कच्ची हल्दी और हरी मिर्च से बना यह अचार न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि शरीर को गर्माहट और पोषण भी देता है। सरसों के तेल और देसी मसालों की खुशबू से भरपूर यह अचार कुछ ही दिनों में तैयार हो जाता है और हर थाली को खास बना देता है।

एस.बी. मुथा
फूड ब्लॉगर

सामग्री

- गाजर- 2-3 (छीलकर पतले लंबे टुकड़ो में काट लें)
- ताजा सफेद मूली - 2-3 (छीलकर छोटे लंबे टुकड़ो में काट लें)
- गोभी - 1 (छोटे टुकड़ो में काट लें)
- हरी मिर्च-3-4 (छोटे लंबे टुकड़ों में कटी हुई)
- कच्ची हल्दी- 5-6 ताजा गांठियां (छीलकर गोल टुकड़ों में काटे)
- मोगरी/ सेंगरी - 1/2 कप छोटे टुकड़ों में कटी हुई
- दाना मेथी - 2 चम्मच (दरदरी पिसी हुई)
- भुना जीरा पाउडर - 2 चम्मच
- सौंफ पाउडर- 1 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 1 चम्मच
- सरसों का तेल - 3/4 कप
- हींग - 2-3 पिंच
- सिरका या पिसी हुई राई- 3-4 चम्मच
- नमक - स्वादानुसार

बनाने की विधि

सबसे पहले आप गाजर, मूली, हल्दी, मोगरी और गोभी का मिक्स अचार बनाने के लिए सभी कटी हुई सब्जियों (गाजर, मूली, मोगरी, हरी मिर्च और गोभी) को पानी से अच्छी तरह धोलें। अब इन्हें किसी सूती कपड़े पर फैलाकर धूप में 2-3 घंटे के लिए रखें, ताकि सब्जियों का सारा पानी अच्छी तरह सूख जाए। जब सब्जियों में बिल्कुल भी नमी न रहे, तब उन्हें एक बड़े बर्तन में निकाल लें। अब एक कढ़ाही में सरसों का तेल डालकर गैस पर गरम करें। जब तेल अच्छी तरह गरम हो जाए, तब गैस बंद कर दें। तेल हल्का ठंडा होने पर उसमें दाना मेथी पाउडर, सौंफ पाउडर, भुना जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, नमक और हींग डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब इस मसाले में सारी कटी हुई सब्जियां और राई या सिरका डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। तैयार अचार को किसी साफ, सूखे और एयर-टाइट कंटेनर में भरकर रख दें। अचार को 1-2 दिन में एक बार सूखे चम्मच से ऊपर-नीचे पलटते रहें। यह स्वादिष्ट मिक्स अचार 4-5 दिनों में खाने लायक हो जाता है। आप इस अचार को 15-20 दिनों तक आराम से इस्तेमाल कर सकते हैं। यदि चाहें तो इस अचार को बनाने के लिए बाजार में मिलने वाला तैयार अचार मसाला मिक्स भी उपयोग कर सकते हैं।

अमिताभ ठाकुर की गिरफ्तारी पर कोर्ट में घिरी जांच एजेंसी

बिना सबूत और ठोस आधार के पूर्व आईपीएस की गिरफ्तारी पर कोर्ट ने विवेचक को लगाई लताड़, कहा-अब जांच हम देखेंगे

उपेन्द्र तिवारी, कुशीनगर

अमृत विचार: कानून के नाम पर की गई कार्रवाई जब खुद कानून के कठघरे में खड़ी हो जाए, तो उसे न्याय नहीं ज्यादती कहा जाता है। शनिवार को देवरिया की सीजेएम अदालत में ठीक यही दृश्य देखने को मिला, जब पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर की गिरफ्तारी पर सुनवाई के दौरान अदालत ने जांच एजेंसी की कार्यप्रणाली पर तीखा प्रहार किया।

धोखाधड़ी के एक पुराने मामले में जेल भेजे गए अमिताभ ठाकुर की पेशी के दौरान जांच अधिकारी अदालत के सामने बिना सबूत, बिना तर्क और बिना जवाब के खड़े नजर आए। करीब 30 मिनट चली सुनवाई में अदालत के सवालों ने पूरी विवेचना की पोल खोल दी।

लखनऊ से आए विवेचक से जब अदालत ने पूछा कि आखिर गिरफ्तारी की जरूरत क्या थी, तो विवेचक कोई ठोस आधार नहीं बता सके। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि "अब तक की विवेचना में ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे यह साबित हो कि गिरफ्तारी अनिवार्य थी या आरोप प्रथम दृष्टया टिकाऊ हैं। इसके साथ ही अदालत ने साफ शब्दों में कहा कि अब इस केस की जांच कोर्ट की निगरानी में चलेगी, जो अपने आप में जांच एजेंसी पर एक बड़ा अविश्वास है।

देवरिया की सीजेएम अदालत में पेशी के लिए जाते पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर।

कोर्ट ने कहा- नहीं चलेगी मनमानी

अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 6 जनवरी तय करते हुए साफ कर दिया कि इस मामले में अब हर कदम कोर्ट की निगरानी में होगा। अमिताभ ठाकुर ने बताया कि न्यायालय के भरोसे के बाद उन्होंने अपना आमरण अनशन 15 जनवरी तक स्थगित कर दिया है। कहा कि जब एक पूर्व आईपीएस अधिकारी को बिना ठोस सबूत जेल भेजा जा सकता है, तो आम आदमी की सुरक्षा कैसे होगी।

विवेचक पर सवालों की बौछार

अमिताभ ठाकुर के मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने विवेचक से एक के बाद एक सवाल दागे। गिरफ्तारी का समय? साक्ष्य कहां हैं? किस आधार पर आरोपी बनाया गया? 25 साल तक मामला ठंडे बस्ते में क्यों रहा? लेकिन किसी भी सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इस पर कोर्ट ने विवेचना की निष्पक्षता और मंशा पर सवाल उठाते हुए जांच एजेंसी की भूमिका को संदेह के घेरे में ला खड़ा किया।

क्या है मामला

लखनऊ के गोमतीनगर स्थित विराम खंड निवासी अमिताभ ठाकुर पर आरोप है कि उन्होंने साल 1999 में देवरिया में एसपी रहते हुए अपनी पत्नी नूतन ठाकुर के नाम औद्योगिक क्षेत्र में एक प्लाट खरीदा था। प्लाट आवंटन के दौरान पत्नी नूतन ठाकुर का नाम 'नूतन देवी' और पति का नाम 'अभिजात' अंकित कराया गया था, जबकि उनका वास्तविक नाम अमिताभठाकुर है। इस प्लाट का एलाटमेंट नूतन इंडस्ट्रीज के नाम पर हुआ था। लेकिन, 3 साल तक एक ईंट नहीं रखी गई। सितंबर, 2002 में नूतन ठाकुर ने इस जमीन की लीज डीड शराब और कंस्ट्रक्शन कारोबारी संजय प्रताप सिंह को ट्रांसफर कर दी। 6 हजार स्क्वायर फीट का यह प्लॉट देवरिया शहर से लगे औद्योगिक क्षेत्र में है। यह B-2 श्रेणी का है। यहां कोई उद्योग नहीं लगा है। अभी यहां पर श्रीनेत शांडिल्य कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड का ऑफिस है। यह संजय प्रताप सिंह का है। संजय देवरिया के शराब और कंस्ट्रक्शन के बड़े कारोबारियों में शामिल हैं। देवरिया के औद्योगिक क्षेत्र में 26 साल पहले यही प्लॉट पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की पत्नी को अलॉट हुआ था। सितंबर 2025 में लखनऊ के तालकटोरा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए बाद में जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। जांच के दौरान देवरिया सदर कोतवाली में भी इस मामले में केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने 10 दिसंबर को शाहजहांपुर में पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को गिरफ्तार कर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) न्यायालय में पेश किया था। यहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया था।

अमिताभ ठाकुर का आरोप : यह कानून नहीं, सियासी बदला है

पेशी के बाद अमिताभ ठाकुर ने कहा कि उनके खिलाफ की गई कार्रवाई पूरी तरह चुनिंदा और प्रतिशोधात्मक है। उन्होंने दो टूक कहा मैंने जैसे ही पूर्व सांसद धनंजय सिंह और कुछ ताकतवर नेताओं से जुड़े तथ्यों को सार्वजनिक किया, मेरे खिलाफ साजिश रच दी गई। पुराने मुकदमों को जिंदा कर मुझे जेल भेज दिया गया।" उनका कहना था कि असली आरोपी आज भी खुलेआम घूम रहे हैं और उन्हें सिर्फ इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि उन्होंने सत्ता से सवाल पूछे। पूर्व आईपीएस ने खुलासा किया कि मुकदमा दर्ज होने के अगले ही दिन रात करीब दो बजे पुलिस उन्हें उठाकर ले गई। कहा "जिस तरह रात के सन्नाटे में मुझे गिरफ्तार किया गया, उससे लगा कि कहीं मेरा एनकाउंटर न कर दिया जाए।" उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कोडीन कफ सिरप केस में जानबूझकर फंसाया गया, जबकि इस पूरे नेटवर्क में शिवम जायसवाल सिर्फ एक मोहरा है और असली सरगना अब भी सुरक्षित हैं। अमिताभ ठाकुर के अधिवक्ता अभिषेक शर्मा ने अदालत में तीखी दलील देते हुए कहा कि मामला लगभग ढाई दशक पुराना है। उन्होंने सवाल उठाया "जब 25 साल में कोई ठोस सबूत नहीं मिला, तो अब अचानक गिरफ्तारी क्यों? क्या यह कानून है या दबाव में लिया गया फैसला?" वकील ने इसे न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग करार दिया।

न्यूज ब्रीफ

राज्य सूचना आयुक्त का कुशीनगर भ्रमण कार्यक्रम आज

कुशीनगर, अमृत विचार : राज्य सूचना आयुक्त उत्तर प्रदेश पदुम नारायण द्विवेदी रविवार को प्रातः 08:00 बजे लखनऊ से प्रस्थान कर लगभग अपराह्न 12:30 बजे सर्किट हाउस कुशीनगर पहुंचेंगे। राज्य सूचना आयुक्त द्वारा जनपद मुख्यालय स्थित बुद्धा पार्क में आयोजित दिव्यांगजनों के उपकरण वितरण, कम्बल वितरण एवं प्रदर्शनी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया जाएगा। कार्यक्रम के समापन के पश्चात गोरखपुर लिंक रोड एवं पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे होते हुए लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे।

ग्राम सुरक्षा समिति संवाद अभियान जारी

कुशीनगर, अमृत विचार : अपराध नियंत्रण, जनसुरक्षा को सुदृढ़ करने तथा पुलिस-जनता के बीच विश्वास एवं सहयोग को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से शुक्रवार मध्यरात्रि में ग्राम सुरक्षा समिति के साथ संवाद कार्यक्रम अभियान आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने थाना कुबेरस्थान क्षेत्र के ग्राम पंचायत लक्ष्मीपुर में ग्राम सुरक्षा समिति के साथ विशेष गोष्ठी आयोजित की। अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा तथा क्षेत्राधिकारी सदर डॉ. अजय कुमार सिंह द्वारा कोतवाली पडरौना क्षेत्र के ग्राम गुलेलहा हरका में और क्षेत्राधिकारी कसया कुन्दन कुमार सिंह द्वारा थाना कप्तानगंज क्षेत्र के ग्राम लक्ष्मीपुर व नारायणपुर में सुरक्षा समिति के साथ संवाद एवं गोष्ठी की गई।

पुलिस ने खाते में वापस कराए पैसे

सिद्धार्थनगर। प्रभारी निरीक्षक कठेला समयमाता अभय सिंह के नेतृत्व में शनिवार को ग्राम मदरहवा अन्तर्गत थाना कठेला समय माता के आवेदक बरकत अली निवासी ग्राम मदरहवा का 2,000 साइबर फ्रॉड के जरिए खाते से डेबिट हो गया था, थाना कठेला समय माता की साइबर टीम द्वारा बरकत अली उपरोक्त के साइबर फ्राड की सम्पूर्ण धनराशि वापस करायी गयी।

निशांत हत्याकांड: पीड़ित परिवार से मिले सांसद व विधायक

कुशीनगर, अमृत विचार : शनिवार को कुशीनगर सांसद विजय कुमार दुबे, विधायक मोहन बर्मा, विधायक पी.एन पाठक, पनियरा विधायक ज्ञानेश सिंह, हिंदूवादी नेता रामबचन सिंह ग्रामसभा नैकाछपरा टोला अम्मरपुर निवासी मृतक निशांत उर्फ शक्तिमान सिंह के घर पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात कर ढांढस बढ़ाया और भरोसा दिलाया। जनप्रतिनिधियों ने इस नृशंस हत्याकांड घटना की कड़ी निंदा की। सांसद ने पीड़ित परिवार को विश्वास दिलाते हुए कहा कि आरोपियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होगी जो नजीर बनेगी। कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना और हरसंभव सहयोग करना उनकी प्राथमिकता है। इस दौरान एसडीएम कसया डॉ संतराज सिंह बघेल, थानाध्यक्ष कसया अभिनव मिश्रा समेत सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

एडीजी गोरखपुर जोन ने मंदिर का किया निरीक्षण

जिला संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन, गोरखपुर मुथा अशोक जैन ने शनिवार को तामेश्वरनाथ मंदिर का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। एडीजी ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, अग्नि सुरक्षा उपाय, आपातकालीन निकास मार्ग तथा पुलिस बल की तैनाती का बारीकी से जायजा लिया।

उन्होंने ड्यूटी में तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्क रहकर कर्तव्य निर्वहन करने तथा श्रद्धालुओं से शालीन व्यवहार बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर संदीप कुमार मीना भी उपस्थित रहे। वहीं, एडीजी ने जनपद में शांति एवं कानून-व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक की गई। बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में एडीजी ने धार्मिक व सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रभावी भीड़ नियंत्रण, संवेदनशील एवं अति संवेदनशील क्षेत्रों की नियमित निगरानी, अपराध नियंत्रण एवं लंबित विवेचनाओं का त्वरित निस्तारण और रात्रि गश्त, पैदल गश्त एवं पिकेट ड्यूटी की प्रभावशीलता पर चर्चा की। जबकि, यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए ठोस कार्ययोजना, शीतकाल को देखते हुए अलाव एवं ग्राम सुरक्षा समिति की बैठकों की सराहना, मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत चौपालों के माध्यम से आयोजित बहु-बेटी सम्मेलनों की प्रशंसा भी किया। एडीजी ने स्पष्ट किया कि जनपद में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए तथा सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। इस अवसर पर एसपी संदीप कुमार मीणा, एएसपी सुशील कुमार सिंह, सीओ सदर अमित कुमार, सीओ ट्रैफिक प्रियम राज शेखर पांडेय आदि मौजूद थे।

खलीलाबाद स्थित तामेश्वर नाथ मंदिर की सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लेते एडीजी गोरखपुर जोन मुथा अशोक जैन व एसपी संदीप कुमार मीना। अमृत विचार

धूमधाम से मनाई गई सावित्रीबाई फुले की जयंती

शोहरगढ़, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विकास खण्ड बढ़नी के ढेबरुआ चौराहा पर शनिवार को देश की प्रथम महिला शिक्षिका राष्ट्र माता सावित्रीबाई फुले का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। सावित्रीबाई फुले, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। कार्यक्रम आयोजक राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फूले सामाजिक चेतना मंच ढेबरुआ ने शिक्षा, समाज में बेहतर योगदान पर दर्जनों लोगों को सम्मानित भी किया गया। मुख्य अतिथि शिक्षिका अनुराधा भारती ने कहा कि सावित्रीबाई फुले सामाजिक सुधारिका व भारत की पहली महिला शिक्षिका के रूप में जानी जाती हैं। शिक्षा की अलख जगाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्भित करने की सूचना/साधारण प्रारूप
बअदालत न्यायालय श्रीमान् जनपद न्यायाधीश, लखनऊ
प्रकीर्ण वाद संख्या-1049/2025 ता0पेशी-23.01.2026

1. Anuradha Agrawal Aged about 59 years Wife of Mr. Rajesh Agarwal, R/o 81 Napier Road Colony Part -2, Thakurganj, Chowk Lucknow.
2. Ayush Agarwal Aged about 32 years Son of Mr. Rajesh Agarwal, R/o 81 Napier Road Colony Part-2, Thakurganj, Chowk Lucknow -Petitioner

Versus

1. Person and Property of Kayesha Agrawal Daughter of Late Himanshu Agarwal Resident of 81 Napier Road Colony Part-2, Thakurganj, Chowk Lucknow.
2. Ayushi Agarwal Wife of late Himanshu Agarwal, R/o 81 Napier Road Colony Part -2, Thakurganj, Chowk Lucknow. Presently residing at Near Jain Mandir, Aryanagar South, Gorakhpur.
3. District Magistrate Lucknow -Respondent

जन सामान्य को सूचनार्थः-चूंकि उपरोक्त नामांकित-Petitioner ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि PETITION UNDER SECTION 7/10 OF GUARDIANS & WARDS ACT हेतु। अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए 23.01.2026 के दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनुविष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजाता हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और मोहर न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 15.11.2025 के दिवस को दिखायी गयी।

दस्तखत हाकिम-मोहर अदालत

बेकाबू ट्रैक्टर की टक्कर से एक की मौत

जिला संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के खलीलाबाद-धनघटा मार्ग पर पायलपार के पास शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार अनाज लदी ट्रैक्टर-ट्राली की टक्कर से बाइक सवार एक वाहन चालक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्राली सड़क किनारे रखी गुमटी को तोड़ते हुए एक मकान की दीवार से जा टकराई। चालक मौका पाकर ट्रैक्टर-ट्राली छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर तामेश्वरनाथ चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक की पहचान कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के शिवसरा गांव निवासी सुमित्रानंदन शर्मा (59) के रूप में हुई है। वह खलीलाबाद में एक सेठ के यहां चार पहिया वाहन चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। शुक्रवार देर शाम वह खलीलाबाद से बाइक द्वारा अपने घर शिवसरा लौट रहे थे। रात करीब दस बजे जैसे ही वह पायलपार के पास भुवरिया मोड़ पर पहुंचे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से वह सड़क पर गिर पड़े और ट्रैक्टर का अगला पहिया उनके ऊपर से गुजर गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

रील बनाने के चक्कर में मालगाड़ी से कटा युवक

कुशीनगर, अमृत विचार : खड्डा थाना क्षेत्र के पनियहवा रेल पुल पर बिहार जा रही मालगाड़ी से कटकर युवक की मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसार गोरखपुर-नरकटियागंज रेलखंड के पनियहवा रेलवे स्टेशन से आगे गंडक नदी के ऊपर बने पुल पर शुक्रवार की शाम एक युवक मालगाड़ी की चपेट में आ गया और ट्रेन में फंसकर कुछ दूर तक घसीटते हुए चला गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। युवक की मौत के बाद मौजूद लोगों में यह चर्चा होने लगी कि पुल पर दो युवक रील बना रहे थे, उनमें से एक ने ट्रेन आते देख किसी तरह भागकर जान बचाई, जबकि एक चपेट में आ गया और पहिए से कटकर उसकी मौत हो गई। सूचना पर मौके पर आई खडडा थाना क्षेत्र के सालिकपुर चौकी की पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। खड्डा थाना के थानाध्यक्ष ने बताया कि युवक का शव बरामद किया गया है जिसकी पहचान नहीं हो पाई है।

रेल मंत्री ने किया वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का निरीक्षण

नई दिल्ली, अमृत विचार। रेल, सूचना एवं प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का निरीक्षण करने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने स्लीपर कोचों का बारीकी से निरीक्षण किया, जिसमें बैठने और सोने की व्यवस्था, आधुनिक इंटीरियर, सुरक्षा सुविधाएँ और यात्री सुविधा प्रणालियाँ शामिल थीं। यात्री सुरक्षा और ट्रेन में उपलब्ध सुविधाओं पर विशेष जोर दिया गया है। इस ट्रेन में स्वचालित दरवाजे, कवच सुरक्षा प्रणाली, उन्नत अग्नि सुरक्षा तंत्र, कीटाणुनाशक तकनीक और सभी डिब्बों में सीसीटीवी निगरानी जैसी सुविधाएं मौजूद हैं।

चार बाइकों को लगाई आग घटना की जांच में जुटी पुलिस

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। नगर पालिका सिद्धार्थनगर क्षेत्र के एपीजे अब्दुल कलाम आजाद मोहल्ले में शुक्रवार देर रात अज्ञात व्यक्ति ने चार मोटरसाइकिलों में आग लगा दी। यह घटना देर रात हुई, जिससे मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। वहीं इस घटना में सुनील साहनी की दो मोटरसाइकिलें पूरी तरह जलकर राख हो गईं। बताया गया है कि इनमें से एक बाइक दो महीने पहले ही खरीदी गई थी। इसके बाद आरोपी ने संजना के घर के बाहर खड़ी दो बाइकों में भी आग लगा दी। हालांकि घर के लोगों और पड़ोसियों की जागरूकता के कारण समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। इससे संजना की मोटरसाइकिलें पूरी तरह जलने से बच गईं, लेकिन एक मोटरसाइकिल की सीट आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद मोहल्ले में दहशत का माहौल है। लोगों ने रात्रि सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं। सिद्धार्थनगर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक दुर्गा प्रसाद ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। फिलहाल इस मामले में कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस अपने स्तर पर मामले की जांच कर रही है और आरोपी की पहचान के लिए आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

CHAMBAL FERTILISERS AND CHEMICALS LIMITED

BOLERO FOR SALE

Sealed Quotations Are Invited For Sale of One
Mahindra Bolero BS-VI
Reg No-UP-32-MD-8339 (Model 2021)

"as is Where is Basis"
All Expenses Related To Transfer of Ownership/Registration Of Vehicle Will Be On Buyers Account.
Applicable GST/Taxes Will Be Extra On Quoted Rates.
The Quotation Should Be Sent To

DGM
CHAMBAL FERTILISERS AND CHEMICALS LIMITED
5th floor, Unit No-511, Urbanac Business Park, A-1 Vibhuti khand, Gomti nagar, Lucknow -226010,
Lucknow Latest By 11.01.2026
Super-scribing on The Envelope
"QUOTATION FOR SALE OF OLD VEHICLE
Contact Number: 0522-4060905

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/कार्य, वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक यांत्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिये आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। **क्रम सं0:** 1, **ई-निविदा सूचना सं0 एवं निविदा कार्य का विवरण:** टेण्डर नं.- "43-जीकेपी-एमडब्लूएस-2025-26" "रिपेयरिंग एंड ट्रिमिंग एक्टिविटीज ऑफ सीट्स, बर्थ्स एंड बैकरेस्ट कुशनस फॉर 24 मन्थस इन एसी ट्रिमिंग शॉप", **अनुमानित लागत (रू0 में):** 4526508.00, **धरोहर राशि (रू0 में):** 90500.00, **निविदा समापन की तिथि एवं अवधिः** 11.00 बजे 27.01.2026, **निविदा प्रपत्र का मूल्यः** रु0 शून्य, **संविदा की अवधिः** 24 माह, उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट संख्या **http://www.ireps.gov.in** पर देखे।

उप मुख्य यांत्रिक इंजी./कार्य, यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर
मुजाधि/यांत्रिक-118
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कुछ मेला विशेष गाड़ियों को निरस्त करने का निर्णय

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा अपरिहार्य कारणों से निम्नलिखित तिथियों में चलने वाली कुछ मेला विशेष गाड़ियों को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। 03, 04 एवं 05 जनवरी को चलने वाली 05107 बढ़नी-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी निरस्त कर दिया गया है। बनारस से 04, 05 एवं 06 जनवरी को चलने वाली 05109 बनारस-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। प्रयागराज रामबाग से 04, 05 एवं 06 जनवरी को चलने वाली 05110 प्रयागराज रामबाग-बनारस मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। छपरा से 04 जनवरी, 2026 को चलने वाली 05113 छपरा-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। प्रयागराज रामबाग से 04, 05 एवं 06 जनवरी को चलने वाली 05108 प्रयागराज रामबाग-बढ़नी मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। प्रयागराज रामबाग से 04 जनवरी को चलने वाली 05114 प्रयागराज रामबाग-छपरा मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। झूसी से 04 एवं 05 जनवरी को चलने वाली 05104 झूसी-बनारस मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। बनारस से 04 एवं 05 जनवरी, 2026 को चलने वाली 05103 बनारस-झूसी मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। झूसी से 04 जनवरी, 2026 को चलने वाली 05112 झूसी-गोरखपुर मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। गोरखपुर से 05 जनवरी को चलने वाली 05111 गोरखपुर-झूसी मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

सम्मेलन हिन्दू सम्मेलन में समाज को एकजुट करने का दिया सन्देश

हिन्दू समाज की शक्ति एकता व अनुशासन में है

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। तहसील बांसी अन्तर्गत ग्राम पंचायत छितही स्थित श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में शनिवार को हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और हिन्दू समाज के लोगों ने भाग लिया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिन्दू समाज को संगठित करना, सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण करना और राष्ट्रहित में एकजुट होकर कार्य करने का सन्देश देना था। वहीं सम्मेलन के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े अवनीश रहे। अवनीश ने कहा कि हिन्दू समाज की शक्ति उसकी एकता और अनुशासन में निहित है। युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने, सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और भारतीय संस्कृति व परम्पराओं को संरक्षित करने का आह्वान किया। अवनीश ने जोर देकर कहा कि एक संगठित समाज ही देश को मजबूत बना सकता है। विधानसभा बांसी विधायक व पूर्व स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह भी सम्मेलन में उपस्थित रहे। कहा कि हिन्दू समाज सदैव राष्ट्र की रीढ़ रहा है। उन्होंने आपसी भेदभाव भुलाकर समाज हित और राष्ट्रहित के लिए कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। जय प्रताप सिंह ने क्षेत्र के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता पर भी अपने विचार साझा किये। कार्यक्रम के दौरान मंच पर अतिथियों का सम्मान किया गया। धार्मिक नारों और जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। भारत माता की जय, हिन्दू एकता जिन्दाबाद और जय श्रीराम जैसे उद्घोष लगाये गये।

हिन्दू सम्मेलन को संबोधित करते अतिथि व मौजूद लोग। अमृत विचार

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
17वाँ0 (वि0/याँ0) वृत्त लो0नि0वि0
96 महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ

पत्रांक:- 2996/7(i)CBW-17E/M/2025-26 दिनांकः 31/12/2025

ई-निविदा सूचना

राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, 17वाँ0 (वि0/याँ0) वृत्त लो0नि0वि0, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु प्रतिशत दर के आधार पर ऑनलाईन निविदा https://etender.up.nic.in के माध्यम से दिनांक 06/01/2026 से दिनांक 28/01/2026 दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदाओं की टेक्निकल बिड दिनांक 28/01/2026 अपरान्ह 12:30 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने की अथवा छुट्टी होने की दशा में टेक्निकल बिड अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र. स.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र मूल्य (रू0 में)	निविदा की पात्रता
1	2	3	4	5	6	7
1	मा0 उच्च न्यायालय, लखनऊ खण्डपीठ लखनऊ के पुराना परिसर स्थित रेलवे दावा अधिकरण के कोर्ट संख्या 14,15 एवं 16 में पुनः विद्युतीकरण का कार्य।	18.26 + GST Extra	01.83	04 Months	854.00	लो0नि0वि0 में विद्युत कार्यो हेतु 'ए' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार जिनके पास समान कार्य का अनुभव प्राप्त हो।
2	मा0 उच्च न्यायालय, लखनऊ खण्डपीठ लखनऊ के पुराना परिसर स्थित रेलवे दावा अधिकरण के कोर्ट संख्या 14,15 एवं 16 में पुनः विद्युतीकरण का कार्य (लिफ्ट का कार्य)।	13.04 + GST Extra	01.31	04 Months	766.00	लो0नि0वि0 में विद्युत कार्यो हेतु 'ए' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार जिनके पास समान कार्य का अनुभव प्राप्त हो।

शासनादेश संख्या 1/2018/3070/78-2-2018/42आई0टी0/2017(22) दिनांक 03/01/2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने है। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।

निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है।

निविदाओं से सम्बन्धित नियम/शर्ते तथा विवरण वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(पारितोष सिंह) कार्य अधीक्षक अ0वि0नि0ई0 (वि0/याँ0) लो0नि0वि0 लखनऊ

(आर.एम.श्रीवास्तव) अधीक्षण अभियन्ता 17वाँ0 (वि0/याँ0) वृत्त लो0नि0वि0 लखनऊ

UP - 243484 दिनांकः 02/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
पहले मेरा नाम RANDHEER SINGH था अब मैने बदलकर अपना नाम RANDHIR SINGH रख लिया है भविष्य में मुझे RANDHIR SINGH के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O-DEENANATH SINGH R/O-MAKRANDPUR MAHUAPAR, GORAKHPUR

सूचना
पहले मेरा नाम AASHISH YADAV था अब मैने बदलकर अपना नाम ASHISH YADAV रख लिया है भविष्य में मुझे ASHISH YADAV के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- MOHAN LAL YADAV R/O- 410/44, NAI BADA POST CHOWK THANA SAADATGANJ, LUCKNOW

सूचना
मैं शोभित चौधरी पुत्र श्री राजकुमार चौधरी, निवासी-180A, विष्णुलोक कालोनी, मानसनगर, लखनऊ, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मेरा सही नाम SHOBHIT CHAUDHARY है किन्तु ड्राईविंग लाइसेंस पर त्रुटिवश SHOBHIT CHAUDHRI S/O RAJ KUMAR अंकित हो गया है, अतः मुझे SHOBHIT CHAUDHARY S/O RAJ KUMAR CHAUDHARY के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना
मैने अपना नाम SADIA SHAIKH से बदलकर SADIA ASADULLAH SHAIKH रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-ZOHEB ARSHAD ADD-278/006 BHADEWA, NAI BASTI, DIST-LUCKNOW-226004(U.P.)

सूचना
सूचित हो कि मेरी हाइस्कूल की मार्कशीट जिसका अनुक्रमाक 5256764 वर्ष 2008 व इंटरमीडिएट की मार्कशीट जिसका अनुमांक 5745151 वर्ष 2010 है वास्तव मे कही खो गई है। कुंवर विजेयन्द्र सिंह चन्देल निः M-680, आशियाना कालोनी लखनऊ मो0-7007401581

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं ताजुद्दीन कमालुद्दीन शाह पुत्र कमालुद्दीन, निवासी ग्राम नरायनपुर पूरबडीह, पोस्ट धौरहरा, थाना गैंड़ास बुजुर्ग, तहसील उतरौला, जनपद बलरामपुर (उ.प्र.) का निवासी हूँ। पूर्व में मेरे पासपोर्ट जिसका नंबर एन 4591018 में मेरा नाम मोहम्मद ताजुद्दीन अंकित था, जबकि आधार कार्ड में मेरा सही नाम ताजुद्दीन कमालुद्दीन शाह, पुत्र कमालुद्दीन दर्ज है, जो सत्य एवं मान्य है। भविष्य में मेरे सभी अभिलेखों में यही नाम मान्य माना जाए।

सूचना
मैं, अमन रावत (AMAN RAWAT) पुत्र परशुराम (PARSHURAM), निवासी रहीमाबाद, बिजनौर, लखनऊ, पिन कोड - 226002, मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम अमित कुमार अंकित है जबकि मेरे सभी शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम अमन रावत (AMAN RAWAT) अंकित है अब मैंने अपना नाम बदलकर Aman Rawat रख लिया है जो मेरे मार्कशीट में अंकित है। भविष्य में मैं सभी दस्तावेजों, कामों और सरकारी अभिलेखों में अमन रावत (Aman Rawat) नाम से ही जाना और पहचाना जाऊँगा।

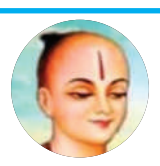

तुलसी मीठे बचन ते, सुख उपजत चहुं ओर।
बसीकरन इक मंत्र है,परिहरू बचन कठोर।।

संत तुलसीदास कहते हैं, मीठे बोल से हम सब तरफ सुख फैला सकते हैं। किसी को भी वश में करने के लिए मिठास भरे शब्द मंत्र सरीखे होते हैं, इसलिए इंसान को चाहिए कि कठोर बातें छोड़कर मीठा बोलने की कोशिश करे और अनजानों को भी अपना बना लें।

भारतीयों की रुचि पर्यटन के बजाय तीर्थाटन में निहित

> भारत का मन उत्सवी है। भारतीयों की रुचि पर्यटन के बजाय तीर्थाटन में रही है। पर्यटन और तीर्थाटन में मूलभूत अंतर है। पर्यटन में अच्छा खाना, अच्छे होटल और अच्छी सुख-सुविधाएं जरूरी होती हैं, लेकिन तीर्थाटन में इन कारकों की महत्वपूर्ण आवश्यकता नहीं होती। तीर्थाटन में प्राय : किसी ऐसी जगह पर जाते हैं, जहां नदियां आपस में मिलती हैं। जहां प्रकृति खिलती है, जहां किसी न किसी देवता के दर्शन की अभिलाषा रहती है। प्रयागराज इसका जीवंत उदाहरण है।

भारतीय संस्कृति उत्सवधर्मा है। यहां बारहों महीने उत्सव चलते हैं। 6 ऋतुएं हैं। प्रत्येक ऋतु के अपने उत्सव हैं। वर्षा और बसंत प्रकृति प्रायोजित उत्सव हैं। शिशिर और हेमंत का क्या कहना। होली सनातन उल्लास है। व्यक्ति की तरह समाज और राष्ट्र की भी ऊर्जा होती है। जैसे मनुष्य अपने शरीर को स्वस्थ रखने का प्रयास करते हैं, वैसे ही समाज और राष्ट्र को स्वस्थ रखने के प्रयास जरूरी हैं और यह प्रयास संस्कृतिधर्मा लोगों द्वारा किया जाता रहता है। उत्स का अर्थ होता है मूल। उत्सव का अर्थ है देश के मूल से जुड़ी सामाजिक सक्रियता।

संस्कृति मनुष्य की रचना है। संस्कृति का निर्माण सतत् प्रवाही प्रक्रिया है। भारत के मन की संस्कारमय संस्कृति प्राचीन ज्ञान परंपरा में निहित है। भारत की संस्कृति का जन्म और विकास ज्ञान व दर्शन की परंपरा से हुआ है। भारतीय दर्शन में बुध और जैन को मिलाकर आठ दार्शनिक धाराएं हैं। भारत के राष्ट्र जीवन के सभी धाराओं ने प्रभावित किया है। कपिल का सांख्य दर्शन अनीश्वरवादी माना जाता है। बुद्ध व जैन दर्शन भी ईश्वर की सत्ता को स्वीकार नहीं करते। अद्वैत वेदांत का प्रभाव काफी बड़ा है। अद्वैत की धारा शंकराचार्य के पहले से थी, लेकिन शंकराचार्य ने उपनिषदों, गीता और ब्रह्मसूत्र के तत्वों के आधार पर ब्रह्म को सत्य और जगत को मिथ्या कहा है। वे घर बैठ तर्क का आनंद उठाने वाले कार्यकर्ता नहीं थे।

शंकराचार्य ने देश की एकता को देखते हुए चार धामों की घोषणा की। उन्होंने उत्तर में ऊंचे पहाड़ों पर बद्रीनाथ धाम की स्थापना की और पश्चिम में द्वारका की। पूरब में जगन्नाथ पुरी की और दक्षिण में रामेश्वरम् की। चारों स्थान पहले बहुत प्रतिष्ठित नहीं थे, लेकिन शंकर की घोषणा के बाद वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हो गए। भारत का मन उत्सवी है। भारतीयों की रुचि पर्यटन के बजाय तीर्थाटन में रही है। पर्यटन और तीर्थाटन में मूलभूत अंतर है। पर्यटन में अच्छा खाना, अच्छे होटल और अच्छी सुख-सुविधाएं जरूरी होती हैं, लेकिन तीर्थाटन में इन कारकों की महत्वपूर्ण आवश्यकता नहीं होती। तीर्थाटन में प्रायः किसी ऐसी जगह पर जाते हैं, जहां नदियां आपस में मिलती हैं। जहां प्रकृति खिलती है, जहां किसी न किसी देवता के दर्शन की अभिलाषा रहती है। प्रयागराज इसका जीवंत उदाहरण है।

ऋषिकेश की गगनचुंभी पहाड़ियों के दरश परश से मन संगीतमय हो जाता है। ऋग्वेद में नदियों से पार उतरने के लिए उथले स्थल को तीर्थ बताया गया है। जहां से हम आसानी से नदी पार कर सकते हैं। उपासना परंपरा में किसी देवता के नाम से चले आ रहे पुण्य स्थान तीर्थ कहलाते हैं। कुंभ (प्रयागराज) में सारी दुनिया के लोग आते हैं। करोड़ों लोगों का यह एकत्रीकरण गंगा, जमुना व सरस्वती का संगम बनता है।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

प्रयागराज दुनिया का आकर्षण है। ऐसे ही हरिद्वार, रामेश्वरम्, तिरुपति, कांचीपुरम् आदि अनेक स्थलों पर तीर्थ यात्री भूखे-प्यासे चले जाते हैं। अयोध्या, मथुरा, काशी ऐतिहासिक तीर्थ हैं। काशी में शिव दर्शन के लिए लाखों लोग आते हैं। वैसे भारतीय दर्शन में तीर्थाटन की तुलना में दर्शन को ज्यादा श्रेष्ठ बताया गया है। शंकराचार्य ने एकमात्र ब्रह्म की सत्ता को सत्य मानते हुए कर्मकांड को भी उचित बताया है। उन्होंने काशी के प्रवास में अपना दर्शन सबको बताया था। ब्रह्म को एकमात्र सत्य और संसार को मिथ्या बताने वाले आचार्य शंकर के दर्शन ने परवर्ती संतों का ध्यान भी आकर्षित किया था। शंकराचार्य जगत् को मिथ्या बताते थे।

भारत स्वयं में एक तीर्थ है। सारी दुनिया को परिवार बताने वाला यह राष्ट्र शंकराचार्य जैसे दार्शनिकों की जन्मस्थली और कर्मस्थली है। आवागमन के साधन बढ़े हैं। शंकराचार्य के समय न साइकिल थी न रेल। आश्चर्य है कि आचार्य ने कैसे भारत भ्रमण किया होगा? अब आवागमन के व्रतगामी साधन बढ़े हैं। हजारों किलोमीटर की दूरी अल्प समय में तय की जा सकती है। आधुनिक सभ्यता के दबाव में देश के लोगों का एक वर्ग तनाव में रहता है। वह तीर्थाटन का मजा नहीं लेता। पर्यटन को महत्व देता है।

पर्यटन से मानसिक शांति नहीं मिलती। तीर्थाटन से लौटे परिवार आनंद से भरे-पूरे दिखाई पड़ते हैं। भारत राष्ट्र जीवन के सभी क्षेत्रों में आत्मविश्वास से भरा पूरा है। पर्यटन उद्योग बन गया है। पर्यटन की दृष्टि से महात्मा गांधी के जन्म और कर्म स्थान साबरमती जाना अपने आप में जीवंत अनुभव है। सरदार पटेल की प्रतिमा केवड़िया, गुजरात में दर्शनीय है। डॉक्टर आंबेडकर के दिल्ली सहित कई स्थानों पर बने स्मारक दर्शनीय हैं। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राष्ट्रीय प्रेरणास्थल भी दर्शनीय है।

यज्ञ में काफी धन लगता था, इसलिए पुण्य प्राप्त करने के लिए यज्ञ का विकल्प तीर्थ यात्रा बताया गया है। महाभारत वन पर्व के 42वें अध्याय में यज्ञ के विकल्प की चर्चा की गई है। पुलस्त्य भीष्म से कहते हैं, 'ऋषियों के अनुसार यज्ञ करने से इस लोक और परलोक में फल मिलता है।' परंतु गरीब मनुष्य यज्ञों का अनुष्ठान नहीं कर सकते। उनके पास साधन नहीं होते, इसलिए जो साधनहीन हैं, वे तीर्थ यात्रा कर सकते हैं। तीर्थ यात्रा को यज्ञ के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करते हुए कहते हैं, 'मनुष्य तीर्थ यात्रा से जो फल पाता है, वह बड़े से बड़े यज्ञों से नहीं मिलता।'

महाभारत के रचनाकाल में ज्यादातर तीर्थ कुरुक्षेत्र के आसपास थे। पुष्कर तीर्थ का महत्व बताते हुए कहते हैं, 'पुष्कर में दस सहस्त्र कोटि तीर्थ का निवास रहता है।' यहां पुष्कर तीर्थ का महत्व बताने कि लिए दस खरब तीर्थों की उपस्थिति बताई गई है। बताते हैं कि पुष्कर में ब्रह्मा जी नित्य निवास करते हैं। यहां स्नान करने से अश्वमेघ यज्ञ का दस गुना फल मिलता है। पुष्कर तीर्थ ब्रह्मा से जुड़ा हुआ है।

महाकाल (उज्जैन) में शिव के दर्शन से हजार गोदान का फल मिलता है। ऐसी बहुत सी नदियां हैं, जिनमें स्नान करने से यज्ञ के फल मिलते हैं। नर्मदा सहित अनेक नदियों में स्नान से यज्ञों के फल मिलते हैं। महाभारत के रचनाकाल में सरस्वती पर्याप्त जल से भरी हुई दिखाई पड़ती हैं। ये बाद में सूखीं। सिंधु और सागर के मिलन स्थल पर स्नान करने से वरुण लोक मिलता है। सरस्वती ऋग्वेद के ऋषियों की प्रिय नदीतमा हैं। पुलस्त्य कहते हैं कि वायु द्वारा उड़ा कर लाई गई कुरुक्षेत्र की धूल से मनुष्य को परम गति मिल जाती है। जो यहां नहीं रहते कुरुक्षेत्र जाने की इच्छा करें। तीर्थ की प्रशंसा मजेदार है। बताते हैं, भूमंडल के निवासियों के लिए नैमिष, अंतरिक्ष निवासियों के लिए पुष्कर और तीनों लोकों के निवासियों के लिए कुरुक्षेत्र तीर्थ है।

देवी उपासना भारत में वैदिक काल से स्पष्ट दिखाई देती है। ऋग्वेद में जल माताएं हैं। वन देवी हैं। उत्तर प्रदेश का विंध्याचल देवी उपासना का महत्वपूर्ण केन्द्र है। मध्य प्रदेश का दतिया और असम के गुवाहाटी में कामाख्या देवी के दर्शनार्थ पूरे देश से श्रद्धालु आते हैं। तीर्थाटन से मिलने वाले लाभ व हानि पर आग्रही बहस चलना जरूरी नहीं है। मुख्य बात है देश के एक कोने से दूसरे कोने तक भारत भक्तों का आवागमन। शंकराचार्य ने इसीलिए चारों धामों की स्थापना की थी। प्रत्येक तीर्थ के साथ अविश्वसनीय कथाएं चलती हैं। इन्हें बड़े सरल ढंग से अंधविश्वास कहा जा सकता है, लेकिन पर्यटन का विकल्प तीर्थाटन ही है।

मशीन बनते कर्मचारी और उनकी मुश्किलें

इंटरनेट युग ने मनुष्य की जीवन शैली को 'हैक' कर के उन्हें मशीन बना दिया है। कोरोना काल में सुरक्षा के मद्देनजर सहूलियत के लिए वर्क फ्रॉम होम कल्चर की जब शुरुआत हुई, तो घर और कार्यालय के मध्य सूक्ष्म मानसिक और शारीरिक सीमाओं का अतिक्रमण हुआ। उसके पश्चात से सरकारी, निजी व बहुराष्ट्रीय प्रतिष्ठान में अब एक धारणा आम हो गई है कि आप 24 घंटे के नौकर हैं। हर समय घर में कार्य अवधि के पश्चात या अवकाश में यदि आपको ऑफिस से कॉल या मेल आता है, तो आपकी त्वरित प्रतिक्रिया अपेक्षित है, जिससे कई बार व्यक्ति सुकून भरे अवकाश के क्षणों में भी तनाव, चिंता और मानसिक थकान का अनुभव करता है। कई बार ऐसा होता है कि कर्मचारी अवकाश में होता है, लेकिन मानसिक रूप से वह कार्यालय संबंधी काम की चिंता में होता है।

बीना नयाल
शिक्षिका

इसी तनाव के चलते कार्यस्थल पर होने वाली मौतों और दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ती जा रही है। पिछले वर्ष पुणे की चार्टर्ड अकाउंटेंट एना सेबस्टियन की काम के दबाव के कारण मौत हो गई थी, जिसका मुख्य कारण काम व निजी जिंदगी में उचित प्रबंधन न कर पाना बताया गया। स्वतंत्रतोत्तर भारत में संविधान निर्माण के दौरान जो छह मौलिक अधिकार प्रदान किए गए, वह उस दौर की मांग थी, जो आज परिपक्व हो चुके हैं। राइट टू डिस्कनेक्ट वर्तमान समय की मांग है।

> निजी और खास तौर से बहुराष्ट्रीय कंपनियों में अब एक धारणा आम हो गई है कि आप 24 घंटे के नौकर हैं। कार्य अवधि के पश्चात घर में या अवकाश में यदि आपको ऑफिस से कॉल या मेल आता है, तो आपकी त्वरित प्रतिक्रिया अपेक्षित है। यह बातें जीवन में तनाव पैदा करती हैं।

आवश्यकतानुसार तकनीक से डिस्कनेक्ट होकर हम अपने पर्सनल स्पेस को सुकून से जी सकते हैं और वास्तविक दुनिया में अपने परिवार, दोस्तों व प्रकृति से कनेक्ट हो सकते हैं, क्योंकि राइट टू डिस्कनेक्ट विधेयक हमें न केवल कार्य के पश्चात मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट सदैव हाथ में रखने की अनिवार्यता को समाप्त कर जरूरी सूचनाओं के मस्तिष्क में अवशोषण व सोशल मीडिया में घुमक्कड़ी पर भी युक्ति संगत प्रतिबंध लगाएगा। इस बिल की वर्तमान समय में भारत के लिए प्रासंगिकता और भी अधिक इसलिए बढ़ जाती है, क्योंकि फ्रांस, पुर्तगाल, फिनलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित राष्ट्र पहले से ही इस अधिकार को अपने देश में लागू कर चुके हैं। साथ ही देश में ईमानदार, निष्ठावान और समर्पित कार्यशैली का भी होना आवश्यक है, जहां कर्मचारी आवंटित कार्य को नियत समय सीमा में पूरा करें, जिससे न संस्थान के सुचारु संचालन में दिक्कत हो और न ही कर्मचारियों का पर्सनल स्पेस बाधित हो।

अधिकारियों में भी यह संस्कृति विकसित की जानी चाहिए कि पर्सनल संबंध और प्रोफेशनल संबंधों को अलग रखें। पर्सनल संबंध खराब होने पर कर्मचारियों को कार्य संबंधित तनाव और दबाव न दें और आवंटन में पारदर्शिता, निष्पक्षता और समान अवसरों को बनाए रखें। कर्मचारियों की खुशहाल जिंदगी, बेहतर मानसिक और शारीरिक स्थिति कार्य स्थल में उनकी दक्षता व गुणवत्ता में वृद्धि कर उनके बेहतर निष्पादन की राह सुनिश्चित करनी चाहिए।

समुद्र की गहराइयों में नारी शक्ति की गूंज

पिछले दिनों जब भारत की सर्वोच्च कमांडर और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय नौसेना की अत्याधुनिक पनडुब्बी 'आईएनएस वाघशीर' पर सवार होकर समुद्र की गहराइयों में प्रवेश किया, वह क्षण भारत के सैन्य इतिहास में एक प्रतीकात्मक मील का पत्थर बन गया। उनकी यह यात्रा केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं थी, बल्कि यह भारत की समुद्री शक्ति, रक्षा आत्मनिर्भरता, महिला नेतृत्व और हिंद महासागर क्षेत्र में देश की निर्णायक भूमिका का सशक्त प्रदर्शन थी। राष्ट्रपति मुर्मू न केवल भारत की पहली महिला राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने पनडुब्बी यात्रा की बल्कि इसका गहरा प्रतीकात्मक अर्थ यह है कि भारत अब तकनीकी, रणनीतिक और नेतृत्व, तीनों स्तरों पर नया आत्मविश्वास अर्जित कर चुका है।

योगेश गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

लगभग 19 वर्ष पहले फरवरी 2006 में भारत के राष्ट्रपति 'मिसाइल मैन' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने आईएनएस सिंधु रक्षक में समुद्री यात्रा की थी। तब से लेकर अब तक भारत का रक्षा परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। जो राष्ट्र तब विदेशी प्रणालियों पर निर्भर था, वह आज आत्मनिर्भरता और उन्नत तकनीकी क्षमता के साथ समुद्र की गहराइयों में अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मू की यह यात्रा इस ऐतिहासिक निरंतरता को नया आयाम देती है। यह केवल एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं, बल्कि भारतीय राष्ट्रपति की एक सक्रिय, संलग्न और रणनीतिक भूमिका का प्रतीक है, जहां सर्वोच्च नेतृत्व स्वयं उन चुनौतियों और अवसरों को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करता है, जिनसे हमारे सशस्त्र बल प्रतिदिन जूझते हैं।

'आईएनएस वाघशीर' प्रोजेक्ट-75 स्कॉर्पीन कार्यक्रम की छठी और अंतिम पनडुब्बी है, जो भारतीय नौसेना में जनवरी 2025 में शामिल हुई थी। इसका निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने फ्रांस की कंपनी 'नेवल ग्रुप' के तकनीकी सहयोग से किया। यह सहयोग अब केवल तकनीक हस्तांतरण का मॉडल नहीं रहा, बल्कि 'मेक इन इंडिया' की वास्तविक सफलता का उदाहरण बन चुका है। भारत आज न केवल जटिल नौसेना प्रणालियों को जोड़ने में सक्षम है, बल्कि उनमें नवाचार करने की दिशा में भी अग्रसर है। तकनीकी रूप से वाघशीर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों में गिनी जाती है। लगभग 67 मीटर लंबी और 1,565 टन वजनी यह पनडुब्बी 350 मीटर तक गोता लगाने और पानी के नीचे 37 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने में सक्षम है।

आईएनएस वाघशीर का उन्नत स्टील्थ डिजाइन इसे दुश्मन के सोनार और रडार से लगभग अदृश्य बनाता है। वायर-गाइडेड टॉरपीडो और एंटी-शिप मिसाइलें इसे दुश्मन के किसी भी युद्धपोत को ध्वस्त करने की क्षमता देती हैं। उच्च-संवेदनशील सोनार और रडार प्रणालियां इस पनडुब्बी को खुफिया जानकारी, निगरानी और विशेष अभियानों के लिए आदर्श प्लेटफॉर्म बनाती हैं। 50 दिनों तक समुद्र में तैनाती की क्षमता से यह लंबी अवधि के मिशन संचालित कर सकती है।

मौत का पानी व जवाबदेही की सूखी टोटियां

देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा पाने वाला इंदौर आज एक ऐसे सवाल के सामने खड़ा है, जो किसी एक गली, एक कॉलोनी या एक हादसे तक सीमित नहीं है। भागीरथपुरा और आसपास के इलाकों में दूषित पानी पीने से अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं है, यह 14 घरों में पसरे सन्नाटे की गिनती है, 14 चिताओं की राख है और सैकड़ों बीमार शरीरों की कराह है। जिन शहरों को हम विकास, स्वच्छता और आधुनिक व्यवस्था का मॉडल बताते नहीं थकते, वहीं अगर नल से ज़हर बहने लगे, तो यह व्यवस्था की सबसे बड़ी विफलता नहीं तो और क्या है!

> इंदौर में दूषित पानी पीने से अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। यह कोई अचानक आया तूफान नहीं था। यह मौतें धीरे-धीरे आईं, चेतावनी देती रहीं, शिकायतों की शक्ल में दस्तक देती रहीं, लेकिन जलदाय विभाग और जिम्मेदार तंत्र ने उन्हें सुना ही नहीं।

भागीरथपुरा की संकरी गलियों में बीते कई दिनों से मातम पसरा है। अरविंद, उम्र 43 वर्ष, कुलकर्णी भट्टा निवासी, इस त्रासदी का 14वां शिकार बना। उससे पहले 21 से 31 दिसंबर के बीच 13 जिंदगियां बुझ चुकी थीं। यह कोई अचानक आया तूफान नहीं था। यह मौतें धीरे-धीरे आईं, चेतावनी देती रहीं, शिकायतों की शक्ल में दस्तक देती रहीं, लेकिन जलदाय विभाग और जिम्मेदार तंत्र ने उन्हें सुना ही नहीं। दो साल से लोग कह रहे थे कि नलों से बदबूदार, गंदा पानी आ रहा है। दो साल से बच्चे बीमार पड़ रहे थे। बुजुर्ग उल्टियां कर रहे थे। घरों में दवाइयों की बोतलें जमा हो रही थीं। अगर तब सुना जाता, तो शायद आज 14 चिताएं न जल रही होतीं।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

पानी जीवन है, यह वाक्य हम किताबों में पढ़ते हैं, लेकिन जब वही पानी मौत बन जाए, तो सवाल सीधे उस विभाग पर जाता है, जिसकी जिम्मेदारी लोगों तक सुरक्षित जल पहुंचाने की है। जलदाय विभाग की पाइप लाइनों में लीकेज था, यह बात अब सरकारी रिपोर्ट भी मान चुकी है। सीएमएचओ की जांच रिपोर्ट ने साफ कर दिया कि पाइपलाइन में रिसाव के कारण पानी दूषित हुआ और उसी पानी को पीने से लोग बीमार पड़े और मरे। सांसद ने भी स्वीकार किया कि पानी के सैंपल में जानलेवा बैक्टीरिया मिले हैं, लेकिन यह स्वीकारोक्ति तब आई, जब कई घर उजड़ चुके थे। क्या किसी विभाग की जिम्मेदारी सिर्फ रिपोर्ट आने के बाद बयान देना है, या समय रहते खतरे को रोकना भी उसका दायित्व है?

स्वास्थ्य विभाग ने करीब आठ हजार घरों का सर्वे किया, ढाई हजार से ज्यादा लोग संक्रमित या संदिग्ध पाए गए, सैकड़ों अस्पताल में भर्ती हुए। यह संख्या बताती है कि समस्या कितनी व्यापक थी। फिर भी जलदाय विभाग की तरफ से न समय पर सप्लाई रोकी गई, न वैकल्पिक व्यवस्था की गई, न ही बड़े स्तर पर चेतावनी जारी की गई। जिन नलों से पानी आता है, वही नल मौत का फंदा बन गए और लोग मजबूरी में वही पानी पीते रहे, जिनके पास बोतलबंद पानी खरीदने की हैसियत नहीं थी, उनके लिए इससे ज्यादा कठिनाई और क्या हो सकती थी?

जब मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भागीरथपुरा पहुंचे और मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये के चेक देने की कोशिश की गई, तो वह दृश्य अपने आप में व्यवस्था के प्रति लोगों के गुस्से का आईना था। परिजनों ने चेक लेने से मना कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि उन्हें पैसे नहीं चाहिए, उन्हें जवाब चाहिए। महिलाओं ने मंत्री को घेरकर कहा कि दो साल से शिकायत कर रहे थे, अगर तब सुन लिया गया होता तो आज इतने लोग नहीं मरते। यह कोई राजनीतिक विरोध नहीं था, यह एक मां, एक पत्नी, एक बहन की पीड़ा थी, जिसे चेक से नहीं खरीदा जा सकता।

मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों के बयान इस त्रासदी में और नमक छिड़कते नजर आए। कहीं कहा गया कि जांच होगी, कहीं कहा गया कि जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी, कहीं यह बताया गया कि आंकड़े जल्द जारी किए जाएंगे। सवाल यह है कि जब लोग मर रहे थे, तब ये बयान कहां थे? जब बदबूदार पानी की शिकायतें दर्ज हो रही थीं, तब जलदाय विभाग की मशीनरी क्यों नहीं जागी? क्या हर हादसे के बाद यही रटी-रटाई पंक्तियां सुनना ही जनता की नियति है? इंदौर की यह घटना सिर्फ एक शहर की कहानी नहीं है। यह उस पूरे देश का आईना है, जहां आजादी के इतने वर्षों बाद भी साफ पानी की गारंटी नहीं दी जा सकी। शहरों में स्मार्ट सिटी की बातें होती हैं, करोड़ों की परियोजनाएं गिनाई जाती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि गरीब और मध्यम वर्ग आज भी नल खोलते वक्त डरता है कि पता नहीं आज पानी आएगा भी या नहीं और अगर आएगा तो कैसा आएगा। भागीरथपुरा के लोग आज यही डर जी रहे हैं। पानी की सप्लाई कोई विलासिता नहीं, बल्कि मूलभूत अधिकार है।

जरूरी है कि मन की पांचों ज्ञानेंद्रियों पर नियुक्त रहे 'पहरेदार'

धनाढ्य घरों एवं कॉलोनियों की सुरक्षा के लिए पहरेदार रखे जाते हैं, जो रात भर जागते हैं तथा चोर-डाकुओं से घर की रक्षा करते हैं। ये पहरेदार लोगों को सजग करते हुए 'जागते रहो' की आवाज़ तथा सीटी बजाते रहते हैं। पहरेदार के 'जागते रहो' की आवाज़ और सीटी बजाने का आशय यह है कि घर तथा कॉलोनी के लोगों को यह एहसास होता रहे कि चौकीदार खुद जाग रहा है तथा सजग स्थिति में है, न कि खुद सो गया है।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

यही स्थिति निजी जीवन की है। घर का मतलब आंतरिक जगत से है, जहां घर का मालिक मन रहता है। मन के पास ही बहुमूल्य संपदा होती है। मन बादशाह की तरह है, तो जीवन में बादशाहियत झलकती है, जबकि यदि मन में बुरी आदतें हैं, तो वह भी बाहरी दुनिया में झलक कर रहेगी ही, क्योंकि मन के अनुसार व्यक्ति आचरण करता है। अब सवाल उठता है कि मन उत्कृष्ट भाव में रहे तो सर्वप्रथम यह समझना आवश्यक है कि मन जिन पांच ज्ञानेंद्रियों से प्रभावित होता हैं, उसमें मुख (जिह्वा), नेत्र, कान, नासिका एवं त्वचा शामिल है।

मन को प्रभावित करने वाले इन पांचों द्वार की हिफाज़त के लिए इन द्वारों पर पहरेदार बैठाना जरूरी होता है, वरना मन तो क्षुद्र चीजों के लिए अधिक लालायित होता है। इन पांचों द्वारों के पहरेदार में मुख का पहरेदार है सात्विक भोजन, क्योंकि आहार की शुद्धता नहीं रहेगी तो मन में विकृतियां पैदा होती रहेंगी। मसलन शराब पीने वाले का मन हमेशा बहका-बहका रहेगा और उसका मन पर नियंत्रण नहीं रहेगा। इसी तरह अखाद्य वस्तुओं के खाने से स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। अस्वस्थ व्यक्ति सकारात्मक भाव-विचार का रहे, इसमें संशय है। मुख पर पहरेदार बैठाने पर आहार की शुद्धता के साथ शब्दों की भी शुद्धता रहेगी। अश्लील एवं अशोभनीय शब्द नहीं निकलेंगे।

नेत्र पर पहरेदार बैठाने से नेत्रों में भी अश्लीलता नहीं आएगी और नेत्र बाह्य जगत की सुंदरता एवं प्रकृति की भव्यता पर ही जाएगी। कान पर पहरेदार बैठाने से निंदा, चुगली और अशोभनीय शब्दों से परहेज होगा। नासिका पर पहरेदार बैठने से सुगंधित वातावरण में जीने की आदत पड़ेगी। त्वचा की स्पर्श की शुद्धता से घटियापन का भाव नहीं पैदा होगा। खुद के हाथ में है कि हम उन्नत अवस्था में रहें या निकृष्ट अवस्था में।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी और दक्षिण भारतीय भाषाएं

भारत विविध भाषाओं का देश है। हिंदी भारतीय संविधान की राजभाषा के रूप में स्वीकृत है और उत्तर भारत में व्यापक रूप से बोली जाती है, किंतु दक्षिण भारत में इसके प्रसार की प्रक्रिया एक लंबी और संघर्षपूर्ण यात्रा रही है। दक्षिण भारत में हिंदी का प्रसार केवल भाषाई प्रश्न नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और शिक्षा नीति से जुड़ा हुआ मुद्दा है, हालांकि यह प्रक्रिया भाषाई अस्मिता और राजनीतिक चुनौतियों से प्रभावित रही है, लेकिन भविष्य में शिक्षा, मीडिया, डिजिटल मंचों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से हिंदी का महत्व और बढ़ेगा।

द्रविड़ भाषा परिवार (Dravidian Language Family) का मुख्य केंद्र दक्षिण भारत है। यह क्षेत्र भाषाई विविधता और गहरी साहित्यिक परंपराओं का संगम है। दक्षिण भारत में मुख्य रूप से चार प्रमुख भाषाएं प्रचलन में हैं, जो अपने-अपने राज्यों की आधिकारिक भाषाएं हैं। राज्य स्तर पर इन भाषाओं का प्रचलन बहुत अधिक है, जो क्षेत्र की भाषाई पहचान को मजबूत करता है। केरल में मलयालम (96.69%) और तमिलनाडु में तमिल (86.89%) का क्षेत्रीय प्रभुत्व बहुत मजबूत है।

प्रो. मीना यादव
शिक्षाविद्

कर्नाटक में कन्नड़ मातृभाषा बोलने वालों का प्रतिशत लगभग 66.24% है, जो इसे भारत का एक महत्वपूर्ण बहुभाषी राज्य बनाता है, जहां उर्दू, तेलुगु और मराठी जैसी भाषाएं भी अच्छी संख्या में बोली जाती हैं। तेलुगु बोलने वालों की संख्या (मातृभाषा के रूप में 8.11 करोड़) अन्य सभी द्रविड़ भाषाओं में सबसे अधिक है, जिससे यह राष्ट्रीय स्तर पर चौथी सबसे बड़ी भाषा बन जाती है। इन प्रमुख भाषाओं के अलावा, तटीय क्षेत्रों में तुलू और कोंकणी जैसी अन्य द्रविड़ और इंडो-आर्यन भाषाएं भी बोली जाती हैं।

बड़े शहरी केंद्रों में, हिंदी और अंग्रेजी का प्रयोग भी व्यापक रूप से होता है। संक्षेप में, दक्षिण भारत की भाषाएं इस क्षेत्र की संस्कृति और इतिहास की अमूल्य निधि हैं, जो न केवल संचार का माध्यम हैं, बल्कि एक समृद्ध साहित्यिक विरासत को भी दर्शाती हैं। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, बल्कि समाज की संस्कृति, पहचान और परंपरा की वाहक होती है। यह राष्ट्र की आत्मा को जोड़ती है और उसकी विरासत को सुरक्षित रखती है। भारत जैसे बहुभाषी देश में, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समन्वय बनाए रखने के लिए एक सर्वमान्य भाषा की आवश्यकता अनुभव की गई। इसी संदर्भ में हिंदी का प्रचार एक राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में उभरा।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जब 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे, तब उन्होंने पूरे देश का भ्रमण किया। इस यात्रा के दौरान उन्होंने यह अनुभव किया कि भारत के अनेक क्षेत्रों, विशेषकर दक्षिण भारत में, अंग्रेज़ी का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। इससे भारतीय भाषाओं, विशेषकर हिंदी के प्रति लोगों का आकर्षण घटने लगा था। गांधीजी का मानना था कि यदि कोई भाषा कमजोर पड़ती है, तो उसका प्रभाव उस भाषा के समाज, इतिहास और चिंतन पर भी पड़ता है। इसी चिंता से प्रेरित होकर उन्होंने दक्षिण भारत में हिंदी के प्रचार का संकल्प लिया। उनका स्पष्ट विचार था कि जब तक हम हिंदी को राष्ट्रभाषा और प्रांतीय भाषाओं को उनके उचित स्थान पर नहीं प्रतिष्ठित करेंगे, तब तक स्वराज्य की भावना अधूरी रहेगी। गांधीजी ने मातृभाषा के अनादर को 'मां के अनादर' के समान बताया और भारतीय भाषाओं को सम्मान दिलाने के लिए स्वयं आगे आए।

1918 में गांधीजी ने इंदौर में हुए हिंदी साहित्य सम्मेलन (स्थापना: 1910) के वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता की। यहीं से हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में दक्षिण भारत में प्रचारित करने की दिशा में संगठित प्रयास आरंभ हुआ। गांधीजी का उद्देश्य केवल भाषा सिखाना नहीं था, बल्कि हिंदी को भारत के विभिन्न प्रांतों के बीच संपर्क भाषा बनाना था। इसके माध्यम से वे राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और परस्पर समझ को सुदृढ़ करना चाहते थे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

आंध्र में अंतरिक्ष क्षेत्र में बड़े निवेश की उम्मीद

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की योजना श्रीहरिकोटा और उसके आसपास अगली पीढ़ी का बड़ा रॉकेट बनाने की है। इस कारण आंध्र प्रदेश को अंतरिक्ष क्षेत्र के निवेशकों से बड़ा निवेश आकर्षित करने की उम्मीद है। आंध्र प्रदेश सरकार के अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी सलाहकार डॉ. एस. सोमनाथ ने शनिवार को यहां आयोजित एक कार्यक्रम में यह उम्मीद जतायी। डॉ. एस. सोमनाथ पूर्व सचिव, अंतरिक्ष विभाग और इसरो के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। सोमनाथ ने बताया कि इसरो ने एक ऐसा रॉकेट बनाने का निर्णय लिया है जो 30 टन के उपग्रह को निम्न पृथ्वी कक्षा में ले जा सके।

कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल एंजेल चकमा के घर पहुंचा

अगरतला। पूर्वोत्तर युवा कांग्रेस समन्वय समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को एंजेल चकमा के पिता से मुलाकात की। एंजेल की पिछले महीने उत्तराखंड में कुछ लोगों द्वारा नस्लीय टिप्पणी का विरोध करने पर हत्या कर दी गई थी। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि उन्होंने त्रिपुरा के उनाकोटी जिले के माचमारा स्थित चकमा के घर पर उसके पिता तरुण प्रसाद चकमा से मुलाकात की। त्रिपुरा प्रदेश युवा कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नील कमल साहा ने बताया कि राहुल गांधी के निर्देशानुसार आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने माचमारा में एंजेल चकमा के पिता से मुलाकात की और पीड़ित परिवार को सांत्वना दी।

एनआईए कर रही बम विस्फोट की जांच

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) सोलन जिले के नालागढ़ बम विस्फोट की जांच कर रहा है और एजेंसी की रिपोर्ट आने के बाद ही इस घटना के दोषियों के बारे में कोई जानकारी मिल पाएगी। उन्होंने सोलन जिले में कहा कि राज्य के फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से नमूने लिए हैं और इलाके की सीसीटीवी फुटेज की भी पड़ताल की जा रही है।

दिल्ली हवाई अड्डे पर 10 करोड़ का गांजा जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 10 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का गांजा जब्त किया गया। सीमा शुल्क विभाग ने शनिवार को बताया कि आरोपी 31 दिसंबर को बैंकॉक से दिल्ली आया था और उसे अगले दिन कोलंबो के लिए रवाना होना था। आव्रजन मंजूरी के बाद यात्री ने एयरलाइन से अपना चेक-इन किया हुआ सामान उतारने का अनुरोध किया। संदेह होने पर, ड्यूटी पर तैनात सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा यात्री को उसके निजी सामान की जांच के लिए ले जाया गया। जांच में एक काले रंग के ट्रॉली बैग से हरे रंग के मादक पदार्थ से भरे 11 पॉलीथीन बरामद किए गए।

दिल्ली में पशु प्रेमियों ने किया धरना-प्रदर्शन

नई दिल्ली। पशु अधिकार कार्यकर्ताओं और विभिन्न पशु संरक्षण समूहों के स्वयंसेवियों ने शनिवार को जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए एकत्र होकर सुप्रीम कोर्ट से सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने संबंधी अपने हाल के आदेश पर पुनर्विचार करने की मांग की। आयोजकों ने बताया कि अगले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई से पहले आयोजित प्रदर्शन में लगभग 30 प्रतिभागियों ने अपनी चिंताओं को उजागर करने के लिए रचनात्मक दृश्यों वाले पोस्टर पकड़े हुए थे। लोगों ने स्कूलों, अस्पतालों और परिवहन केंद्रों से आवारा कुत्तों को हटाने संबंधी कोर्ट के आदेश को अव्यावहारिक बताया।

बुद्ध के अवशेष देश की विरासत का हिस्सा : मोदी

बुद्ध से जुड़ी वस्तुओं की प्रदर्शनी का प्रधानमंत्री ने किया उद्घाटन

- लाइट एंड लोटस: रेलिक्स ऑफ द अवेकंड वंस नामक प्रदर्शनी को मोदी ने किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में बुद्ध से जुड़ी प्रदर्शनी का अवलोकन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को बुद्ध से जुड़ी वस्तुओं की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और कहा कि ये केवल वस्तुएं नहीं हैं बल्कि भारत की वंदनीय विरासत का अटूट हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पवित्र पिपरहवा अवशेष वियतनाम, थाईलैंड और रूस समेत उन विभिन्न देशों की यात्रा कर चुके हैं जहां बौद्धों की आबादी अधिक है। इन देशों में आस्था और भक्ति की लहरें उठीं तथा लोग बड़ी संख्या में श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए पहुंचे। प्रधानमंत्री ने कहा कि बुद्ध की यह साझा विरासत इस बात का प्रमाण है कि भारत केवल राजनीति, कूटनीति और अर्थव्यवस्था के माध्यम से ही नहीं, बल्कि भावनाओं, आस्था और आध्यात्मिकता के गहरे बंधनों के माध्यम से भी जुड़ा हुआ है।

मोदी दक्षिण दिल्ली के किला राय पिथोरा सांस्कृतिक परिसर में लाइट एंड लोटस: रेलिक्स ऑफ द अवेकंड वंस नामक प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने याद दिलाया कि सरकार और गोदरेज समूह के हस्तक्षेप से ये पवित्र अवशेष 125 वर्षों से अधिक समय बाद भारत लाए गए हैं।

मोदी ने कहा कि दोनों ने मिलकर गत वर्ष मई में हांगकांग में इनकी नीलामी रोकी थी। प्रधानमंत्री ने बौद्ध विद्वानों, राजनयिकों और अन्य अतिथियों की उपस्थिति में कहा कि भारत के लिए, बुद्ध के पवित्र अवशेष केवल अवशेष नहीं हैं, बल्कि हमारी वंदनीय विरासत व सभ्यता का एक अटूट हिस्सा हैं। मोदी ने कहा कि भारत न केवल भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का संरक्षक है, बल्कि उनकी परंपरा का जीवंत वाहक भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका जन्मस्थान गुजरात का वडनगर बौद्ध अध्ययन का एक बहुत बड़ा केंद्र रहा है और वाराणसी के पास स्थित सारनाथ, जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था, उनकी कर्मभूमि है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनने से पहले, उन्होंने एक तीर्थयात्री के रूप में बौद्ध स्थलों की यात्रा की थी, और प्रधानमंत्री के रूप में, उन्हें दुनिया भर के बौद्ध तीर्थ केंद्रों का दौरा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मोदी ने कहा कि नेपाल के लुम्बिनी, जापान के तो-जी मंदिर और किंकाकु-जी, चीन के शीआन में स्थित 'जायंट वाइल्ड गूज पैगोडा' तथा मंगोलिया के गांडन मठ की अपनी यात्राओं को याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्रीलंका के अनुराधापुरा में स्थित जया श्री महाबोधि की उनकी यात्रा सम्राट अशोक, भिक्षु महिंदा और संघमित्रा द्वारा स्थापित परंपरा से जुड़ने का एक अनुभव था।

थाईलैंड और सिंगापुर के बुद्ध मंदिर की यात्राओं ने मेरे प्रभाव को और गहरा किया : प्रधानमंत्री

मोदी ने कहा कि थाईलैंड के वाट फो और सिंगापुर के बुद्ध टूथ रेलिक मंदिर की यात्राओं ने बुद्ध की शिक्षाओं के प्रभाव के बारे में उनकी समझ को और गहरा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने बोधिवृक्ष के पौधे विश्व भर के बौद्ध तीर्थ स्थलों तक पहुंचाने का विशेष प्रयास किया। उन्होंने कहा, मानवता के लिए उस गहरे संदेश की कल्पना की जा सकती है जब परमाणु बम से तबाह हुए शहर हिरोशिमा के वनस्पति उद्यान में एक बोधि वृक्ष खड़ा होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है कि बौद्ध विरासत स्वाभाविक रूप से अगली पीढ़ियों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन और वैशाख एवं आषाढ़ पूर्णिमा जैसे अंतर्राष्ट्रीय आयोजन इसी विचार से प्रेरित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने पाली भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है ताकि बुद्ध द्वारा दिए गए उपदेश आम लोगों तक आसानी से पहुंच सकें। धम्म को उसके मूल स्वरूप में समझना और समझाना आसान होगा और बौद्ध से जुड़े शोध को मजबूती मिलेगी। पिपरहवा अवशेष बौद्ध धर्म के पुरातात्विक अध्ययन में केंद्रीय स्थान रखते हैं। ये अवशेष बुद्ध से जुड़े प्राचीन व ऐतिहासिक हैं। पुरातत्वीय के अनुसार, पिपरहवा स्थल प्राचीन कपिलवस्तु जुड़ा था, जिसे उस स्थान के रूप में पहचाना जाता है जहां भगवान बुद्ध ने संन्यास लेने से पहले अपना प्रारंभिक जीवन व्यतीत किया था।

अदालतें जांच पूरी करने को जो समयसीमा तय करती हैं वह नियम नहीं अपवाद है

नई दिल्ली, एजेंसी

- इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर गौर करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अदालतें जांच एजेंसियों के लिए जांच पूरी करने को लेकर समयसीमा एहतियात के तौर पर नहीं, बल्कि तभी तय करती हैं जब जांच में बहुत ज्यादा देरी होने लगे और उससे लोगों को नुकसान होने का खतरा पैदा हो जाए। न्यायमूर्ति संजय करोल और एनके सिंह की पीठ ने ये टिप्पणियां इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश पर गौर करते हुए कीं।

हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस को कथित रूप से दस्तावेजों में हेरफेर कर शस्त्र लाइसेंस प्राप्त करने के मामले में जांच पूरी करने के लिए 90 दिन का समय दिया था और आरोपी को किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई से संरक्षण दिया था। पीठ ने कहा कि संक्षेप में, समय-सीमाएं तब तय की जाती हैं जब देरी से समस्या पैदा हो रही हो, न कि केवल इस आधार पर कि भविष्य में समस्या हो सकती है। इसने शीर्ष अदालत के पिछले फैसलों का विश्लेषण करते हुए यह भी कहा कि अदालतों ने लगातार यह माना है कि समयबद्ध जांच का निर्देश देना नियम नहीं, बल्कि अपवाद होना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि इसी संवैधानिक परिप्रेक्ष्य में अदालतों ने उपयुक्त मामलों में हस्तक्षेप किया है, जहां जांच में देरी स्वयं ही पूर्वाग्रह या नुकसान का कारण बनने लगती है। इन टिप्पणियों के साथ सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को निरस्त कर दिया।

खेलते समय पानी भरे गड्ढे में डूबने से बालक की मौत

हादसा

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : शनिवार दोपहर तहसील परिसर में एक हादसा हो गया। यहां तैनात कंप्यूटर आपरेटर का 12 वर्षीय बेटा पानी से भरे गड्ढे में डूब गया। परिजन उसे लेकर संयुक्त चिकित्सालय लेकर पहुंचे पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा है।

हादसा शनिवार की दोपहर करीब 2:30 बजे हुआ। तहसील में विक्रम मौर्य बतौर कंप्यूटर आपरेटर तैनात हैं। इनका 12 साल का बेटा अथर्व परिसर में खेल रहा था। किसी की नजर नहीं पड़ी और वह परिसर में ही स्थित पानी से भरे एक गड्ढे में गिर गया। बालक के न मिलने पर उसकी खोजबीन शुरू हुई तो वह पानी में पड़ा दिखा। आनन फानन में परिजन व अन्य लोग उसे लेकर सिरौलीगौसपुर स्थित 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। बालक के पिता विक्रम मौर्य परिवार के साथ तहसील परिसर स्थित आवास में रहते हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। इस हादसे की जानकारी होने पर तहसीलदार बालेन्दु भूषण वर्मा, तहसील कर्मी तथा बदोसरांय कोतवाली पुलिस मौके पर मौजूद रही। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार विद्यार्थी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

एनआईए करेगी राइसिन आतंकी साजिश की जांच

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कथित राइसिन जहर आतंकी साजिश की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंप दी है। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। एटीएस ने हथियारों और रसायनों से एक बड़े आतंकी हमले को अंजाम देने की साजिश में कथित भूमिका को लेकर पिछले साल नौ नवंबर को डॉ. अहमद मोहियुद्दीन सैयद, आजाद सुलेमान शेख और मोहम्मद सुहैल मोहम्मद सलीम को गिरफ्तार किया था। एटीएस ने तीनों के खिलाफ सख्त गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया था। उनपर भारतीय न्याय संहिता और शस्त्र अधिनियम के प्रावधान भी लगाए गए थे।

लव जिहाद रोकने के प्रयास घर से हों : भागवत

भोपाल, एजेंसी

- स्त्री शक्ति संवाद कार्यक्रम में महिलाओं की सामाजिक भूमिका पर की चर्चा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख ने शनिवार को कहा कि लव जिहाद को रोकने के प्रयास परिवार से ही शुरू होने चाहिए। उन्होंने इसके लिए परिवारों में संवाद, महिलाओं में जागरूकता और सामूहिक सामाजिक प्रतिक्रिया की जरूरत पर बल दिया।

आरएसएस के स्त्री शक्ति संवाद कार्यक्रम में भागवत ने महिलाओं की सामाजिक भूमिका पर चर्चा के दौरान लव जिहाद के मुद्दे का उल्लेख किया। भागवत ने कहा कि परिवारों को आत्ममंथन करना चाहिए कि किसी परिवार की लड़की किसी अजनबी के प्रभाव में कैसे आ जाती है। उन्होंने इसे परिवारों में संवाद की कमी का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि इस दिशा में तीन स्तरों पर प्रयास जरूरी हैं, जिनमें परिवारों में निरंतर संवाद, लड़कियों में जागरूकता पैदा करना और स्वयं की रक्षा के लिए उन्हें सक्षम बनाना तथा ऐसे अपराध करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई शामिल है। सामाजिक संगठनों को भी सतर्क रहना चाहिए और समाज को सामूहिक रूप से प्रतिक्रिया देनी चाहिए, ताकि इस समस्या का समाधान निकाला जा सके। भागवत ने कहा कि धर्म, संस्कृति और सामाजिक व्यवस्था महिलाओं के कारण सुरक्षित है। उन्होंने महिलाओं के सशक्तीकरण, वैचारिक दिशा और पारिवारिक व सामाजिक जीवन में उनकी सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि वह समय बीत चुका है जब सुरक्षा के नाम पर महिलाओं को घरों तक सीमित रखा जाता था। परिवार और समाज पुरुषों और महिलाओं के संयुक्त प्रयासों से आगे बढ़ते हैं, इसलिए दोनों का 'प्रबोधन' आवश्यक है। कार्यक्रम में आरएसएस के मध्य भारत प्रांत के प्रांत संघचालक अशोक पांडे और विभाग संघचालक सोमकांत उमलाकर भी मंच पर मौजूद थे।

राष्ट्रीय कार्यों में महिलाओं की अधिक भागीदारी तय करें

भागवत ने कहा कि महिलाएं परिवार में देखभाल करने वाली केंद्रीय भूमिका निभाती हैं और संतुलन, संवेदनशीलता एवं व्यवस्था बनाए रखने में उनकी अहम भूमिका है। देश की आबादी में महिलाओं की संख्या आधी है और सामाजिक तथा राष्ट्रीय कार्यों में अधिक से अधिक महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की जरूरत है। मानसिक स्वास्थ्य पर भागवत ने कहा कि यह जरूरी है कि परिवार में कोई भी स्वयं को अकेला महसूस न करे। उन्होंने बच्चों पर वास्तविकता से परे अपेक्षाएं थोपने से बचने की सलाह दी और कहा कि सफलता से अधिक महत्वपूर्ण जीवन का अर्थ है। भारत मानसिक गुलामी से बाहर निकल रहा है और दुनिया उम्मीदों के साथ देश की ओर देख रही है।

इंदौर में दूषित जल पीने से अब तक एक बच्चे सहित 16 की मौत

इंदौर। भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से उल्टी-दस्त होने से अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। जिलाधिकारी शिवम वर्मा ने शनिवार को बताया कि शहर के 41 अस्पतालों में कुल 203 मरीजों का इलाज जारी है और छह लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 34 लोग आईसीयू में हैं।

- शहर के 41 अस्पतालों में 203 लोग भर्ती, 34 लोग आईसीयू में

इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया था कि दूषित पेयजल से 10 लोगों की मौत होने की उन्हें जानकारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार छह माह के एक बच्चे समेत 16 लोगों की मौत हो चुकी है।

वहीं दूषित पेयजल से हुई मौत के बाद घर-घर पहुंचने वाले पानी को लेकर लोगों में भय है। पानी के अब भी दूषित होने की आशंकाओं से लोग बाहर से पानी मंगाने को मजबूर हो गए हैं।

अलाव ताप रहे किशोर को पिकअप ने रौंदा, मौत

बाराबंकी: अमृत विचार : शनिवार को हुए अलग-अलग सड़क हादसों में किशोर समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

फतेहपुर प्रतिनिधि के अनुसार, मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के ग्राम बिसुनपुर निवासी संजय कुमार का पुत्र सत्यम (13) शनिवार सुबह घर के पास अलाव ताप रहा था। इसी दौरान लकड़ी लादकर जा रही पिकअप ने उसे टक्कर मार दी, जिससे सत्यम की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। ग्रामीणों ने पीछा कर बसारी गांव के पास वाहन को रोक लिया और चालक अमित कुमार निवासी मढ़ी मजरे बसारी को पकड़ लिया। पुलिस ने वाहन व चालक को कब्जे में ले लिया है। उधर, टिकैतनगर क्षेत्र के इचौली के शिवम (26) पुत्र नौमीलाल शुक्रवार देर रात बाइक से घर लौट रहे थे। बाघनाथन मंदिर मार्ग पर सड़क के मोड़ पर उसकी बाइक विद्युत पोल से टकरा गई। गंभीर रूप से घायल शिवम को सीएचसी टिकैतनगर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। त्रिवेदीगंज प्रतिनिधि के अनुसार, लोनीकटरा के त्रिवेदीगंज चौराहे पर शनिवार अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। घायलों में बिबियापुर घाट निवासी विरेंद्र कुमार (40) और जाफरपुर निवासी जीतकुंवर (50) शामिल हैं।

वंदेभारत की चपेट में आने से युवती की मौत

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : दरियाबाद रेलवे स्टेशन पर एक युवती की वंदे भारत की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसा देख साथ जा रहा पिता बदहवास हो गया। हादसा शनिवार शाम करीब 5 बजे हुआ। बदोसरांय के मरौचा निवासी घनश्याम अपनी पुत्री रंजीता (22) के साथ दरियाबाद स्टेशन पहुंचा था। दोनों को दिल्ली जाना था। रंजीता पटरी पार कर रही थी तभी वंदे भारत ट्रेन की चपेट में आकर उसकी मौत हो गयी।

वीबी-जी राम जी अधिनियम को कोर्ट में चुनौती देगी कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि वह अगले सप्ताह से करीब 45 दिवसीय मनरेगा बचाओ संग्राम की शुरुआत करेगी और विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम को न्यायालय में चुनौती भी देगी। कांग्रेस के इस अभियान के तहत ग्राम स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक कई कार्यक्रम करने के साथ ही देश के अलग-अलग हिस्सों में चार बड़ी सभाएं आयोजित की जाएंगी।

पार्टी का कहना है कि उसके इस संग्राम का मकसद महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) बहाल हो और नए कानून को वापस लिया जाए। संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि अभियान 10 जनवरी से शुरू होकर 25 फरवरी तक चलेगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि मनरेगा के स्थान पर बनाए गए विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम के तहत सिर्फ विनाश भारत और योजना के केंद्रीकरण की गारंटी दी गई है। उन्होंने कहा कि नए कानून को न्यायालय में चुनौती दी जाएगी। 27 दिसंबर को कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में मनरेगा के पक्ष में अभियान शुरू करने का फैसला किया गया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर कहा, कांग्रेस 'जी राम जी क़ानून' वापस लिया जाए, मनरेगा को अधिकार आधारित कानून के तौर पर बहाल किया जाए और काम के अधिकार और पंचायतों के अधिकार को बहाल किया जाए।

मालवीय, वाजपेयी सही मायने में राजनेता थे : राजनाथ सिंह

दिल्ली विधानसभा में आयोजित अनावरण समारोह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता व अन्य।

नई दिल्ली, एजेंसी

- रक्षामंत्री ने दिल्ली विधानसभा में दोनों के चित्रों का किया अनावरण

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और शिक्षाविद मदनमोहन मालवीय के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद करते हुए उन्हें सही मायने में राजनेता बताया। सिंह दिल्ली विस में दोनों नेताओं के चित्रों का अनावरण करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने भारत माता विषय पर कॉफी टेबल बुक का भी लोकार्पण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मौजूद थीं।

सिंह ने कहा कि वाजपेयी और मालवीय के चित्रों का अनावरण उनके शब्दों और कार्यों की एक मौन स्मृति है। उन्होंने लोगों से शिक्षा को राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने का एक साधन मानने का आह्वान किया, जैसा कि मालवीय ने किया था और राजनीति को वाजपेयी की तरह लोक सेवा के रूप में लेने का आग्रह किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि मालवीय और वाजपेयी सही मायने में राजनेता थे। वाजपेयी ने स्वतंत्र भारत में शिक्षा को राष्ट्रीय चेतना से जोड़ने का प्रयास किया। वाजपेयी मानना था कि संकीर्ण मानसिकता से कोई महान नहीं बन सकता और यह सुनिश्चित किया कि राजनीतिक मतभेद कभी भी कलह में तब्दील न हों। हमें सिखाया कि सत्ता में रहते हुए विनम्र रहना चाहिए।

राहत की उम्मीद नहीं | **कश्मीर के अधिकतर हिस्सों में तापमान शून्य से नीचे**

पहाड़ों से लेकर मैदान तक ठंड का भीषण प्रकोप जारी

श्रीनगर, एजेंसी

चमोली की नीति घाटी में बर्फबारी से वनस्पतियों पर जमीं बर्फ ● एजेंसी

कश्मीर में कुछ दिनों की राहत के बाद सर्दी फिर से तेज हो गई है और घाटी में न्यूनतम तापमान गिरकर शून्य से नीचे चला गया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि श्रीनगर में शुक्रवार रात का न्यूनतम तापमान शून्य से 1.5 डिग्री नीचे रहा। गुलमर्ग सबसे ठंडा स्थान रहा जहां पारा शून्य से 6.5 डिग्री नीचे, जबकि पहलगाम में पारा शून्य से 5.2 डिग्री नीचे रहा। यह क्षेत्र अभी 'चिल्ला-ए-कलां' के दौर में है जो 40 दिनों की अत्यधिक ठंड की अवधि होती है। वहीं राजस्थान के अनेक इलाकों में शीतलहर चल रही और घना कोहरा छाया रहा। झारखंड में भी घने कोहरे के चलते जनजीवन प्रभावित है। प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। पंजाब और हरियाणा में भी कड़ाके की ठंड जारी है। त्रिपुरा में भी ठंड से लोग परेशान हैं।

झारखंड में येलो अलर्ट : रांची। मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार को झारखंड के 15 जिलों में दो दिनों तक घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। राज्य में सबसे ठंडा स्थान गुमला रहा, जहां तापमान 6.6 डिग्री था। रांची मौसम विज्ञान केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि न्यूनतम तापमान में बदलाव की उम्मीद नहीं है।

पंजाब-हरियाणा में भी ठंड का प्रकोप : चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा में कड़ाके की ठंड जारी है, हालांकि दोनों राज्यों के कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य रहा। हरियाणा का महेंद्रगढ़ और पंजाब में फरीदकोट सबसे ठंडा स्थान रहा।

राजस्थान शीतलहर की चपेट में

राजस्थान में जारी कड़ाके की ठंड के बीच बीते 24 घंटे में अनेक इलाकों में शीतलहर चल रही और घना कोहरा छाया रहा। पूर्वी राजस्थान में घना एवं अत्यधिक घना कोहरा रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान चित्तौड़गढ़ में रहा, जबकि सबसे कम तापमान फतेहपुर (सीकर) में (2.8 डिग्री) रहा।

त्रिपुरा में ठंड से 10 दिनों तक स्कूल बंद

अगरतला। त्रिपुरा में शीतलहर से जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद ने शनिवार से पर्वतीय इलाकों में सभी स्कूलों को 10 दिनों के लिए बंद करने का आदेश दिया। अधिकतम-न्यूनतम तापमान में पांच डिग्री का अंतर है।

कुशाग्र हत्याकांड में तीनों हत्यारोपियों से पूछे 53 सवाल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अधिकांश सवाल पर अनभिज्ञता जाहिर की, अगली सुनवाई 6 को

अमृत विचार। रायुपरवा में चर्चित कुशाग्र हत्याकांड में गणतंत्र दिवस से पहले फैसला की उम्मीद है। शनिवार को एडीजे-11 सुभाष सिंह की कोर्ट में सुनवाई हुई। तीनों अभियुक्तों के बयान दर्ज किए। कोर्ट ने अभियोजन की ओर से तीनों हत्यारोपियों से 53 सवाल पूछे। हत्यारोपी ट्यूशन टीचर रचिता ने स्वीकारा कि घटना के समय वह प्रेमी प्रभात के घर पर ही थी। कोर्ट ने अभियुक्तों को बचाव में गवाह पेश करने के लिए छह जनवरी का समय दिया है। बतादें कि 30 अक्टूबर 2023 को जयपुरिया स्कूल के हाईस्कूल के छात्र कुशाग्र कनोडिया की कोचिंग के रास्ते अपहरण कर हत्या की गई थी। हत्याकांड में ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसका प्रेमी प्रभात शुक्ला और सहयोगी शिवा गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था।

कुशाग्र हत्याकांड में शनिवार को एडीजे-11 की कोर्ट में तीनों हत्यारोपी को पेश किया गया। तीनों से 53 सवाल पूछे गए। आरोपी शिवा ने कबूल किया कि जब प्रभात फिरौती का पत्र कुशाग्र के फ्लैट में डालने गया वह उसके साथ में ही था। लेकिन फिरौती का पत्र डालने जाने से मना कर दिया था। अभियोजन ने मामले में 26 जनवरी से पहले ही फैसले की उम्मीद जताई है। हत्याकांड में कुशाग्र की ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात शुक्ला व साथी शिवा गुप्ता को जेल भेजा गया था। आरोपियों की निशानदेही पर कुशाग्र का शव प्रभात शुक्ला के कमरे से बरामद हुआ था। 19 दिसंबर को जियो व एयरटेल के नोडल अधिकारियों के बयान के बाद सुनवाई हुई। एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने बताया कि शनिवार को कोर्ट में तीनों के बयान दर्ज हुए। जिसमें हत्यारोपियों से 53 सवाल पूछे गए। अधिकांश सवालों पर आरोपियों ने अनिभिज्ञता जताई। कहा पुलिस ने फंसाया है। रचिता ने कहा कि घटना के दिन दोपहर एक से शाम छह बजे तक वह प्रभात के घर पर थी। कोर्ट ने अगली सुनवाई की तिथि छह जनवरी तय की।

तमिलनाडु सरकारी कर्मियों के लिए नई पेंशन योजना

चेन्नई। तमिलनाडु में सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों की मांग को पूरा करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को नई योजना तमिलनाडु सुनिश्चित पेंशन की घोषणा की, जो पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के लाभ प्रदान करेगी। सरकार ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को मिले अंतिम वेतन का 50% हिस्सा सुनिश्चित पेंशन के रूप में दिया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार कर्मचारियों के 10 प्रतिशत योगदान के साथ ही पेंशन फंड में जरूरी अतिरिक्त धनराशि देगी।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 4 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

फोप ग्रेफाइट लाइसेंस को ओआईएल से समझौता

ईटानगर। ओआईएल इंडिया लिमिटेड ने अरुणाचल के याजाली सर्कल में फोप ग्रेफाइट और वेनेडियम ब्लॉक के लिए समग्र लाइसेंस समझौता किया। यह समझौता गुरुवार को केयी पन्योअर जिले स्थित खनिज ब्लॉक के लिए राज्य के भूविज्ञान और खनन सचिव एके सिंह, ओआईएल के मुख्य महाप्रबंधक रघुनाथ मिश्रा और हिमालय अध्ययन एवं पृथ्वी विज्ञान केंद्र (सीईएसएचएस) के निदेशक ताना टैगे की उपस्थिति में किया गया। समझौते के तहत सीईएसएचएस परियोजना में 10% हिस्सेदारी के साथ शामिल होगा। सीईएसएचएस प्रारंभिक और अन्वेषणात्मक सर्वेक्षण कार्य में सहायता करेगा और स्थानीय समुदायों और अधिकारियों के साथ समन्वय सुनिश्चित करने में योगदान देगा ताकि अन्वेषण गतिविधियां चल सकें।

24 घंटे संचालित होगा सिंधुदुर्ग हवाई अड्डा

मुंबई। महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र में स्थित सिंधुदुर्ग हवाई अड्डे को विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए (डीजीसीए) से 24 घंटे संचालन की मंजूरी मिली है, जिसमें कम दृश्यता और प्रतिकूल मौसम की स्थितियां भी हैं। आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स नेयह जानकारी दी। आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा संचालित इस हवाई अड्डे ने अक्टूबर 2021 में व्यावसायिक परिचालन शुरू किया था। आईआरबी सिंधुदुर्ग हवाई अड्डे के मुख्य सलाहकार और प्रमुख जय एस सदाना ने कहा कि 24 घंटे सभी मौसमों में संचालन की मंजूरी हवाई अड्डे की विश्वसनीयता और परिचालन क्षमता को काफी बढ़ाती है।

पुडुचेरी से सप्ताह में 14 उड़ानें भरेगा इंडिगो

चेन्नई। इंडिगो ने पुडुचेरी में सेवाओं को मजबूत करते हुए सप्ताह में 14 उड़ानें संचालित करेगा, जिससे क्षेत्रीय, संपर्क में सुधार हुआ है। शनिवार को एयरलाइन ने बताया कि बेहतर हवाई संपर्क ने पुडुचेरी के कई क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा दिया है। बैंगलोर और हैदराबाद तक आसान पहुंच ने निवासियों को विशेषीकृत स्वास्थ्य सेवा और उच्च शिक्षा के लिए अधिक कुशल यात्रा करने में मदद की है। इंडिगो ने 20 दिसंबर 2024 से पुडुचेरी से संचालन शुरू किया था और केंद्र शासित प्रदेश में एक साल पूरा कर लिया है।

गिग व्यवस्था से डिलीवरी कर्मियों पर दबाव नहीं

लचीले कार्य घंटे और कल्याणकारी सुविधाओं के कारण गिग कार्य आय का भरोसेमंद साधन

- कामकाजी परिस्थितियों पर जारी बहस के बीच एटरनल के संस्थापक गोयल ने की टिप्पणी
- जोमैटो-ब्लिंकिट ने डिलीवरी सहयोगियों के लिए बीमा सुरक्षा पर 100 करोड़ किए खर्च

नई दिल्ली, एजेंसी

गिग कर्मचारियों की कमाई और कामकाजी परिस्थितियों को लेकर जारी बहस के बीच एटरनल के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी दीपिंदर गोयल ने कहा कि यह व्यवस्था डिलीवरी करने वाले कर्मियों पर दबाव नहीं डालती तथा लचीले कार्य घंटे और कल्याणकारी सुविधाएं गिग कार्य को अनेक लोगों के लिए आय का भरोसेमंद साधन बनाती हैं।

एटर्नल के पास खाद्य आपूर्ति कंपनी जोमैटो और क्विक-कॉमर्स फर्म ब्लिंकिट का स्वामित्व है। गोयल की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब गिग कर्मियों के संगठन बेहतर भुगतान और कार्य परिस्थितियों की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। गोयल ने एक्स पर लिखा कि वर्ष 2025 में जोमैटो और ब्लिंकिट ने डिलीवरी करने वाले सहयोगियों के लिए बीमा सुरक्षा पर 100 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए। 2025 में जोमैटो पर एक डिलीवरी सहयोगी की औसत प्रति घंटे की कमाई (उपदान को छोड़कर) 102 रुपये रही, जबकि वर्ष 2024 में यह 92 रुपये थी। यह वार्षिक आधार पर 10.9 प्रतिशत की वृद्धि है। उन्होंने दावा किया कि 10 मिनट में सामान पहुंचाने का वादा गिग कर्मियों पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं डालता। गोयल ने कहा कि लचीले कार्य समय और कल्याणकारी सुविधाएं गिग कार्य को अनेक लोगों के लिए आय का विश्वसनीय स्रोत बनाती हैं। हालांकि, उनकी इन टिप्पणियों पर सामाजिक माध्यमों पर मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली।

कई उपयोगकर्ताओं ने आरोप लगाया कि 10 मिनट की समय सीमा पूरी करने के लिए गिग कर्मी तेज और लापरवाही से वाहन चलाते हैं तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं। गिग एवं मंच आधारित सेवा कर्मी संघ ने पिछले महीने श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया को पत्र लिखकर कई मुद्दे उठाए थे। इनमें प्रमुख मांग कर्मियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 10 से 20 मिनट में वस्तु पहुंचाने की अनिवार्यता को तत्काल समाप्त करने की थी।

गोयल ने भारत की गिग अर्थव्यवस्था के लिए कम नियमन की भी पैरवी की और कहा कि इससे अंततः अधिक लोगों को संगठित कार्यबल में लाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारे मंच पर डिलीवरी करने वाले कर्मचारियों से अत्यधिक काम नहीं कराया जाता। 2025 में जोमैटो पर एक औसत डिलीवरी कर्मियों ने पूरे वर्ष में 38 दिन और प्रति कार्य दिवस सात घंटे काम किया। यह तय समय सारिणी के बजाय वास्तविक गिग-शैली की भागीदारी को दर्शाता है। केवल 2.3% सहयोगियों ने वर्ष में 250 दिनों से अधिक कार्य किया। गिग भूमिकाओं के लिए भविष्य निधि या सुनिश्चित वेतन जैसे पूर्णकालिक कर्मचारी लाभों की मांग इस व्यवस्था के अनुरूप नहीं है।

माह में कुछ दिन व कुछ घंटे ही करते हैं कार्य कर्मचारी

एटरनल के संस्थापक ने कहा कि अधिकांश डिलीवरी वाले कर्मी महीने में कुछ ही दिनों और कुछ ही घंटों के लिए कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति प्रतिदिन 10 घंटे और महीने में 26 दिन कार्य करता है, तो उसकी सकल आय 26,500 रुपये प्रतिमाह होती है। ईंधन और रखरखाव पर होने वाले खर्च (20%) घटाने के बाद उसकी शुद्ध आय 21,000 रुपये प्रतिमाह रह जाती है। नवंबर में केंद्र सरकार ने सभी चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित किया, जिससे गिग कर्मियों के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा कवरेज सहित व्यापक सुधारों का मार्ग प्रशस्त हुआ।

ईवी बैटरियों को आधार संख्या देने का परिवहन मंत्रालय का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

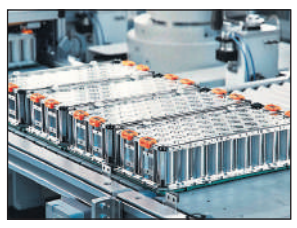

- प्रस्तावित व्यवस्था के तहत बैटरी विनिर्माताओं या आयातकों के लिए बीपीएन होगा अनिवार्य

परिवहन मंत्रालय ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बैटरी की संपूर्ण पहचान और प्रभावी पुनर्चक्रण तय करने को उन्हें आधार जैसी अद्वितीय पहचान संख्या देने का प्रस्ताव रखा है। मसौदा दिशा-निर्देशों के अनुसार, प्रस्तावित व्यवस्था के तहत बैटरी विनिर्माताओं या आयातकों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे हर बैटरी को 21 अंकों का बैटरी पैक आधार नंबर (बीपीएन) दें। उन्हें संबंधित बैटरी पैक गतिशील डेटा को बीपीएन के आधिकारिक पोर्टल पर भी अपलोड करना होगा।

बैटरी विनिर्माताओं या आयातकों की जिम्मेदारी होगी कि वे बाजार में लाई जाने वाली हर बैटरी और स्वयं उपयोग में लायी जाने वाली बैटरी को अद्वितीय बीपीएन दें। बीपीएन को स्पष्ट और सुलभ स्थान पर अंकित किया जाना चाहिए और उसका स्थान ऐसा चुना जाना चाहिए कि यह नष्ट या खराब न हो। बीपीएन बैटरी के कच्चे माल से लेकर निर्माण, उपयोग, पुनर्चक्रण या अंतिम निपटान तक की महत्वपूर्ण जानकारी संग्रहित करेगा।

इसका मुख्य उद्देश्य बैटरी उद्योग में पारदर्शिता, जवाबदेही और स्थिरता लाना है। इससे बैटरियों के प्रदर्शन और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव की निगरानी करने में मदद मिलेगी। भारत में लिथियम-आयन बैटरियों की अधिकतर मांग (80–90%) इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए है। इसलिए इस योजना में इलेक्ट्रिक वाहन बैटरियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

आयातित चाय की जांच करेगा बोर्ड : डिप्टी चेयरमैन

कोलकाता, एजेंसी

- नेपाल और वियतनाम से सस्ती और खराब चाय आने की उद्योग जगत ने की थी शिकायत
- प्रक्रिया के लिए जरूरी आधारभूत संरचना तैयार करने में लगेंगे 15–20 दिन

चाय बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन सी मुरुगन ने शनिवार को भरोसा दिलाया कि देश में सस्ती और निम्न गुणवत्ता वाली चाय के आयात को रोकने के लिए आयात की गुणवत्ता का 100 प्रतिशत परीक्षण किया जाएगा। चाय उद्योग ने शिकायत की है कि नेपाल और वियतनाम जैसे देशों से सस्ती और खराब गुणवत्ता वाली चाय देश में आ रही है, जिससे उद्योग को नुकसान हो रहा है।

चाय एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएआई) की द्विवार्षिक बैठक में मुरुगन ने कहा कि बोर्ड आयात की गुणवत्ता का 100 प्रतिशत परीक्षण करने की प्रक्रिया को औपचारिक रूप दे रहा है। इस प्रक्रिया के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना तैयार की जा रही है, जिसमें 15–20 दिन लगेंगे। इसके बाद कानूनी सलाह और वाणिज्य मंत्रालय की मंजूरी ली जाएगी।

मुरुगन ने कहा कि बोर्ड उद्योग में सुविधा प्रदान करेगा और नियंत्रण को आसान बनाएगा। चाय बोर्ड नीलामी प्रणाली में सीधे शामिल नहीं होगा, लेकिन इसे सुगम बनाएगा। साथ ही, भारतीय चाय के प्रचार और विपणन को बढ़ावा देने का प्रयास भी करेगा। चाय विकास और प्रचार योजना के तहत अगले पांच वर्षों में 1,500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे छोटे चाय उत्पादकों को भी लाभ मिलेगा। पश्चिम बंगाल के श्रम सचिव अवनींद्र सिंह ने कहा कि चाय उद्योग कठिन दौर से गुजर रहा है। नेपाल से आयातित सस्ती और निम्न गुणवत्ता वाली चाय दार्जीलिंग चाय उद्योग को नुकसान पहुंचा रही है। उन्होंने उद्योग से अपील की कि बंद चाय बागानों को खरीदकर उन्हें पुनर्जीवित किया जाए और इसमें कामगारों को इक्विटी देकर उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इससे कामगारों में स्वामित्व की भावना विकसित होगी।

खर्च में देरी से राज्यों को होगा नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी

- राज्यों से योजना खर्च में तेजी को केंद्र ने कहा, देरी पर दी चेतावनी
- राज्य कृषि मंत्रियों के साथ केंद्रीय मंत्री चौहान ने की समीक्षा बैठक
- बैठक में उप्र, महाराष्ट्र, राजस्थान उत्तराखंड व मिजोरम शामिल

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को राज्यों से अपने बजट के रणनीतिक उपयोग का आग्रह किया। साथ ही चेताया कि खर्च में देरी से राज्यों को नुकसान होता है और केंद्र से मिलने वाले कोष को समय पर जारी करने में बाधा आती है।

राज्य कृषि मंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि विभिन्न योजनाओं के लिए आरक्षित धन को मार्च से पहले खर्च करना आवश्यक है, ताकि प्रशासनिक अड़चनों के कारण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में देरी न हो। उन्होंने कहा कि यदि राज्य समय पर अपने बजट का उपयोग नहीं कर पाते हैं, तो इससे उन्हें नुकसान होता है। मंत्री ने बताया कि अक्सर छोटे प्रशासनिक और प्रक्रियागत कारणों से बजट आवंटन में देरी हो जाती है। बैठक में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) और कृषोन्नति योजना (केवाई) सहित केंद्रीय कृषि योजनाओं की प्रगति और बजट उपयोग की समीक्षा की गई।

चौहान ने पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसानों की शीघ्र सत्यापन, फसल बीमा योजना में कवरेज बढ़ाने और दावों का समय पर निपटान सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने बीज और उर्वरक की उपलब्धता, संतुलित उपयोग और केंद्र-राज्य समन्वय को मजबूत करने पर भी ध्यान दिलाया। बैठक में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तराखंड और मिजोरम के कृषि मंत्री, कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ट्रिपल बॉटम और ट्रिपल टॉप एक मजबूत रिवर्सल संकेत

शेयर बाजार में टेक्निकल एनालिसिस के जरिए निवेशक और ट्रेडर भावों की दिशा समझने की कोशिश करते हैं। इस विश्लेषण में कैंडलस्टिक पैटर्न की अहम भूमिका होती है। इन्हीं पैटर्न्स में ट्रिपल बॉटम और ट्रिपल टॉप को मजबूत रिवर्सल संकेत माना जाता है। ये पैटर्न बताते हैं कि बाजार किसी खास स्तर पर बार-बार सपोर्ट या रेजिस्टेंस का सामना कर रहा है। ट्रिपल बॉटम गिरावट के बाद तेजी की संभावनाओं को दर्शाता है, जबकि ट्रिपल टॉप तेजी के बाद गिरावट का संकेत देता है। सही तरीके से इन पैटर्न्स की पहचान करने से ट्रेडिंग में जोखिम कम किया जा सकता है और बेहतर एंट्री–एग्जिट के मौके मिल सकते हैं।

ट्रिपल टॉप

ट्रिपल टॉप, ट्रिपल बॉटम का उल्टा पैटर्न है और यह आमतौर पर अपट्रेंड के बाद बनता है। इसमें कीमतें तीन बार लगभग एक ही रेजिस्टेंस लेवल तक पहुंचती हैं, लेकिन हर बार वहां से नीचे आ जाती हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि उस स्तर पर बिकवाली का दबाव मजबूत है।

विशेषताएं

- तीनों टॉप लगभग एक ही स्तर पर बनते हैं
- हर बार ऊपरी स्तर से कीमत नीचे आती है
- तीसरे टॉप के बाद सपोर्ट टूटने पर गिरावट की पुष्टि होती है
- ट्रिपल टॉप को बेयरिश सिग्नल माना जाता है और यह मुनाफावसूली या शॉर्ट सेलिंग का संकेत देता है।

ट्रिपल बॉटम

ट्रिपल बॉटम आमतौर पर डाउनट्रेंड के बाद बनता है। इसमें कीमतें तीन बार लगभग एक ही सपोर्ट लेवल तक गिरती हैं और हर बार वहां से उछल जाती हैं। इसका मतलब यह होता है कि उस स्तर पर मजबूत खरीदारी मौजूद है और बिकवाली का दबाव कमजोर पड़ रहा है।

विशेषताएं

- तीनों बॉटम लगभग एक ही स्तर पर होते हैं
- हर गिरावट के बाद कीमत ऊपर की ओर जाती है
- तीसरे बॉटम के बाद अगर मजबूत वॉल्यूम के साथ ब्रेकआउट होता है, तो तेजी की पुष्टि मानी जाती है
- ट्रिपल बॉटम को बुलिश सिग्नल माना जाता है और ट्रेडर इसे खरीदारी के अवसर के रूप में देखते हैं।

निवेशकों का भरोसेमंद पैटर्न

ट्रिपल बॉटम और टॉप दोनों ही भरोसेमंद कैंडलस्टिक पैटर्न हैं, लेकिन इनका सही उपयोग तभी संभव है जब इन्हें बाजार के समग्र ट्रेंड और जोखिम प्रबंधन के साथ जोड़ा जाए। सही समझ और अनुशासन के साथ ये पैटर्न ट्रेडिंग फैसलों को बेहतर बना सकते हैं।

दोनों में मुख्य अंतर

- **ट्रेंड :** ट्रिपल बॉटम डाउनट्रेंड के अंत में और ट्रिपल टॉप अपट्रेंड के अंत में बनता है, जिससे बाजार की दिशा का पता चलता है।
- **दिशा :** ट्रिपल बॉटम तेजी (बुलिश) की भविष्यवाणी करता है, जबकि ट्रिपल टॉप मंदी (बीयरिश) की भविष्यवाणी करता है।
- **आकृति :** ट्रिपल बॉटम 'W' जैसा और ट्रिपल टॉप 'M' जैसा कैंडल पैटर्न पर दिखाई देता है।

कीमतों का तीन बार परखना

कैंडलस्टिक चार्ट में ट्रिपल बॉटम और ट्रिपल टॉप दोनों ही रिवर्सल पैटर्न माने जाते हैं। ये पैटर्न तब बनते हैं जब कीमतें किसी स्तर को तीन बार परखती हैं लेकिन उसे डिसेबल तोड़ नहीं पातीं। इससे बाजार की दिशा बदलने के संकेत मिलते हैं।

किन बातों का रखें ध्यान

- केवल पैटर्न पर निर्भर न रहें।
- वॉल्यूम, ट्रेंड और अन्य इंडिकेटर्स से पुष्टि ज़रूरी है।
- फर्जी ब्रेकआउट से बचने के लिए स्टॉप लॉस लगाना अहम है।

उर्वरक के दुरुपयोग को रोकेगी सरकार

- एक दिवसीय चिंतन शिविर में केंद्रीय उर्वरक मंत्री नड्डा बोले- संतुलित उपयोग करेंगे सुनिश्चित

नई दिल्ली, एजेंसी

चिंतन शिविर को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, साथ में अनुप्रिया पटेल व अन्य।

केंद्रीय उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को कहा कि सरकार विभिन्न विभागों के समन्वय से संतुलित उर्वरक उपयोग और गैर-कृषि उद्देश्यों के लिए उर्वरकों के उपयोग से संबंधित मुद्दों का समाधान करेगी। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक दिवसीय चिंतन शिविर में नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा किसानों को शासन के केंद्र में रखा है और नीतियों का उद्देश्य किसानों के जीवन को आसान बनाना होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि विभिन्न चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद विभाग ने किसानों की उर्वरक जरूरतों को सफलतापूर्वक पूरा किया है। किसान हितैषी नीतियों के कारण इस वर्ष रिकॉर्ड उत्पादन हुआ और आवश्यकतानुसार आयात भी किया गया। उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि यह विचार-मंथन सत्र वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में उपयोगी सुझाव देने में सहायक होगा। उर्वरक सचिव रजत मिश्रा ने कहा कि सरकार ने विचार-विमर्श में किसानों को केंद्र में रखा है। इस शिविर को इतना संवादात्मक बनाया गया है कि हर विचार पर चर्चा हो सके और सामूहिक समझ से बेहतर नतीजे सामने आएं। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर में आयोजित इस शिविर में 15 समूहों ने नए दौर के उर्वरक, उर्वरक उत्पादन में आत्मनिर्भरता, किसानों तक पहुंच और जागरूकता, डिजिटल माध्यमों से उर्वरक व्यवस्था में सुधार और पोषक तत्व आधारित सब्सिडी जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा की।

शादी के मौसम की मांग आने पहले तेल-तिलहन में सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

- सूरजमुखी, बिनौला, कपास नरमा, सोयाबीन और मूंगफली के दाम एमएसपी से नीचे

शादी के मौसम की मांग से बाजार में शनिवार को अधिकांश तेल तिलहनों के दाम में मजबूती दिखी और सरसों एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल सुधार के साथ बंद हुए। जाड़े की मांग से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे।

बाजार सूत्रों ने कहा कि बाजार में आम सुधार के रुख के बावजूद अभी भी सूरजमुखी, बिनौला, कपास नरमा, सोयाबीन और मूंगफली के दाम अपने-अपने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से नीचे ही चल रहे हैं। बाजार सूत्रों ने कहा कि सरसों के दाम ऊंचा चल रहे है और इस दाम पर लिवाली प्रभावित है। ऊंचे दाम पर सरसों खपेगा नहीं जब तक कि इसके दाम सोयाबीन के बराबर ना हो जाये। मांग निकलने से सरसों तेल-तिलहन में मामूली सुधार आया। उन्होंने कहा कि षडमास का समय 14 जनवरी के आसपास समाप्त होने के बाद बाजार में आगामी शादी विवाह के मौसम के लिए अभी से मांग बढ़ने लगी है और सभी खाद्यतेलों की मांग है। इन सबमें सबसे सस्ता होने के कारण सोयाबीन की मांग आगे जाकर और बढ़ने की उम्मीद है। सोयाबीन का आयात भी कम हुआ है। इसकी कमी को कैसे पूरा किया जायेगा इसके बारे में किसी की राय सामने नहीं आई है।

भू-राजनीतिक तनाव कमोडिटी से लेकर शेयर बाजार तक दिखेगा असर, कच्चे तेल की कीमतों में भी उतार-चढ़ाव की आशंका

अमेरिका-वेनेजुएला तनाव से वैश्विक वित्तीय बाजारों में हलचल

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका और वेनेजुएला के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक वित्तीय बाजारों में हलचल तेज कर दी है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका ने वेनेजुएला के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी है, जिसमें अमेरिकी सेनाओं की प्रत्यक्ष भूमिका बताई जा रही है। इस घटनाक्रम के बाद निवेशकों में अनिश्चितता बढ़ी है और इसका असर कमोडिटी बाजार से लेकर शेयर बाजार तक देखने को मिल सकता है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि ऐसे हालात में निवेशक सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करते हैं, जिससे सोना और चांदी जैसी सेफ-हेवन एसेट्स में तेजी आ सकती है। वहीं कच्चे तेल की कीमतों में भी उतार-चढ़ाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स सीबीएस और फॉक्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने वेनेजुएला के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू की है। समाचार एजेंसी एएफपी ने भी इस कार्रवाई की पुष्टि की है। रिपोर्ट्स में ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों के हवाले से कहा गया कि ऑपरेशन में अमेरिकी सेनाएं सीधे तौर पर शामिल हैं।

इस घटनाक्रम के बाद मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि सोना, चांदी, कच्चा तेल और अन्य प्रमुख कमोडिटीज में गैप-अप ओपनिंग देखने को मिल सकती है। या वेल्थ के डायरेक्टर अनुज गुप्ता के अनुसार, अमेरिका-वेनेजुएला टकराव से क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता बढ़ेगी, जिसका सीधा फायदा सेफ-हेवन एसेट्स को मिल सकता है। अनुज गुप्ता का कहना है कि कॉमैक्स पर सोना 4,345.50 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ है और मौजूदा हालात में इसके 4,380 डॉलर प्रति औंस तक जाने की संभावना है। वहीं चांदी की कीमतें कॉमैक्स पर 75 से 78 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक पहुंच सकती हैं। कच्चे तेल की बात करें तो ब्रेंट क्रूड ऑयल के 62 से 65 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में कारोबार करने का अनुमान जताया गया है। घरेलू बाजार यानी एमसीएक्स पर भी कमोडिटीज में तेजी की संभावना है। अनुज गुप्ता के मुताबिक, एमसीएक्स पर सोने की कीमतें 1,40,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा सकती हैं, जबकि चांदी 2,45,000 रुपये प्रति किलो के स्तर को छू सकती है। वहीं कच्चा तेल 5,200 से 5,300 रुपये प्रति बैरल के दायरे में रह सकता है।

कुछ अहम समुद्री रास्ते भी हो सकते हैं प्रभावित

एक्सपर्ट्स का कहना है कि अमेरिका-वेनेजुएला संकट से कुछ अहम समुद्री रास्ते प्रभावित हो सकते हैं, जिनका इस्तेमाल पेरू और चाड जैसे बड़े चांदी निर्यातक देश करते हैं। इससे सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ेगी और चांदी की कीमतों में उछाल आ सकता है। इसी वजह से सोने में भी मजबूती की उम्मीद जताई जा रही है।

भारतीय शेयर बाजार पर कम होगा प्रभाव

भारतीय शेयर बाजार को लेकर एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस घटनाक्रम का भारत के इक्विटी बाजार पर सीधा और बड़ा असर पड़ने की संभावना कम है। वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था इतनी बड़ी नहीं है कि इससे भारतीय बाजार में भारी उतार-चढ़ाव आए। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से तेल से जुड़े शेयरों पर दबाव दिख सकता है। कुल मिलाकर बाजार की शुरुआत संभली हुई रह सकती है, हालांकि शुरुआती सत्र में उतार-चढ़ाव बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

भारत में तेल की कीमतों पर नहीं होगा असर

अमेरिका-वेनेजुएला के तनाव से भारत में तेल की कीमतों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। जानकारों के अनुसार, इस घटना से रिस्क प्रीमियम तो बढ़ेगा। लेकिन, ग्लोबल क्रूड ऑयल सप्लाई में कोई रुकावट नहीं आएगी। वेनेजुएला के तेल निर्यात पर पहले से ही प्रतिबंधों और लॉजिस्टिक समस्याओं का दबाव है। इसलिए इस नई घटना से सप्लाई में कोई खास कमी नहीं आएगी। यह भारत के लिए राहत की खबर है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर भारत पर सीधे पड़ता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका में हेलीकॉप्टर क्रैश, चार की मौत

सुपीरियर। अमेरिका में एरिजोना के पहाड़ी इलाके में एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई। पिनाल काउंटी शेरिफ कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि यह दुर्घटना फीनिक्स से लगभग 103 किलोमीटर पूर्व में स्थित टेलीग्राफ कैन्यन के पास शुक्रवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे हुई। हेलीकॉप्टर में सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 59 वर्षीय पायलट, 21 वर्षीय दो महिलाएं और 22 वर्षीय एक अन्य महिला शामिल हैं।

मेक्सिको में आए भूकंप में दो लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी। दक्षिणी और मध्य मेक्सिको में शुक्रवार को आए जबरदस्त भूकंप के कारण दो लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। मेक्सिको की राष्ट्रीय भूकंप एजेंसी के अनुसार, भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 6.5 थी और इसका केंद्र प्रशांत तट पर स्थित अकापुल्को रिसॉर्ट के नजदीक दक्षिणी प्रांत गुरेरो में सैन मार्कोस शहर के निकट था। भूकंप बाद के 500 से अधिक झटके भी महसूस किए गए। राज्य की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने बताया कि अकापुल्को के आसपास और राज्य के अन्य राजमार्गों में कई स्थानों पर भूस्खलन हुए।

आयरलैंड के पीएम आज चीन पहुंचेंगे

बीजिंग। आयरलैंड के प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन रविवार को पांच दिवसीय यात्रा पर चीन पहुंचेंगे और चीनी राष्ट्रपति शी चिनपिंग से मुलाकात करेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह 14 वर्षों में किसी आयरिश प्रधानमंत्री की पहली चीन यात्रा होगी। चीन सीमा शुल्क और मानवाधिकार मुद्दों को लेकर यूरोपीय संघ के साथ तनाव के बावजूद उसके विभिन्न सदस्यों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है। पिछले साल फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों और स्पेन के राजा फेलिप षष्ठम ने चीन की यात्रा की तथा शी जिनपिंग से मुलाकात की।

पूर्व कोरियाई राष्ट्रपति के खिलाफ वारंट

सियोल। दक्षिण कोरिया की अदालत ने शुक्रवार को पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल के खिलाफ सबूतों को नष्ट करने की चिंताओं का हवाला देते हुए एक अतिरिक्त हिरासत वारंट जारी किया। कोर्ट ने एक स्वतंत्र वकील के अनुरोध को स्वीकार कर निर्णय सुनाया। पिछले साल जुलाई में दोबारा हिरासत में लिए गए यून की हिरासत को छह महीने तक और बढ़ाए जाने की उम्मीद है। देश के कानून के अनुसार, हिरासत अवधि अधिकतम छह महीने है लेकिन अदालत इसे बढ़ा सकती है।

शराब सेवन नियम तोड़ने पर एयर इंडिया को दी चेतावनी

- ट्रांसपोर्ट कनाडा ने कहा-रद्द की जा सकती है उड़ान अनुमति

वैंकूवर, एजेंसी

एयर इंडिया के एक पायलट को वैंकूवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान भरने की तैयारी करते समय गिरफ्तार किए जाने के एक सप्ताह बाद कनाडा की परिवहन एजेंसी ने विमानन कंपनी को चेतावनी दी है कि यदि वह शराब सेवन से संबंधित नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं करती है तो उसे दी गई उड़ान संबंधी अनुमति रद्द की जा सकती है।

परिवहन एजेंसी ट्रांसपोर्ट कनाडा ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि यह घटना 23 दिसंबर को हुई थी और वह एयर इंडिया एवं भारतीय विमानन अधिकारियों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेगी कि इसके संबंध में उचित कार्रवाई की जाए। रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस ने बताया कि यह गिरफ्तारी विमानन कंपनी के चालक दल के एक सदस्य से जुड़ी चिंताजनक सूचना मिलने के बाद की गई। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है और फिलहाल कोई अतिरिक्त जानकारी जारी नहीं की जाएगी।

हाईड्रोजन ट्रेन

दुनिया में देश का 8वां स्थान

भारतीय रेलवे प्रगति के नित नए सोपान गढ़ रही है। यात्रियों को सुविधा देने के लिए वंदे भारत, हमसफर, राजधानी जैसी सुविधाजनक ट्रेनों के साथ शीघ्र ही बुलेट ट्रेन भी लाने की तैयारी है जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलने के साथ उनका समय भी बचेगा। यही नहीं अब ट्रेनों को पर्यावरण सापेक्ष फ्यूल से संचालित करने की योजना है। अभी तक डीजल, इलेक्ट्रिक इंजनों से चलने वाली ट्रेनें अब हाईड्रोजन से भी संचालित की जाएंगी। कुछ ही दिनों में देश की पहली हाईड्रोजन ट्रेन पटरियों पर दौड़ती-भागती नजर आएगी। हाईड्रोजन ट्रेन से पर्यावरण को काफी लाभ होगा। शून्य कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन से प्रदूषण में कमी आएगी।

जींद से पानीपत तक चलेगी पहली ट्रेन

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन जींद से पानीपत के बीच चलेगी। जींद से ही यह ट्रेन 20 जनवरी के बाद सोनीपत के लिए पहली बार रवाना होगी। ट्रेन व हाइड्रोजन प्लांट की टेस्टिंग के लिए लखनऊ से अनुसंधान और विकास संगठन (आरडीएसओ) की टीमें भी जींद पहुंच चुकी हैं। जो उपकरणों आदि की टेस्टिंग के बाद संचालन के लिए हरी झंडी देंगी।

पूरी तरह स्वदेश में विकसित

यह ट्रेन भारत में डिजाइन और विकसित की गई है। ब्रॉड गेज लाइन पर चलने वाली यह दुनिया की सबसे लंबी (10 कोच) और सबसे शक्तिशाली (2400 किलोवाट) हाइड्रोजन ट्रेन होगी। यह एक बार में 2500 यात्रियों को ले जा सकती है। 360 किलो हाइड्रोजन से 180 किलोमीटर तक चल सकती है। दूसरी तरफ डीजल गाड़ी साढ़े चार लीटर में एक किलोमीटर चलती है। इसकी अधिकतम स्पीड 140 किमी प्रति घंटा है। 1,200 हॉर्स पावर यह ट्रेन हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक पर आधारित है। इस पर 82 करोड़ रुपये लागत आई है।

मिलेगा नया अनुभव

ट्रेन के कोच चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी में तैयार किए गए हैं। इसका परीक्षण भी सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, फ्रांस, स्वीडन के बाद हाइड्रोजन ट्रेन वाला भारत आठवां देश बन गया है। ट्रेन को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यात्रियों को सुविधा, सुरक्षा व बेहतर सफर का नया अनुभव मिल सके। ट्रेन-सेट में दो ड्राइविंग पावर कार हैं। इनमें प्रत्येक की क्षमता 1200 किलोवाट व कुल मिलाकर 2400 किलोवाट शक्ति के साथ 8 यात्री कोच लगाए गए हैं।

मेट्रो की तर्ज पर कोचों में होंगे डिस्प्ले बोर्ड

ट्रेन के कोच मेट्रो की तर्ज पर खुलेंगे और बंद होंगे। पूरी तरह दरवाजे बंद होने के बाद ही ट्रेन स्टेशन छोड़ेगी। बिना आवाज के चलेगी, यात्री आरामदायक सफर का अनुभव करेंगे। सफर के दौरान पंखे, लाइट और एसी की सुविधा। हर कोच में डिस्प्ले होगा। आने वाले स्टेशन के बारे में पहले ही सूचना मिल जाएगी।

प्रदूषण-ईंधन खर्च होगा कम

यह ट्रेन शून्य कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन करती है और इसका एकमात्र उत्सर्जन जल वाष्प है। ट्रेन चलने के दौरान केवल पानी और भाप उत्सर्जित करेगी। इंजन में डीजल की जगह फ्यूल मॉल, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन डाली जाएगी। ऑक्सीजन की मदद से हाइड्रोजन नियंत्रित ढंग से जलेगी और इससे पैदा होने वाली बिजली लिथियम आयन बैटरी को चार्ज करेगी। इस दौरान धुएं की जगह सिर्फ भाप निकलेगी। ट्रेन से न सिर्फ प्रदूषण कम होगा बल्कि ईंधन खर्च में भी कमी आएगी।

वेनेजुएला में आपातकाल का एलान अमेरिका के हमले की कड़ी निंदा की

सुरक्षाबलों को लामबंद करने के साथ नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील

- हमलों के सटीक ठिकानों का पता लगाने के लिए जांच शुरू की

काराकस, एजेंसी

वेनेजुएला के ला गुआइरा बंदरगाह पर अमेरिकी हमलों के बाद उठता हुआ धुआं।

वेनेजुएला सरकार ने अमेरिकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे विदेशी आक्रमण करार दिया और अमेरिका पर चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगाया। अमेरिकी हमले के तुरंत बाद मादुरो ने राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर दी थी और रक्षा बलों को लामबंद करने के साथ-साथ नागरिकों से शांत रहने का आग्रह किया था।

उन्होंने इसे बाहरी हस्तक्षेप बताते हुए इसके खिलाफ एकजुट रहने की अपील की थी। वेनेजुएला की राजधानी काराकस में सुरक्षा बलों को अलर्ट करके संवेदनशील इलाकों के पास की सड़कों को सील कर दिया गया तथा नुकसान का आकलन करने के साथ-साथ हमलों के सटीक ठिकानों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई। अधिकारियों ने नागरिकों को घरों के अंदर रहने और बिना पुष्टि वाली जानकारी न फैलाने की सलाह दी है। यह घटना संयुक्त राज्य अमेरिका और वेनेजुएला के बीच पहले से ही खराब संबंधों में एक नाटकीय मोड़ है। दोनों देशों के बीच राजनीतिक वैधता, आर्थिक प्रतिबंधों और नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े आरोपों को लेकर लंबे समय से तनाव चल रहा है। हाल के हफ्तों में कैरिबियाई क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य और नौसैनिक गतिविधियों में वृद्धि देखी गई थी, जिससे टकराव की आशंका बढ़ गई थी।

150 विमानों, डेल्टा फोर्स के साथ मादुरो को पकड़ा

वाशिंगटन। अमेरिकी ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने बताया कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व नाम से चलाए गए मिशन में 150 से अधिक सैन्य विमानों ने हिस्सा लिया और इसे मिली सफलता महीनों की सूक्ष्म योजना का परिणाम है। जनरल केन ने बताया कि इस अभियान में 20 अलग-अलग सैन्य अड्डों से 150 से अधिक विमानों ने उड़ान भरी। डेल्टा फोर्स के सैनिक रात करीब एक बजे हेलिकॉप्टर से मादुरो के परिसर में पहुंचे। यह दस्ता समुद्र तल से मात्र 100 फीट की ऊंचाई पर उड़ान भरते हुए वेनेजुएला की सीमा में दाखिल हुआ था। मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लेते समय भारी प्रतिरोध का सामना करना पड़ा।

ईयू सहित कई देशों ने की हमले की निंदा

नई दिल्ली। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की यूरोपीय संघ (ईयू), रूस समेत विभिन्न देशों ने निंदा की है। यूरोपीय संघ की विदेश नीति के प्रमुख काजा क्लास संयम ने बरतने का आह्वान किया। क्यूबा ने हमले को वेनेजुएला के लोगों के खिलाफ राज्य प्रायोजित आतंकवाद बताया है। कोलंबिया और ईरान ने भी हमले की कड़ी निंदा की है। स्पेन ने संयम बरतने का आह्वान किया। जर्मनी और इटली ने कहा कि वह स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहे है। रूस ने अमेरिकी कार्रवाई को आक्रामक कृत्य बताते हुए इसकी निंदा की है।

सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने का किया अनुरोध

वेनेजुएला के विदेश मंत्री इवान गिल पिंटो ने शनिवार को कहा कि वेनेजुएला ने देश पर अमेरिकी हमले के जवाब में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपातकालीन बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। अमेरिकी प्रसारक सीएनएन ने यह जानकारी दी है।

ऑपरेशन सिंदूर : पाकिस्तान ने संघर्ष को रुकवाने का चीन को दिया क्रेडिट

- चीन ने कुछ दिन पूर्व किया था दोनों देशों में तनाव कम करने में भूमिका निभाने का दावा

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच तनाव कम करने में अहम भूमिका निभाने के चीन के दावे का समर्थन किया है। उसने चीन की पहल को अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का हिस्सा बताते हुए इसे शांति के लिए कूटनीति करार दिया है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि चीनी नेतृत्व लगातार पाकिस्तान के नेतृत्व के साथ संपर्क में था और उसने छह से 10 मई 2025 के बीच और शायद उससे पहले तथा बाद में भी भारतीय नेतृत्व के साथ कुछ बातचीत की थी।

अंद्राबी की यह टिप्पणी चीनी विदेश मंत्री वांग यी के इस दावे के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में आई कि भारत-पाकिस्तान तनाव उन प्रमुख मुद्दों में शामिल था, जिनके समाधान के लिए चीन ने 2025 में मध्यस्थता की थी। अंद्राबी ने कहा कि मेरा मानना है कि सकारात्मक राजनयिक आदान-प्रदान वाली इन वार्ताओं ने क्षेत्र में तनाव घटाने और शांति एवं सुरक्षा बहाल करने में अहम भूमिका निभाई। इसलिए मुझे पूरा यकीन है कि मध्यस्थता के सिलसिले में चीन का दावा बिल्कुल सही है। हालांकि, भारत ने बार-बार दोहराया है कि पिछले साल मई में पाकिस्तान के साथ छिड़ा संघर्ष दोनों देशों की सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच हुई सीधी बातचीत के जरिये रुका था।भारत लगातार यह भी कहता आया है कि नई दिल्ली और इस्लामाबाद से जुड़े मामलों में किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के लिए कोई जगह नहीं है। अंद्राबी ने मध्यस्थता के चीन के दावे को शांति के लिए कूटनीति बताया। उन्होंने कहा कि यह समृद्धि और सुरक्षा के लिए कूटनीति थी और यह उन तीन-चार दुर्भाग्यपूर्ण दिनों में उस संघर्ष को सुलझाने के लिए किए गए विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों में शामिल थी।

भारत ने ध्वस्त किए थे आतंकी ठिकाने

भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले के बाद सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में कई आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। जवाब में पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए थे।

जयशंकर की टिप्पणियों की आलोचना

पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर द्वारा पाकिस्तान के बारे की गई टिप्पणियों की आलोचना करते हुए शनिवार को दावा किया कि ये बयान क्षेत्र में अस्थिरता को बढ़ावा देने के भारत के चिंताजनक रिकॉर्ड से ध्यान हटाने के लिए की गई थीं। जयशंकर ने शुक्रवार को कहा था कि बुरे पड़ोसियों के मामले में भारत को अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है और यदि कोई पड़ोसी देश भारत में आतंकवाद फैलाना जारी रखता है तो वह नई दिल्ली से पानी साझा करने की मांग नहीं कर सकता। हालांकि, उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया था। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि पाकिस्तान भारत के विदेश मंत्री द्वारा किए गए गैर-जिम्मेदाराना दावों को खारिज करता है। अंद्राबी ने आरोप लगाया कि भारत एक बार फिर क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ावा देने वाले पड़ोसी के रूप में अपने चिंताजनक रिकॉर्ड से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहा है।

छात्रा से रैगिंग में प्रोफेसर निलंबित

- हिमाचल प्रदेश सरकार ने गठित की जांच समिति

शिमला, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश सरकार ने रैगिंग के कारण 19 वर्षीय दलित छात्रा की मौत को लेकर बढ़ते आक्रोश के मद्देनजर शनिवार को एक समिति गठित करने की बात कही, जो कॉलेज में एक प्रोफेसर द्वारा यौन उत्पीड़न किए जाने और जातिसूचक अपशब्द कहे जाने समेत सभी पहलुओं की जांच करेगी। आरोपी प्रोफेसर को निलंबित भी कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का वादा किया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने भी धर्मशाला में स्थित सरकारी डिग्री कॉलेज में छात्रा की मौत से संबंधित मामले की जांच के लिए पांच सदस्यीय तथ्यान्वेषी समिति गठित की है।

इससे पहले यूजीसी रैगिंग रोधी हेल्पालइन ने स्वतः संज्ञान लेते हुए शिकायत दर्ज की थी। सुक्खू ने कहा कि छात्रा के वीडियो बयान के आधार पर आरोपी प्रोफेसर को तत्काल निलंबित कर दिया गया है। इस वीडियो में उसने प्रोफेसर का नाम लिया था। मुख्यमंत्री ने सोलन जिले के कंडाघाट में कहा कि प्रोफेसर के खिलाफ जांच शुरू की जाएगी और सभी संलिप्त दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। लुधियाना के अस्पताल में इलाज के दौरान छात्रा की मौत हो गई।

महिला आयोग ने मामले में मांगी कार्रवाई रिपोर्ट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित राजकीय डिग्री कॉलेज में एक 19 वर्षीय छात्रा की रैगिंग, शारीरिक उत्पीड़न एवं यौन उत्पीड़न के बाद उपचार के दौरान मृत्यु का स्वत: संज्ञान लेते हुए राज्य के डीजीपी से पांच दिन में कार्रवाई रिपोर्ट देने को कहा है। आयोग ने इसे जघन्य, अमानवीय एवं निंदनीय कृत्य बताते हुए इसकी कड़ी भर्त्सना की है। आयोग के अनुसार यह छात्रा के जीवन, गरिमा एवं अधिकारों का घोर उल्लंघन है।

यमन पर सऊदी अरब ने किया हवाई हमला, 20 लोगों की मौत

अदन, एजेंसी

सऊदी अरब के युद्धक विमानों ने यमन के दक्षिणपूर्वी तेल-समृद्ध प्रांत हद्रामौत में शुक्रवार को कई स्थानों पर हवाई हमला किया जिसमें 20 से ज्यादा लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। सेयुन पब्लिक हॉस्पिटल के एक सूत्र ने शिन्हुआ से कहा कि पिछले कुछ घंटों में अस्पताल में 20 से अधिक शव लाए गए हैं।

हमलों में नागरिकों सहित दर्जनों अन्य लोग घायल हुए हैं और वर्तमान में उनका उपचार चल रहा है। इससे पहले दिन में, दक्षिणी

- हद्रामौत प्रांत में हुए हवाई हमलों में दर्जनों लोग घायल

संक्रमणकालीन परिषद (एसटीसी) से संबद्ध उपग्रह चैनल एआईसी ने कहा कि सऊदी अरब के तीव्र हवाई हमलों में सेयुन हवाई अड्डे और आसपास की आवासीय इमारतों को निशाना बनाया गया, जिसमें एक ही परिवार के सात सदस्यों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने शिन्हुआ से कहा कि हवाई हमलों के कारण नागरिकों में दहशत का माहौल है जिससे कई परिवारों को अपना घर छोड़कर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा।

सुरक्षा परिषद के पांच अस्थायी सदस्य देशों ने संभाला काम

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में बहरीन, कोलंबिया, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, लातविया और लाइबेरिया ने शुक्रवार अपनी जिम्मेदारियां संभालनी शुरू की। उन पांच देशों का दो वर्षीय कार्यकाल एक जनवरी से शुरू हुआ लेकिन नए साल की छुट्टियों के बाद परिषद का 2026 का पहला कार्य दिवस शुक्रवार को था। समारोह की सह-मेजबानी करने वाले कज़ाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र राजदूत कैरात उमरोव ने परिषद के पांच नए सदस्यों को बधाई दी और उनकी सफलता की कामना की।

ईरान के सर्वोच्च नेता खामनेई ने कहा, दंगाइयों पर करेंगे सख्ती

दुबई, एजेंसी

ईरान के सर्वोच्च नेता ने शनिवार को देश में अशांति उत्पन्न करने वाले विरोध प्रदर्शनों पर कहा कि दंगाइयों पर सख्ती करनी होगी। सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की ये टिप्पणियां एक सप्ताह से जारी प्रदर्शनों के प्रति अधिकारियों को अधिक आक्रामक रुख अपनाने की अनुमति देने का संकेत प्रतीत होती है।

ईरान की खराब अर्थव्यवस्था के कारण भड़के विरोध-प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में कम से कम 10 लोगों की मौत हो चुकी है। ऐसे में

- विरोध प्रदर्शनों में मृतकों की संख्या बढ़कर 10 पर पहुंची

86 वर्षीय अयातुल्ला अली खामेनेई की यह पहली टिप्पणी सामने आई है। विरोध-प्रदर्शन का सिलसिला थमता नहीं दिख रहा है और ऐसा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुक्रवार को ईरान को दी गई चेतावनी के बाद हो रहा है। ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर तेहरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की हिंसक हत्या करता है तो अमेरिका उनकी मदद के लिए आगे आएगा। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप हस्तक्षेप करेंगे या नहीं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 4 जनवरी, रविवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 12.29 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

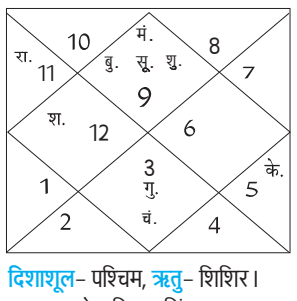

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुनर्वसु 15.11 तक तत्पश्चात पुष्य।

मेष — आज आपकी पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। लंबित योजनाएं समय पर पूर्ण हो जाएंगी। आपकी दिनचर्या व्यवस्थित और अनुशासित रहने वाली है। मांगलिक कार्यों को लेकर मन में कुछ दुविधा रहेगी।

वृष — आज नौकरीपेशा लोगों की पदोन्नति होने की संभावना है। पूरे जोश और मेहनत के साथ अपने काम में लगे रहेंगे। ऑफिस का काम आपको घर पर करना पड़ सकता है। विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं।

मिथुन — आज परिवार के साथ मांगलिक कार्यक्रमों का आनंद उठाएंगे। रुके हुए कार्य पूर्ण करने का प्रयास करेंगे, जिसमें आपको सफलता भी अवश्य मिलेगी। नए उपक्रमों की शुरुआत कर सकते हैं। आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी।

कर्क — आज व्यवसाय में बड़े निवेशकों का सहयोग मिलने की भी संभावना बन रही है। आपकी सूझबूझ और बुद्धिमत्ता की प्रशंसा होगी। प्रतियोगी परीक्षा में आपका प्रदर्शन जबरदस्त रहने वाला है। साहित्य से जुड़े लोगों को पुरस्कार मिल सकता है।

सिंह — आज आपका समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। रियल एस्टेट से जुड़े कारोबार में वृद्धि होगी। परिजनों की सुख-सुविधाओं का ध्यान रखें। घर के लिए महत्वपूर्ण एक्सेसरीज की खरीदारी कर सकते हैं। उच्च शिक्षा में आपका प्रदर्शन जबरदस्त रहेगा।

कन्या — आज का दिन अत्यंत ही शुभ रहेगा। कारोबार में बड़ी साझेदारी हो सकती है। नौकरी में उन्नति के योग बन रहे हैं। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। उधार दिया हुआ धन वापस मिल सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला — आज प्रेम संबंधों को नए रिश्ते की ओर परिणित कर सकते हैं। आप अपने पसंदीदा कार्यों को लेकर अत्यंत उत्सुक रहेंगे। आपको परिवार का अतिरिक्त ध्यान रखना पड़ेगा। नजदीकी मित्रों से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं।

वृश्चिक — आज आपके उदार स्वभाव की लोग प्रशंसा करेंगे। विचारों को सदैव सकारात्मक बनाए रखें। रिश्तेदार आपसे कुछ निजी मामलों को लेकर राय ले सकते हैं। यदि आप सजग रहे तो आपके काम निर्बाध रूप से हो जाएंगे।

धनु — आज आप स्वयं को और अपनी जीवनशैली को पर्याप्त समय देंगे। विधिक मामलों में आपको विजय मिल सकती है। छोटे भाई-बहनों की उपलब्धियों पर आपको गर्व होगा। पेट में गैस और एसिडिटी बन सकती है।

मकर — आज संतान को लेकर कुछ चिंतित हो सकते हैं। विद्यार्थियों को उच्च अध्ययन में थोड़ी कठिनाई महसूस होगी। स्वार्थी प्रवृत्ति के लोगों से आपको परेशानी होगी। आपको झूठ बोलने से बचना चाहिए। परिवार के सदस्यों की सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — आज आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। कारोबार में आपको मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। तकनीकी शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों को करियर के उत्तम विकल्प मिल सकते हैं। आपका मन पूजा-पाठ में लगेगा। नया वाहन खरीद सकते हैं।

मीन — आज आपका सामाजिक संबंधों का दायरा विस्तृत होगा। अपनी उपलब्धियों पर गर्व की अनुभूति होगी। अपनी दिनचर्या में अच्छी आदतों को सम्मिलित कर सकते हैं। संतान को करियर के नए अवसर मिलने के योग बन रहे हैं।

सुडोकू-22

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		5	1				6	
7					6			
		9		8	5		4	3
	5				9	3		7
9	2						8	1
1		3	8				5	
3	9		5	4		6		
			3					9
	8				7	2		

सुडोकू - 21 का हल

2	7	4	3	6	9	8	1	5
6	3	8	5	7	1	2	4	9
1	9	5	8	2	4	6	3	7
9	8	2	7	1	3	4	5	6
7	4	3	6	5	2	1	9	8
5	1	6	4	9	8	3	7	2
3	6	9	2	4	7	5	8	1
4	2	1	9	8	5	7	6	3
8	5	7	1	3	6	9	2	4

मैं चाहता हूं कि टी20 क्रिकेट में एक गेंदबाज पांचवां ओवर भी फेंके। अगर कोई बल्लेबाज पहली गेंद से लेकर आखिरी गेंद तक पूरी पारी में क्रीज पर रह सकता है तो फिर हम सभी गेंदबाजों को चार ओवर तक क्यों सीमित कर रहे हैं।
–साइमन टॉफेल, पूर्व अंपायर

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार, 4 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

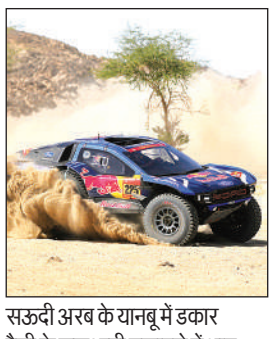

सऊदी अरब के यानबू में डकार रैली के शुरुआती मुकाबले में भाग लेते ड्राइवर कार्लोस सैंज और को-ड्राइवर लुकास क्रूज। एजेंसी

टी-20 में एक गेंदबाज को पांच ओवर मिलने चाहिए : टॉफेल

नई दिल्ली। पूर्व अंपायर साइमन टॉफेल ने टी20 क्रिकेट में बल्ले और गेंद के बीच बेहतर संतुलन बनाने की अपील करते हुए सुझाव दिया है कि एक गेंदबाज को मौजूदा चार ओवर के कोटे के बजाय पांच ओवर गेंदबाजी करने की अनुमति दी जानी चाहिए। अभी क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में प्रत्येक गेंदबाज को अधिकतम चार ओवर फेंकने की अनुमति है लेकिन टॉफेल का मानना है कि एक गेंदबाज को पांचवा ओवर करने की अनुमति देने से इस खेल में नया रणनीतिक आयाम जुड़ सकता है। ऑस्ट्रेलिया के इस 54 वर्षीय अंपायर ने क्रिकबज से कहा मैंने कुछ अलग-अलग लीग को कुछ सुझाव दिए हैं, जिन पर अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया गया है। लेकिन मैं सीमित ओवरों के क्रिकेट में बल्ले और गेंद के बीच संतुलन देखना चाहता हूं।

कार्लोस को अस्पताल से मिली छुट्टी

साओ पाउलो। ब्राजील और रियल मैड्रिड के पूर्व स्टार फुटबॉलर रॉबर्टो कार्लोस को इस सप्ताह के शुरू में की गई हृदय शल्यक्रिया के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। अस्पताल विला नोवा स्टार ने शुक्रवार को यह घोषणा की लेकिन उसने इस बारे में विस्तार से कोई जानकारी नहीं दी। रॉबर्टो कार्लोस को सोमवार को हृदय में कुछ परेशानी के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस 52 वर्षीय खिलाड़ी को उसी दिन कोरोनरी एंजियोप्लास्टी कराने की सलाह दी गई। यह प्रक्रिया न्यूनतम चीर-फाड़ वाली होती है। इसमें दिल की अवरुद्ध या संकुचित धमनियों को चौड़ा किया जाता है। इस पूर्व डिफेंडर को चिकित्सा प्रोटोकॉल के कारण शुरू में गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया था।

तेज गेंदबाज मयंक पूर्ण फिटनेस के करीब

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज मयंक यादव पीठ के निचले हिस्से में ऐंठन के कारण लगभग एक साल तक मैदान से बाहर रहने के बाद अब अपनी पूरी क्षमता से गेंदबाजी करने के लिए फिट होने के करीब हैं। इस 23 वर्षीय तेज गेंदबाज ने आईपीएल 2024 में अपनी तूफानी गेंदबाजी से सबका ध्यान खींचा था। इसके बाद वह सबसे छोटे प्रारूप में भारत के लिए भी खेले। हालांकि पीठ की चोट के कारण वह 2025 में केवल दो प्रतिस्पर्धी मैच ही खेल पाए। मयंक की फिटनेस संबंधी समस्याओं के बावजूद उनकी आईपीएल टीम लखनऊ सुपर जायंट्स ने इस तेज गेंदबाज पर भरोसा दिखाया और पिछले महीने हुई नीलामी से पहले उन्हें अपनी टीम में बनाए रखा।

सिराज न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे शृंखला में करेंगे वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी

अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय शृंखला के लिए शुक्रवार को चुनी गई 15 सदस्यीय भारतीय टीम में वापसी की जबकि श्रेयस अय्यर भी फिटनेस मंजूरी मिलने पर इस टीम का हिस्सा होंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू शृंखला में नजरअंदाज किए गए सिराज की वनडे टीम में वापसी हुई है।

नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में वनडे शृंखला के दौरान 'स्प्लीन' (तिल्ली) में चोट लगने के कारण अस्पताल में भर्ती हुए अय्यर को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) से फिटनेस मंजूरी पाने के लिए इस महीने विजय हजारे ट्रॉफी में अपनी मैच फिटनेस साबित करनी होगी। दिग्गज हरफनमौला हार्दिक पंड्या को सीओई से मैच में 10 ओवर गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं मिली इसलिए चयनकर्ताओं ने उन्हें 11 जनवरी से वडोदरा में शुरू होने वाली शृंखला के लिए टीम में शामिल नहीं किया। इस शृंखला के बाकी दो मैच राजकोट और इंदौर में क्रमशः 14 और 18 जनवरी को खेले जाएंगे। बीसीसीआई ने यहां जारी बयान में कहा श्रेयस अय्यर की उपलब्धता बीसीसीआई सीओई से फिट होने का प्रमाण मिलने पर निर्भर है। उन्होंने कहा बीसीसीआई सीओई ने हार्दिक पंड्या को एक मैच में 10 ओवर गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं दी है और आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के मद्देनजर उनके कार्यभार को नियंत्रित किया जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका शृंखला के दौरान शानदार शतक बनाने के बावजूद ऋतुराज गायकवाड़ को चयनकर्ताओं ने नजरअंदाज किया।

कप्तान शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे शृंखला का हिस्सा नहीं थे ऐसे में गायकवाड़ को मौका मिला था। उन्होंने रायपुर में नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए 83 गेंदों में शानदार 105 रन बनाए थे।

गिल टी20 विश्व कप टीम से बाहर किए जाने के बाद वनडे कप्तानी की जिम्मेदारी केएल राहुल से वापस लेंगे, जिन्होंने गिल की अनुपस्थिति में टीम की कमान संभाली थी। ऋषभ पंत ने अटकलों के बावजूद टीम में दूसरे विकेटकीपर के रूप में अपनी जगह बरकरार रखी है। पिछली शृंखला में टीम का हिस्सा रहे तिलक वर्मा और ध्रुव जुरेल सीनियर खिलाड़ियों के चोट से वापसी करने के कारण टीम से बाहर हो गये हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण में सिराज, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह शामिल हैं।

- श्रेयस अय्यर की भागीदारी फिटनेस पर निर्भर

टीम

(बाएं से) शुभमन गिल (कप्तान), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, रविंद्र जड़ेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, केएल राहुल (विकेट कीपर), यशस्वी जायसवाल, वाशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत और अर्शदीप सिंह।

हार्दिक की शतकीय पारी के बावजूद बड़ौदा की करारी हार

विजय हजारे ट्रॉफी : उत्तर प्रदेश की लगातार पांचवी जीत

राजकोट, एजेंसी

हार्दिक पंड्या की 92 गेंद में 133 रन की आक्रामक पारी के बावजूद बड़ौदा को विजय हजारे ट्रॉफी ग्रुप बी मैच में शनिवार को यहां विदर्भ के खिलाफ नौ विकेट की करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। हार्दिक ने अपनी पारी में आठ छक्के और 11 चौके जड़े। उन्होंने इस दौरान पारी के 39वें ओवर में लगातार पांच छक्के और एक चौका भी लगाया।

बड़ौदा का स्कोर एक समय पांच विकेट पर 71 रन था, लेकिन इसके बाद हार्दिक ने अपना कमाल दिखाते हुए टीम को नौ विकेट पर 293 रन तक पहुंचा दिया। विदर्भ ने हालांकि लक्ष्य का पीछा करते हुए आसानी से जीत हासिल कर ली। अमन मोखाडे ने 121 गेंदों में 150 रन बनाकर नाबाद रहे और ध्रुव शोरे ने 76 गेंदों में 65 रन का योगदान दिया। टीम ने 294 रनों का लक्ष्य 41.4 ओवरों में ही हासिल कर लिया। विदर्भ की यह पांच मैचों में चौथी जीत थी, जबकि बड़ौदा को पांच मैचों में दूसरी हार का सामना करना पड़ा।

हार्दिक पंड्या। एजेंसी

यूपी ने जम्मू कश्मीर को 58 रनों से हराया

उत्तर प्रदेश ने 48 ओवर के मैच में समीर रिजवी की 45 गेंद में नाबाद 80 रन की पारी से पांच विकेट पर 322 रन बनाने के बाद जम्मू कश्मीर को आठ विकेट पर 264 रन पर रोक दिया। टीम की 58 रन की जीत में जीशान अंसारी (49 रन पर तीन विकेट), कुलदीप यादव (47 रन पर दो विकेट), प्रशांत वीर (33 रन पर एक विकेट) और विप्रज निगम (51 रन पर एक विकेट) की स्पिन गेंदबाजों की चौकड़ी ने अहम योगदान दिया।

पडिक्कल ने सत्र का चौथा शतक जड़ा

अहमदाबाद : भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने विजय हजारे ट्रॉफी में सत्र का अपना चौथा शतक लगाया जिससे सितारों से सजी कर्नाटक की टीम ने शनिवार को यहां ग्रुप ए में त्रिपुरा को 80 रन से हराकर अपनी पांचवीं जीत हासिल की। घरेलू क्रिकेट के दिग्गज पडिक्कल ने 120 गेंद में 108 रन बनाए और कर्नाटक ने सात विकेट पर 332 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। फिर टीम ने त्रिपुरा को एक ओवर रहते 252 रन पर समेटकर आसान जीत हासिल की। अभी दो और लीग मैच खेले जाने हैं। कर्नाटक 20 अंक से शीर्ष पर है, उसके बाद मध्य प्रदेश (16), झारखंड (12) और केरल (12) की टीम हैं। त्रिपुरा के आठ अंक हैं। तमिलनाडु और राजस्थान के चार-चार अंक हैं। पडिक्कल ने सिर्फ 10 दिन में पांच मैच में 500 से अधिक रन बना लिए हैं। कर्नाटक के सिर्फ छह रन पर दो विकेट गिर गए थे, तब शानदार फॉर्म में चल रहे इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने पारी को संभाला। कप्तान मयंक अग्रवाल (5) और करुण नायर (0) दोनों तीसरे ओवर में आउट हो गए, दोनों त्रिपुरा के अभिजीत सरकार (चार विकेट) की तेज गेंदों का शिकार हुए। पडिक्कल और रविचंद्रन स्मरण ने तीसरे विकेट के लिए 136 रन की साझेदारी की। सलामी बल्लेबाज ने विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल (35) के साथ 65 रन की साझेदारी करके पारी को और मजबूत किया। कर्नाटक के सफेद गेंद के विशेषज्ञ अभिनव मनोहर ने फिर 43 गेंद में नाबाद 79 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे त्रिपुरा के शीर्ष पांच बल्लेबाज सिर्फ 59 रन पर आउट हो गए।

एसजी पाइपर्स शीर्ष पर बरकरार

एसजी पाइपर्स ने महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब (सफेद ड्रेस) को 3-1 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। एसजी पाइपर्स के लिए लोला रीरा (13वें मिनट), ज्योति सिंह (18वें मिनट) और सुनेलिता टोप्पो (58वें मिनट) ने गोल किए जबकि सूरमा के लिए पेनी स्क्विब (12वें मिनट) ने एकमात्र गोल किया। सूरमा ने स्क्विब के पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करने से बढ़त बना ली थी पर एसजी पाइपर्स ने वापसी करते हुए जीत दर्ज की। ● एजेंसी

सीनियर नेशनल वॉलीबॉल वाराणसी में आज से

वाराणसी। वाराणसी के डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (सिगरा) में रविवार से 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप (पुरुष एवं महिला) आयोजित की गई है। आठ दिवसीय प्रतियोगिता में कुल 58 टीमें भाग लेंगी, जिनमें पुरुष वर्ग की 30 व महिलाओं की 28 टीमें शामिल हैं।

टीमों की ग्रुपिंग्स व मैचों का पूरा शेड्यूल भारतीय वॉलीबॉल महासंघ ने लीग कम नॉकआउट आधार पर खेली जाने वाली प्रतियोगिता का पूरा विवरण शनिवार को जारी किया। पहले दिन पुरुष वर्ग में कुल 14 और महिला वर्ग में 13 लीग मुकाबले खेले जाएंगे। चार से सात जनवरी तक लीग दौर होगा। उसके बाद नॉकआउट दौर शुरू होगा। मेजबान यूपी की पुरुष व महिला टीमों को ग्रुप सी में जगह पुरुषों में 30 टीमों को कुल छह ग्रुपों में विभक्त किया गया है। मेजबान यूपी की पुरुष टीम को ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और बिहार के साथ ग्रुप सी में जगह दी गई है।

बोंडी में गोलीबारी के बाद एशेज टेस्ट की बढ़ी सुरक्षा

सिडनी, एजेंसी

- सिडनी में पांचवां व अंतिम टेस्ट आज से

सिडनी के बोंडी बीच में हुई गोलीबारी की घटना को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच रविवार से यहां शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट मैच के लिए सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इस मैच के दौरान लंबी राइफलों से लैस पुलिस गश्त करेगी। ऑस्ट्रेलिया में किसी खेल प्रतियोगिता के दौरान अमूमन इस तरह की सुरक्षा नहीं देखी जाती है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में होने वाले इस मैच में स्टेडियम खचाखच भरे रहने की संभावना है। इस दौरान वर्दीधारी और घुड़सवार पुलिस के साथ-साथ सार्वजनिक व्यवस्था और दंगा नियंत्रण दस्ते के अधिकारी भी निगरानी रखेंगे।

बोंडी बीच में तीन सप्ताह पहले हनुक्का उत्सव के दौरान दो बंदूकधारियों ने 15 लोगों की हत्या कर दी थी। इस घटना में कई अन्य लोग घायल हो गए थे। न्यू साउथ वेल्स राज्य के पुलिस आयुक्त माल लैन्योन ने शनिवार को कहा कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने का उद्देश्य जनता को सुरक्षा के प्रति आश्वस्त करना है। उन्होंने कहा हो सकता है कि कई लोग खेल प्रतियोगिता के दौरान पुलिस को राइफल लिए देखने के आदी न हों, लेकिन हमारा उद्देश्य जनता को सुरक्षित महसूस कराना है और पुलिस बल तैनात रहेगा। अंतर सिर्फ इतना होगा कि लंबी बंदूकें दिखाई देंगी और पुलिस की मौजूदगी मजबूत होगी।

पुलिस हमेशा की तरह असामाजिक और असुरक्षित व्यवहार करने वालों को निशाना बनाएगी। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में 26 दिसंबर से खेले गए चौथे एशेज टेस्ट के लिए भी इसी तरह के सुरक्षा उपाय अपनाए गए थे। वहां भी विशेष पुलिस अधिकारियों को अर्ध-स्वचालित राइफलों से लैस किया गया था और उन्होंने स्टेडियम, पास के एक पार्क और रेलवे स्टेशन के आसपास गश्त की थी।

महाराष्ट्र ने मुंबई को 128 रनों से हराया

जयपुर, एजेंसी

अर्शिन कुलकर्णी के 114 रन और रामकृष्ण घोष के 64 रन की मदद से महाराष्ट्र ने शनिवार को विजय हजारे ट्रॉफी ग्रुप सी मैच में मुंबई पर 128 रन की बड़ी जीत दर्ज की।

यह मुंबई की पहली हार थी, लेकिन टीम पंजाब के साथ 16-16 अंक के साथ शीर्ष दो में बनी हुई है। महाराष्ट्र 12 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है, उसने पांच में से तीन मैच जीते हैं। पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद कुलकर्णी ने पृथ्वी साव (71 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 140 रन जोड़े और महाराष्ट्र के चार विकेट पर 366 रन के विशाल स्कोर की नींव रखी। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने 66 रन बनाए, लेकिन घोष ने मुंबई के गेंदबाजों की धुनाई करते हुए 27 गेंद में 64 रन बनाए जिसमें तीन चौके और पांच छक्के शामिल थे। इससे महाराष्ट्र का स्कोर 350 रन के पार पहुंच गया। इस विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल नौ गेंद में सिर्फ तीन रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें शनिवार को घरेलू मैदान पर होने वाली न्यूजीलैंड श्रृंखला के लिए भारत की वनडे टीम में चुना गया था। लेकिन उनके सलामी जोड़ीदार अंगकृष रघुवंशी ने 88 गेंद में 92 रन बनाकर मुंबई की उम्मीद बनाए रखी। पर रन रेट बढ़ता रहा और 33वें ओवर में 186 रन पर सातवां विकेट गिरने के साथ ही मुंबई की उम्मीदें खत्म हो गईं। सिद्धेश लाड और तनुष कोटियन ने क्रमशः 52 और 36 रन का योगदान दिया लेकिन यह बड़े लक्ष्य का पीछा करने के लिए काफी नहीं था। इससे मुंबई की टीम 42 ओवर में 238 रन पर ऑल आउट हो गई। महाराष्ट्र के लिए प्रदीप दाधे ने 43 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि सत्यजीत बच्चाव ने 44 रन देकर दो विकेट लिए। वहीं भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने 34 रन देकर पांच विकेट झटकते हुए पंजाब को सिक्किम पर 10 विकेट से जीत दिलाई।

राजनीतिक तनाव के कारण भारत बांग्लादेश सीरीज पर संदेह

नई दिल्ली, एजेंसी

- एक सितंबर से वनडे और 9 सितंबर से टी-20 शृंखला है तय

भारत और बांग्लादेश के बीच बिगड़ते राजनयिक संबंधों के कारण दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट कुछ समय के लिए ठप पड़ सकता है और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) द्वारा कार्यक्रम की घोषणा के बावजूद भारतीय टीम के दौरे की संभावना कम है। बीसीबी ने शुक्रवार को घोषणा की कि सितंबर में दोनों देशों के बीच सीमित ओवरों की छह मैचों की शृंखला खेली जाएगी। उसने बीसीसीआई से परामर्श करने का दावा करते हुए तारीखों की घोषणा भी की।

बीसीबी के कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम के 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचने के बाद एक, तीन और छह सितंबर को तीन वनडे मैच खेलेगी जबकि टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच नौ, 12 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे। यह श्रृंखला मूल रूप से पिछले साल आयोजित होने वाली थी लेकिन भारतीय बोर्ड की सुरक्षा चिंताओं के कारण इसे अनिश्चितकाल के लिए रद्द कर दिया गया था। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि बीसीसीआई इस बार भी सहयोग करने के लिए तैयार नहीं है, जिसका एक बड़ा संकेत आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स को तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से 'रिलीज' करने का निर्देश देना है। बांग्लादेश पिछले छह महीने से राजनीतिक हिंसा की चपेट में है और बीसीसीआई इस अस्थिरता की स्थिति में इस देश के दौरे का जोखिम नहीं लेना चाहता है।

बांग्लादेश को हालांकि अगले महीने से ही टी20 विश्व कप मैचों के लिए भारत आना है। बीसीसीआई के निर्देशों पर रहमान को आईपीएल से 'रिलीज' किए जाने के बाद बीसीबी का इस पर रुख सबकी नजरों में रहेगा। हालात अगर और बिगड़ते हैं तो भारत और पाकिस्तान के बीच जैसी स्थिति उत्पन्न होना पूरी तरह से इनकार नहीं किया जा सकता है। भारत-पाकिस्तान अपने सभी आईसीसी मैच तटस्थ मैदानों पर खेलते हैं क्योंकि पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद उनके संबंध और भी खराब हो गए हैं। टी20 विश्व कप का भारत-पाकिस्तान मैच अगले महीने श्रीलंका में खेला जाएगा। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद दोनों देशों में संबंध तनावपूर्ण हो गए।

यूनाइटेड कप | 40 वर्ष की उम्र में भी अपने दमखम का शानदार नमूना पेश करते हुए फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच को हराया

वावरिंका ने जीत के साथ अपने विदाई वर्ष की शुरुआत की

यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स में ऑस्ट्रेलिया की स्टॉर्म हंटर के खिलाफ शॉट लगातीं नॉर्वे की मैलेन हेल्गो। एजेंसी

पर्थ, एजेंसी

इस सत्र के बाद संन्यास लेने की पहले ही घोषणा कर चुके स्टेन वावरिंका ने 40 वर्ष की उम्र में भी अपने दमखम का शानदार नमूना पेश करते हुए शनिवार को यहां यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट में जीत के साथ नए साल की शुरुआत की।

तीन बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वावरिंका ने फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच को 5-7, 7-6 (5), 7-6 (5) से हराया। रिंडरकनेच की विश्व रैंकिंग 29 जबकि वावरिंका की 157 है। यह मैच तीन घंटे 16 मिनट तक चला। वावरिंका ने दिसंबर में घोषणा की थी कि यह वर्ष एटीपी टूर पर उनका आखिरी साल होगा। वावरिंका ने मैच के बाद कहा आज का मुकाबला काफी कड़ा था। मैं पहली बार यहां आया हूं और इतना समर्थन मिलना अद्भुत है। मुझे एटीपी टूर में 20 साल हो गए हैं। आप लगभग हमेशा एक ही जगह और एक ही टूर्नामेंट में खेलते हैं। इसलिए मेरे लिए इस साल पर्थ में खेलने का यह अवसर मिलना बहुत ही शानदार है। उन्होंने कहा मैं संन्यास के अपने फैसले से खुश हूं और इससे अधिक सहज महसूस कर रहा हूं। स्विट्जरलैंड की उनकी साथी खिलाड़ी बेलिंडा बेनसिच ने इस मिश्रित टीम प्रतियोगिता में इससे पहले फ्रांस की लियोलिया जीनजेन को 6-2, 6-4 से हराया था।

स्टेन वावरिंका। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन तक ओसाका के फिट होने की उम्मीद

पर्थ : चार बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन नाओमी ओसाका यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के दौरान अस्वस्थ महसूस कर रही हैं लेकिन उन्हें 18 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन तक पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है। ओसाका शुक्रवार को यूनान की मारिया सकारी से 6-4, 6-2 से हार गई थी। उन्होंने कहा कि वह क्रिसमस की छुट्टियों के दौरान बीमार हो गई थीं, इसलिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाई। मैच के दौरान ओसाका को बीच-बीच में खांसी आ रही थी और वह थकी हुई लग रही थीं। उन्होंने कहा मैं कुछ स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थी, अभी यहां आकर खुशी हो रही है।